हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एक रहेंगे- सेफ रहेंगे, ऊंची उड़ान भरेंगे

महाराष्ट्र में महायुति की जीत पर पीएम मोदी ने कहा कि एक साथ होकर हम और भी ज्यादा ऊंची उड़ान भरेंगे। भाजपा मुख्यालय में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में विकास, सुशासन, सच्चे सामाजिक न्याय की जीत हुई। झूठ और छल बुरी तरह पराजित हुआ। महाराष्ट्र ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, यह पिछले 50 वर्षों में किसी भी पार्टी या चुनाव पूर्व गठबंधन की सबसे बड़ी जीत है। महाराष्ट्र छठा राज्य है, जहां भाजपा की लगातार तीसरी बार जीत हुई है। हरियाणा चुनाव के बाद महाराष्ट्र से मिला सबसे बड़ा संदेश एकता है; 'एक हैं तो सुरक्षित हैं'..देश का 'महामंत्र' बन गया है। पीएम ने फिर कहा, केवल बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान ही लोगों को स्वीकार्य है, दुनिया की कोई भी ताकत अनुच्छेद 370 बहाल नहीं कर सकती।

महाराष्ट्र में बीजेपी का कमाल कांग्रेस, ठाकरे, पवार बेहाल

288 कुल सीटें
145 बहुमत
235 भाजपा गठबंधन
49 इंडिया
04 अन्य

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणामों में भाजपा की हवा या आंधी नहीं, बल्कि सुनामी दिखी। महाराष्ट्र की 288 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा ने राज्य की 148 सीटों पर चुनाव लड़ा था। परिणाम के अनुसार भाजपा 132 सीटें हासिल कर ली। भाजपा का स्ट्राइक रेट 84 फीसदी का रहा है, जो राजनीतिक पंडितों को भी हैरान करने वाला है। महाराष्ट्र के चुनावी इतिहास में भाजपा को पहली बार इतनी अधिक सीटें मिलेंगी। महाराष्ट्र के 288 विधानसभा सीटों के परिणाम में महायुति 235 सीटें मिली, जबकि महा विकास अघाड़ी 49 सीटों पर सिमट गई। एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 71 फीसदी सीटों पर बढ़त ▶▶शेष पेज 4 पर

फडणवीस बन सकते हैं महाराष्ट्र के सीएम

भाजपा 148 सीटों पर चुनाव लड़ी और 132 सीटों पर विजयी रही

महायुति की इसलिए जीत

- लाडली बहना योजना ट्रंप कार्ड
- जातियों में बिखरे हिंदू वोटों को एकजुट किया
- लोकसभा में मिली हार से भी सबक लिया
- लोकलुभावन योजना का आक्रामक प्रचार
- भाजपा ने बिगड़े सियासी समीकरण को दुरुस्त किया

क्यों हारी महा विकास अघाड़ी

- महाविकास अघाड़ी के दल साथ काम करते नजर नहीं आए
- शरद पवार की एनसीपी का प्रदर्शन चुनाव में सबसे खराब रहा
- चुनाव में उद्धव की पार्टी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई
- महाराष्ट्र में सोयाबीन की एमएसपी की गारंटी का मुद्दा भी नहीं चला
- बागियों की तरफ से महाविकास अघाड़ी को अधिक नुकसान पहुंचा

ऐसे बोल

फर्जी शुभचिंतकों की दुकानें बंद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के लिए राज्य के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गठबंधन को इतना बड़ा बहुमत देकर लोगों ने संविधान के फर्जी शुभचिंतकों की दुकानें बंद करा दीं।

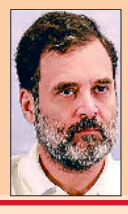

चुनाव परिणाम अप्रत्याशित

चुनाव में महायुति को बहुमत मिलने पर राहुल गांधी ने हैरानी जताई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे अप्रत्याशित हैं। हम इनका विस्तार से विश्लेषण करेंगे। झारखंड के लोगों का दिल से धन्यवाद।

कांग्रेस नहीं भेद पाई रायपुर दक्षिण का किला 46 हजार से ज्यादा वोटों से जीते सुनील सोनी

पहले राउंड से भाजपा ने बनाई बढ़त, अंतिम राउंड तक कांग्रेस रही पीछे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा ने बाजी मारी है। सुनील सोनी ने अपने प्रतिद्वंद्वी आकाश शर्मा को 46 हजार 167 मतों से हराया।

ये दक्षिण के मतदाताओं की जीत : सुनील

सुनील सोनी को 89 हजार 220 और आ का श शर्मा को 43 हजार 053 मत मिले हैं। आठ बार से यह सीट भाजपा के पास थी। यहां से बृजमोहन अग्रवाल चुनाव जीतते आ रहे थे, इस बार भी भाजपा ने अपने इस अभेद किले को जीत लिया है। यहां से भाजपा के सुनील सोनी ने कांग्रेस के आकाश शर्मा को बड़े मार्जिन से मात दी है। सीएम विष्णुदेव साय ने दक्षिण विधानसभा में जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। साथ ही साथ ▶▶शेष पेज 4 पर

जनता के विश्वास पर खरे उतरे हमारे उम्मीदवार- साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, मैं इस जीत के लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं, चुनाव के प्रभारी, भाजपा के सभी मंत्री, विधायकों, पदाधिकारियों एवं पिछले कई दशकों से दक्षिण विधानसभा की सेवा कर रहे सांसद बृजमोहन अग्रवाल को बधाई देता हूं। हमारे प्रत्याशी सुनील सोनी को भी इस प्रचंड जीत की बहुत-बहुत बधाई। भाजपा रायपुर दक्षिण के मतदाताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है। मैं उनका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हुए इस बात का विश्वास दिलाता हूं कि जो विश्वास जनता ने किया है, हम उस पर खरा उतरेंगे।

सोनी का सिक्सर...

पार्षद, सभापति, महापौर, आरडीए अध्यक्ष, सांसद और अब विधायक

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा का उपचुनाव जीत कर सुनील सोनी ने सिक्सर लगाया है। वे रायपुर नगर निगम में पार्षद, सभापति, दो बार महापौर, आरडीए अध्यक्ष, सांसद रहे और अब विधायक का चुनाव जीता है। इतने पदों पर इसके पहले कोई व्यक्ति नहीं रहा। सरल, सहज और मिलनसार स्वभान के श्री सोनी राजनीति में किस्मत के ▶▶शेष पेज 4 पर

किस्मत के धनी

सुनील सोनी राजनीति में एक सफल नेता के रूप में उभरे। यह कहा जा सकता है कि राजनीति में वे किस्मत के धनी रहे। पार्षद से नेकर महापौर, सांसद और विधायक का चुनाव जीता। किसी भी चुनाव में उन्हें हार का सामना नहीं करना पड़ा।

झारखंड में सोरेन का मुक्ति मोर्चा

एजेंसी ▶▶ रांची

महाराष्ट्र में निर्णायक जनादेश से सकते में आए विपक्ष को झारखंड ने राहत दी, जहां मतदाताओं ने झामुमो नीत गठबंधन को सत्ता सौंपी है। 81 सीटों वाली झारखंड विधानसभा में इंडिया गठबंधन ने 56 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा 34, कांग्रेस 16, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) चार और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन दो सीट पर जीत दर्ज की है। इस तरह कुल सीटों की संख्या 56 हो गई है। एनडीए में ▶▶शेष पेज 4 पर

कुल सीट 81
बहुमत 41

झामुमो+ 56
भाजपा+ 24
अन्य 01

झारखंड में हेमंत सोरेन क्यों जीते?

1. मइंया सम्मान स्कीम काम कर गई
2. भाजपा का घुसपैठिया वाला मुद्दा फेल हो गया
3. भाजपा भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा नहीं बना पाई

बृजमोहन बोले- जनता के विश्वास की जीत

रायपुर दक्षिण के पूर्व विधायक और सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधानसभा में सुनील सोनी की जीत पर कहा, जनता के विश्वास की जीत है। श्री अग्रवाल ने इस ऐतिहासिक विजय को रायपुर दक्षिण की जनता के भाजपा की विचारधारा, विकास और जनसेवा में अटूट विश्वास का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, यह जीत रायपुर दक्षिण की जनता की आकांक्षाओं और सपनों की जीत है।

प्रियंका ने जीता वायनाड उपचुनाव

नई दिल्ली। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने बड़ी जीत हासिल की है। प्रियंका को अपने पहले चुनाव में कुल 6,22,338 वोट मिले और उन्होंने सीपीआई पार्टी के उम्मीदवार सत्यन मोकेरी को 4,10,931 वोटों के बड़े मार्जिन से हराया।

यूपी की नौ सीटों में सात पर खिला कमल

नई दिल्ली। देश के 14 राज्यों की 48 सीटों पर उपचुनाव भी हुए। इनमें यूपी की नौ सीटों में हुए उपचुनाव में भाजपा ने सात सीटों पर कब्जा जमा लिया। यूपी की कानपुर की सीसामऊ और करहल सीट पर सपा ने जीत दर्ज की है।

VICCO®
— TRUSTED AYURVEDA —
SINCE 1952

मसूड़ों की समस्या हो तो

भारत का गम एक्सपर्ट*

ब्लीडिंग, स्वेलिंग और लूज़ गम्स जैसे प्रॉब्लम्स से परेशान? आपको चाहिए एक गम एक्सपर्ट. विको वज्रदंती में है आँवला, बबूल, लौंग और अजवाइन जैसी १८ जड़ी-बूटियां जो गम प्रॉब्लम्स को रखे दूर और बनाए गम्स को मजबूत.

सौंफ़ और दालचीनी फ़्लेवर्स शुगर-फ़्री में भी उपलब्ध

Scan to discover more and buy
Follow us on @viccolabs • Like us on /ViccoLabs
• Shop online at https://viccolabs.com • Customer Care No. 0712-2420890
*The study covered the selected top brands of Ayurvedic dental preparations and was executed in compliance with MRSI guidelines. Vicco study data on file (Dental consumer study).

पतंजलि®

जिनको आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान नहीं, जो देश को परिवार नहीं, बाजार मानते हैं, वो महर्षि चरक व सुश्रुत, धन्वंतरि और च्यवन ऋषि की परंपरा के अनुरूप ओरिजिनल च्यवनप्राश कैसे बना पाएंगे?

हमने ऋषियों की विरासत व विज्ञान के अनुसार 40 नहीं, 51 बेशकीमती जड़ी-बूटियों व केसर युक्त पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश बनाया है।

इसे खाइए, सभी बीमारियाँ भगाइए और अपने शरीर को मेडिकल स्टोर बनने से बचाइए।

सर्दी-जुकाम, कफ़-कोल्ड आदि से बचाकर रेस्पिरेटरी सिस्टम को स्ट्रॉन्ग बनाता है, सैकड़ों रोगों से लड़ने की ताकत देता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाने वाला आयुर्वेदिक सुपरफूड, जो बीमारियों से बचाकर सदा युवा रखता है।

51 बेशक़ीमती जड़ी-बूटियां

'विश्व में पहली बार' प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल 'फ्रंटियर इन फार्माकोलॉजी' में प्रकाशित रिसर्च पेपर पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश को श्रेष्ठतम के रूप में प्रमाणित करता है, जो कि इन्फ्लेमेशन को दूर कर रोगों से लड़ने की शक्ति देता है।
www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8633414/

ऑनलाइन ख़रीदें- www.patanjaliayurved.net | कस्टमर केयर - 18001804108
OrderMe ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पतंजलि उत्पाद ऑर्डर करें।

महाराष्ट्र चुनाव में महायुति की जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ेगा महत्वपूर्ण असर

भाजपा का बढ़ेगा रुतबा, वहीं कांग्रेस की बारगेनिंग पावर होगी कमजोर

हिंदुत्व की राजनीति की जीत मोदी-शाह और होंगे मजबूत

महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनने जा रही है। राज्य में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। महायुति की एकतरफा जीत का असर निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा। भाजपा और मजबूत होकर उभरेगी वहीं कांग्रेस को बैकफुट में रहना होगा। ढाई महीने बाद, अगले साल होने वाले दिल्ली चुनाव में भी हालिया नतीजों का असर पड़ना तय हो गया है। यह चुनाव नरेंद्र मोदी , अमित शाह और उनकी हार्डकोर राजनीति को फिर से स्थापित करने वाला माना जा सकता है। साथ ही, भाजपा की इस बड़ी जीत से हिंदुत्व की राजनीति पर बाला साहेब ठाकरे के परिवार की दावेदारी कमजोर होगी और राज्य में हिंदुत्व की राजनीति पर शिवसेना से वैसी प्रतिद्वंद्विता नहीं मिलेगी..

प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता

लोकसभा चुनाव 2024 में महाराष्ट्र में महायुति को तगड़ा झटका लगा था, लेकिन विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र की हवा ने बीजेपी की तरफ रुख किया है। एक्सपर्ट का मानना है कि लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा और नरेंद्र मोदी के लिए एक झटके की तरह देखा गया था, क्योंकि इससे एनडीए के घटक दलों का महत्व बढ़ गया था।

जिससे एक बात साफ थी कि पीएम मोदी पहले अपने दो कार्यकाल की तरह फैसले लेने से परहेज करेंगे। इससे पहले साल 2014 और 2019 में भाजपा ने केंद्र में अपने दम पर सरकार बनाई थी। इस बार बहुमत नहीं मिलने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कम होती लोकप्रियता से जोड़ा गया था, लेकिन हरियाणा में जीत, जम्मू-कश्मीर में अच्छे प्रदर्शन के बाद महाराष्ट्र की जीत ने एक बार फिर से पीएम मोदी की लोकप्रियता पर लग रहे प्रश्न चिह्न को खत्म कर दिया है। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने मोदी की लोकप्रियता और नीतियों के अधार पर ही चुनाव लड़ा। ऐसे में महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत को मोदी की जीत बताया जा रहा है। ऐसे में भाजपा के अंदर अब मोदी का रुतबा और मजबूत होगा, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद मोदी की लोकप्रियता पर सवाल खड़े होने लगे थे।

हिंदुत्व की राजनीति पर मुहर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान ही 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारा खूब चर्चा में रहा। यूपी के सीएम योगी ने इस नारे को महाराष्ट्र विधानसभा में चुनाव प्रचार के दौरान ख़ूब इस्तेमाल किया। ऐसा माना गया कि यह नारा हिंदू समुदाय की अलग-अलग जातियों को एक करने के लिए था। इस नारे को लेकर जब विवाद पैदा हुआ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान ही 'एक हैं तो सेफ़ हैं' नारा लेकर आए। इस नारे को भी हिंदू समुदाय को एकजुट करने के लिहाज से देखा गया।

ढाई माह बाद होने वाला दिल्ली चुनाव भी नहीं रहेगा बेअसर

एनडीए के भीतर भाजपा का होगा दबदबा

महाराष्ट्र में भाजपा की इस जीत से एनडीए के भीतर पार्टी का दबदबा और मजबूत होगा और सहयोगी पार्टियां का दखल अब कमजोर होता दिखाई देगा। क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव है और भाजपा यहां भी नीतीश कुमार के साथ सीटों की साझेदारी में मन मुताबिक डील कर सकती है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के भरोसे भले केंद्र में मोदी सरकार चल रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा को मिल रही लगातार जीत से समीकरण बदलेगा। ऐसे में नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू मोदी सरकार से अब बहुत तोलमोल नहीं कर पाएंगे। बीजेपी का मजबूत होना न केवल विपक्षी पार्टियों के लिए निराशाजनक है, बल्कि एनडीए के भीतर भी सहयोगी दलों को लिए बहुत अच्छी स्थिति नहीं होगी।

बैकफुट में होगी कांग्रेस

वहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाल का परिणाम कांग्रेस के लिए बहुत निराशाजनक है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में 99 सीटें जीतने के बाद पार्टी को जो नई ऊर्जा मिली थी, वहां ठहराव की स्थिति आएगी। पार्टी को भविष्य की रणनीति पर फिर से विचार करना होगा और लोग राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व पर भी सवाल उठाएंगे। लोग राहुल गांधी की लीडरशिप पर सवाल खड़े करेंगे।

दिल्ली चुनाव में पड़ेगा असर

ढाई महीने बाद ही दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। फ़रवरी 2025 में होने जा रहे इस चुनाव में तीन मुख्य पार्टियां मैदान में हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन नहीं हो सका था और दिल्ली में भी ये गठबंधन नहीं होने जा रहा है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजे का असर दिल्ली विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है। हालांकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी मजबूत है और बाक़ी राज्यों से इसकी तुलना नहीं की जा सकती है।

तय हुआ असली शिवसेना व एनसीपी कौन?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव कांग्रेस और भाजपा के लिए तो अहम हैं ही शिवसेना और एनसीपी के लिए भी महत्वपूर्ण है। शिवसेना और एनसीपी दोनों विभाजित हो चुकी हैं। ऐसे में इस जीत से लगभग यह भी तय हो गया कि असली शिवसेना और एनसीपी कौन है। महायुति की इस जीत से एक बात यह भी साफ उद्धव ठाकरे और शरद पवार की चुनौतियां बढ़ेंगी। क्योंकि उन्हें खुद को जनता के सामने बनाए रखने के लिए मंथन करना होगा।

जीत की जलेबी

मुंबई। मुंबई स्थित भाजपा कार्यालय में शनिवार को जलेबी बनाते हुए महाराष्ट्र के डीसीएम देवेंद्र फडणवीस। गौरतलब है, राज्य के विधानसभा चुनाव के आए नतीजों में भाजपा नीत गठबंधन महायुति को एकतरफा जीत हासिल हुई है।

ठाणे। मुंबई में समर्थकों के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विक्ट्री साइन बनाते हुए।

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले भारत ब्लॉक की जीत के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी और झामुमो नेता कल्पना सोरेन के साथ परिवार के सदस्यों के साथ जश्न मनाते हुए।

नागपुर। भाजपा की महिला व पुरुष कार्यकर्ता जीत के बाद कमल का फूल थामे।

राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे व पार्टी चीफ अजीत पवार नतीजों के बाद।

लखनऊ। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव मौर्य उपचुनाव में जीत के बाद।

नईदिल्ली में उत्साहित भाजपा कार्यकर्ता।

लोग गद्दारों को कैसे जिता सकते हैं : राउत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के शुरुआती रुझानों में भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन को बंपर बहुमत मिला है। इन नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महायुति गठबंधन पर निशाना साधा। शिवसेना(यूबीटी) नेता ने शिंदे गुट की शिवसेना की जीत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि एकनाथ शिंदे के सभी विधायक कैसे जीत सकते हैं? लोग गद्दारों को कैसे जिता सकते हैं? हाल ही में अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर भी प्रतिकिया दी। उन्होंने महायुति की जीत के पीछे अदाणी विवाद का हाथ बताया। राउत ने इस नतीजे को मामले से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह महाराष्ट्र की जनता का फैसला नहीं हो सकता। हम जानते हैं कि महाराष्ट्र की जनता क्या चाहती है। ऐसा परिणाम लागू नहीं किया जा सकता है। राउत के बयान पर भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा, राउत को अपना विमान जमीन पर उतारने की जरूरत है।

संसद में पहली बार 3 गांधी एक साथ प्रचारक से जन प्रतिनिधि बनीं प्रियंका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

2019 के लोकसभा चुनाव से सक्रिय राजनीति में किया था पदार्पण

कभी 17 साल की उम्र में अपने पिता राजीव गांधी के साथ चुनावी प्रचार में शामिल होने और कई मौकों पर संसद में दर्शक दीर्घा से अपने पिता, मां और भाई के भाषणों की साक्षी बनीं प्रियंका गांधी वाद्रा शनिवार को लोकसभा के लिए निर्वाचित हो गईं। केरल के वायनाड से उनके निर्वाचन के बाद यह पहली बार है कि संसद में गांधी-नेहरू परिवार तीन सदस्य होंगे। उनके भाई राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं तथा मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं।

कांग्रेस के लिए स्टार प्रचार की भूमिका निभाती आ रहीं प्रियंका वायनाड से चार लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीती हैं। इसी सीट पर उनके भाई राहुल गांधी 3.64 लाख मतों के अंतर विजयी हुए थे। प्रियंका गांधी पहली बार किसी सदन की सदस्य बनी हैं। वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं। उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं। अपनी दादी इंदिरा गांधी, मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी के बाद वह भी संसद में दक्षिण भारत के किसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं।

गांधी परिवार की चौथी पीढ़ी, परिवार की आठवीं संसद सदस्य

देश की सियासत में नेहरू-गांधी परिवार का दबदबा रहा है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर चौथी पीढ़ी के राहुल गांधी ने संसद का सफर तय किया है। अब इसी पीढ़ी की प्रियंका गांधी भी संसद की चौखट पार करने के लिए केरल की वायनाड से लोकसभा का उपचुनाव लड़ रही है। प्रियंका के वायनाड से चुनाव जीतते ही वह परिवार की आठवीं संसद सदस्य हो जाएंगी।

नेहरू परिवार का राजनीति में रहा है दबदबा

देश में जिन सियासी परिवारों का दबदबा रहा है उनमें सबसे ऊपर नेहरू परिवार का नाम आता है। नेहरू के समय ही उनके दामाद फिरोज गांधी सांसद बन गए। उनकी बेटी इंदिरा गांधी पहली बार संसद की सीढ़ी 1964 में चढ़ी। इंदिरा के प्रधानमंत्री रहते उनके छोटे बेटे संजय अमेठी से सांसद बने। संजय की दुर्घटना में मौत के बाद इसी सीट से राजीव गांधी सांसद निर्वाचित हुए। राजीव की 1991 में हत्या हो गई। इसके बाद सोनिया ने पहली बार बैल्लारी और अमेठी से 1999 में लोकसभा चुनाव लड़ा। सोनिया की सियासी सक्रियता के बीच उनके बड़े बेटे राहुल 2004 में अमेठी से सांसद निर्वाचित हुए। वर्तमान में वे रायबरेली से सांसद हैं, वहीं सोनिया राज्यसभा सांसद हैं।

महाराष्ट्र : 1 फीसदी वोट भी नहीं पा सके ओवैसी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में असदुद्दीन ओवैसी के सपनों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ए आ ई ए म आ ई ए म (एआईएमआईएम) पर अक्सर बीजेपी की बी टीम होने का आरोप लगता रहता है, इस टैग को हटाने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से एआईएमआईएम मैदान में उतरी थी। उनकी नजर मुख्य रूप से मुस्लिम और दलित वोट बैंक पर थी। हालांकि ओवैसी की पार्टी का प्रदर्शन उनकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा. पार्टी ने राज्य की 14 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन इसे केवल 1 सीट पर ही बढ़त मिलती दिख रही है।

रायपुर, रविवार 24 नवंबर 2024 | अगहन कृष्ण पक्ष नवमी | वर्ष : 23, अंक : 128 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- जानकार एकत्रित झुंड को हाथियों का पारिवारिक परिवेश में आपस में मिलना बता रहे
- जानकारों के मुताबिक स्ट्रेस से उबरने हाथी आपस में इस तरह के मेल-जोल करते हैं

हाथी बने साथी... धरमजयगढ़ में डेढ़ सौ से ज्यादा पहुंचे पिकनिक या शोक, विशेषज्ञ कह रहे शोध का विषय

50 से अधिक हाथियों की चहल-कदमी का वीडियो वायरल | **14** नर, 29 मादा के अलावा 15 बच्चे दल में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/रायगढ़

छत्तीसगढ़ में ऐसा पहली बार हुआ है कि अलग-अलग रेंज के डेढ़ सौ से अधिक हाथी एक ही जगह पर एकत्रित हो रहे हों। ऐसा ही एक वीडियो जिले से वायरल हुआ है। वीडियो में देखा जा रहा है कि 50 हाथियों का दल मेन सिथरा मेन रोड को पार कर रेल लाइन की तरफ जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र के गांव के ग्रामीणों को सावधानी बरतने की अपील की गई है।

खास खबर

जानकारी के अनुसार जिले में 151 हाथी अलग-अलग रेंज के अलग-अलग बीट में विचरण कर रहे हैं। जिले में हाथियों की बड़ी संख्या होने की वजह ⏭शेष पेज 4 पर

अफसर कह रहे शोध का विषय

धरमजयगढ़ वन मंडल में एक साथ डेढ़ सौ के करीब हाथियों का झुंड एकत्रित होने की बात को लेकर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन से कारण जानने की कोशिश की गई। अफसर का कहना है कि अलग-अलग समूह के हाथियों का झुंड एकत्रित हुआ होगा। अफसर के अनुसार राज्य में इस तरह चार-पांच दल का एक साथ आना शोध का विषय है। अफसर के अनुसार राज्य में विचरण कर रहे हाथियों का परिवार छोटा है। इसीलिए अधिकतम 40 से 50 हाथी एक साथ एकत्रित हो सकते हैं।

साथी चुनने के लिए होते हैं एकत्रित

हाथियों का दल अलग अलग दिशाओं से एक जगह एकत्रित हो रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो हाथी अपनी बुद्धिमत्ता, घनिष्ठ पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जटिलता के लिए जाने जाते हैं, और वे वर्षों तक अन्य व्यक्तियों और स्थानों को याद रखते हैं। वे एक तरल विखंडन-संलयन समाज में रहते हैं, जिसमें माता-संतान के ⏭शेष पेज 4 पर

जुटते हैं शोक प्रकट करने

जब झुंड में किसी की मौत हो जाती है तो हाथी भावनात्मक व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। एक हाथी की मृत्यु पर, अन्य हाथी शोक मनाते हैं। शोक कई दिनों या हफ्तों तक चल सकता है, जिसमें हाथी मृत हाथी के शरीर पर अपनी सूंड और पैर रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह कृत्य मृत हाथी के प्रति सांत्वना और सहानुभूति का प्रतीक है, जैसे कि किसी प्रियजन के खोने पर अपना दुख व्यक्त करता हो। शोक मनाने के अलावा, हाथियों का झुंड में परिवार के सदस्यों और दोस्तों के बीच मजबूत बंधन प्रदर्शित करने के लिए एकजुट होते हैं। तनाव और संकट के समय में, हाथी एक-दूसरे का समर्थन करने और सांत्वना देने के लिए एक साथ आते हैं। हाथी मामलों के जानकार संदीप पुराणिक के मुताबिक इस तरह हाथियों का झुंड दक्षिण के राज्यों में कई बार देखा गया ⏭शेष पेज 4 पर

सामाजिक संपर्क के लिए एकत्रित हुए

हाथी मामलों के जानकार संदीप पुराणिक के मुताबिक सामाजिक संपर्क बढ़ाने मादा हाथी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ साथ एक साथ मिलते हैं और एक दूसरे के साथ खुशियों का इजहार करने चिंघाड़ने के साथ एक दूसरे को सूंड से छूते हैं। श्री पुराणिक के मुताबिक ज्यादा स्ट्रेस में होने पर भी हाथी तनाव दूर करने परिवार से जुड़े हाथियों के साथ मिलते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

संसद का शीतसत्र कल से आज सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू हो रहा है। यह सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा।

सरकार ने इस सत्र की कार्यसूची में 16 विधेयक सूचीबद्ध कराए हैं. इसमें से पांच विधेयक नए हैं। इसके अलावा बाकी लंबित विधेयक हैं। यह पिछले 10 साल में सबसे आक्रामक हो सकता है।

उत्तरी राज्यों में ठंड, पारा 10 डिग्री के नीचे

नई दिल्ली। देश के उत्तरी राज्यों में ठंड का असर बढ़ता जा रहा है। शनिवार को राजस्थान और मध्य प्रदेश के 18 शहरों में

तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। इसमें राजस्थान के 9 और मध्य प्रदेश के 9 शहर हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर के बाद अब हिमाचल प्रदेश में भी बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है।

पेड़ से टकराई कार परिवार के 4 की मौत

बिजनौर। बिजनौर जिले में एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण उसमें सवार एक ही परिवार के चार

सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कार सवार सुलतान की पत्नी गुलफ्सा (28), आठ दिन की उसकी बेटी अनादिया, बड़ी बेटी अलीशा (छह) और बहन चांद बानो (35) की मौके पर ही मौत हो गई।

खड़े ट्रक से टकराया वाहन, पांच की मौत

गुवाहाटी। असम के बजाली जिले में एक वाहन रास्ते में खड़े ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में

पांच लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की चपेट में आए लोग नलबाड़ी से रास उत्सव देखने के बाद अपने घर लौट रहे थे। भबानीपुर में उनकी वैन ट्रक से टकरा गई।

मिजोरम में दो दिन और बैन रहेगा इंटरनेट

इंफाल। मणिपुर सरकार ने सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक शनिवार को दो दिन

के लिए बढ़ा दी। गृह विभाग के आदेश में कहा गया, राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा करने के बाद जनहित को ध्यान में रखते हुए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं दो दिन के लिए निलंबित रखने का निर्णय लिया है।

एके-47, इंसास, एसएलआर , 9 एमएम पिस्टल समेत 11 हथियार बरामद

दस पर था चालीस लाख का इनाम मारे गए नक्सलियों की हुई शिनाख्त

करतम कोसा

लखमा माड़वी

कु. मड़कम कोसी

मुचाकी देवा

कवासी केसा

दुर्गा कोसी

एक साल में 207 नक्सली मार गिराए

वर्ष 2024 में बस्तर संभाग अंतर्गत की जा रही नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अब तक 207 नक्सलियों के शव बरामद, 787 नक्सलियों को गिरफ्तार, 789 नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण एवं 262 हथियार नक्सलियों से बरामद किया गया है।

फोर्स ने मार गिराए 10 नक्सली, मिलिट्री इंचार्ज मड़कम मासा भी मारा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/कोंटा

नक्सलियों के शवों के साथ सुरक्षा बलों ने कुल 11 हथियार बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि मुठभेड़ पश्चात घटनास्थल व आसपास के एरिया में सर्चिंग करने पर 3 महिला सहित 10 माओवादियों के शव व 1 एके-47, 1 इंसास राइफल, 1 एसएलआर राइफल, 1 नग 9 एमएम पिस्टल 1 सिंगल शॉट राइफल, 6 मजल लोडिंग राइफल व भारी मात्रा में सामग्री बरामद किया गया है। मारे गए नक्सलियों में मड़कम दूधी मासा निवासी भंडारपदर थाना भेजी जिला सुकमा, दक्षिण बस्तर डिवीजन एमआई प्लस इंचार्ज प्लाटून नं. 4 व 8 प्रभारी डीव्हीसीएम इनाम 8 लाख, ⏭शेष पेज 4 पर

मड़कम मासा

कोंटा ब्लॉक के भेज्जी थाना क्षेत्र के भंडारपदर इलाके में शुक्रवार को सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता के बाद सभी 10 नक्सलियों की शिनाख्त कर ली गई है। दक्षिण बस्तर डिविजन मिलिट्री इंचार्ज मड़कम मासा सहित 2 डीव्हीसीएम, 3 एसीएम, 4 पीएलजीए के नक्सली सहित 10 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए थे। भंडारपदर मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों पर कुल 40 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

हरिभूमि फॉलोअप

मृतकों में दो डीव्हीसीएम, तीन एसीएम, चार पीएलजीए के नक्सली

सुरक्षा बल की सूझबूझ काम आई

मुठभेड़ में सुरक्षा बल द्वारा सूझबूझ के साथ की गई अभियान के कारण पीएलजीए प्लाटून नंबर 4 को तगड़ा झटका लगा है। सीपीआई माओवादी संगठन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के उद्देश्य से स्थानीय जिला पुलिस बल, डीआरजी तथा केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा आपसी बेहतर तालमेल एवं रणनीति के साथ काम किया जा रहा है। - **कमलोचन कश्यप,** उप पुलिस महानिरीक्षक

मुखबिरी के आरोप में दो युवकों को कुल्हाड़ी से काट डाला

- पड़ोसी राज्य तेलंगाना के मुलुगू जिले के थाना वजीदु के पेनुगोलु कालोनी की घटना

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में नक्सलियों ने पुलिस मुखबिर के आरोप में 2 युवकों की निर्मम हत्या कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक 2 दिन पहले मुलूगु जिले के थाना वजीदु के पेनुगोलु कालोनी में 21 नवम्बर की रात लगभग 11 बजे नक्सलियों ने ⏭शेष पेज 4 पर

नक्सलियों की कायराना करतूत

तेलंगाना में 2 दिन पहले 21 नवम्बर की रात को नक्सलियों द्वारा 2 युवकों को पुलिस का मुखबिर बताकर हत्या करना उनकी कायरता का उदाहरण है। दोनों गरीब लोग थे, उनकी हत्या से परिवार बेसहारा हो गया है। उस इलाके के लोगों में नक्सलियों के खिलाफ काफी आक्रोश है। - **पी.सुंदरराज,** आईजी बस्तर

पोस्ट ऑफिस के ओवरसियर तथा एक अन्य को सीबीआई ने रिश्वत लेते किया ट्रैप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीबीआई ने बलौदाबाजार जिला के पोस्ट ऑफिस में पदस्थ दो अफसरों को 37 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अफसरों में एक मेल ओवरसियर तथा एक उप-मंडल निरीक्षक (एसडीआईपी) शामिल है। सीबीआई ने दोनों अफसरों के खिलाफ शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

- ओवरसियर तथा एसडीआईपी को 37 हजार रुपए रिश्वत लेते सीबीआई ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया
- घटना बलौदाबाजार जिला की

सीबीआई द्वारा जारी बयान के मुताबिक रिश्वत लेने के आरोप में मेल ओवरसियर राजेश पटेल तथा उप- मंडल निरीक्षक विनिता मानिकपुरी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों अफसरों के खिलाफ 19 नवंबर को देवसुंदरा डाकघर की शाखा डाक अधीक्षक ने शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों पर आरोप है कि 22 अक्टूबर 2024 को देवसुंदरा डाकघर का निरीक्षण करते समय मेल ओवरसियर राजेश पटेल और एसडीआईपी विनीता मानिकपुरी ने शिकायतकर्ता की कुछ त्रुटियां पाई थीं। इन त्रुटियों को दबाने और मामले को रफा-दफा करने के लिए अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से 60 हजार रुपए की मांग की थी।

किस्तों में ले रहे थे रिश्वत की राशि

घूसखोर अफसरों ने शिकायतकर्ता के अनुरोध पर रिश्वत की राशि को किस्तों में देने की अनुमति दी। पहली किस्त देने 40 हजार रुपए तय की गई, जिसमें से 37 हजार रुपए शनिवार को मेल ओवरसियर को देने थे। योजना के अनुसार शिकायतकर्ता पैसे लेकर मेल ओवरसियर के पास गया, जहां सीबीआई ने उसे रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। साथ ही सीबीआई की टीम आरोपियों के कार्यालय और आवासीय परिसरों की तलाशी लेने के साथ मौके की जांच करने की बात कह रही है।

एसीबी की कार्रवाई

प्रधान आरक्षक 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छत्तीसगढ़ में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम सक्रिय हो गई है। पिछले कुछ समय से लगातार रिश्तव लेने वाले शासकीय कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है। शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे एसीबी की टीम भिलाई के स्मृतिनगर पुलिस चौकी पहुंची,

जहां प्रधान आरक्षक रामकृष्ण सिन्हा को टीम ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते दबोच लिया। एसीबी के अधिकारियों ने ⏭शेष पेज 4 पर

जैसे ही पैसे लिए पहुंच गई टीम

एसीबी ने प्रार्थी को 10 हजार रुपए देकर प्रधान आरक्षक के पास भेजा। आरोपी प्रधान आरक्षक रामकृष्ण सिन्हा ने जैसे ही रुपए लिए, एसीबी की टीम ने उसे पकड़ लिया। आरोपी के विरुद्ध धारा-7 पीसीएक्ट 1988 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

उल्टी-दस्त, हाथ-पैर में सूजन और सांस लेने में तकलीफ से 8 ग्रामीणों की मौत!

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिले के कोंटा विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ गोगुण्डा क्षेत्र में 8 लोगों की मृत्यु होने की खबर ने प्रशासन को सकते में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि झिरिया का गंदा पानी पीने की वजह इन मौतों का कारण हो सकता है।

घटना में सूचना मिलने पर कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर 18 नवंबर को उप स्वास्थ्य केन्द्र गोगुण्डा (बगड़ेगुड़ा) और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दोरनापाल से मेडिकल टीम रवाना की गई। गोगुण्डा में स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। चिकित्सा दल को 18 से ⏭शेष पेज 4 पर

जांच में मलेरिया के 160 पाजिटिव केस

- झरिया का पानी पीना भी बीमार होने का प्रमुख कारण
- कलेक्टर के निर्देश पर मेडिकल टीम पहुंची गांव

सावधानी बरतने की सलाह

सीएमएचओ डॉ. कपिल कश्यप ने जारी बयान में बताया कि मेडिकल टीम के द्वारा ग्रामीणों का उपचार के साथ ही गांव के सरपंच-सचिव सहित अन्य पंचायत पदाधिकारी एवं ग्रामीणों से रूबरू चर्चा कर स्वास्थ्य के बारे में सावधानी बरतने को कहा जा रहा है।

Sona Biscuits Ltd., Kolkata, For Distributorship Contact : 033 4045 5555
www.sobisco.com | follow us on facebook/sobisco biscuits

इस खबर से समझिए सोशल मीडिया का खोखलापन

56 लाख फॉलोअर्स, लेकिन वोट सिर्फ 155

एजेंसी ⏭ मुंबई

टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस-7' समेत कई फिल्मों में नजर आए एक्टर एजाज खान ने वर्सोवा सीट से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 56 लाख फॉलोअर्स वाले इस एक्टर को इस चुनाव में मात्र 155 वोट ही मिले। उन्होंने नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के टिकट पर नामांकन भरा था। हालांकि, एजाज को तगड़ा झटका लगा है। खुद को मुंबई का भाईजान बताने वाले एजाज वोट हासिल करने में असफल नजर आए।

परिणाम पर चुटकी

एजाज खान की हार पर नेटिजन्स ने चुटकी लेना शुरू कर दिया है। वोटिंग से जुड़ी एक वायरल पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक एक्स यूजर ने लिखा, 56 लाख इंस्टाग्राम फॉलोअर वाले इंसान को इतने कम वोट मिले हैं। दूसरे ने लिखा, लगता है एजाज को उनके परिवारवालों का भी वोट नहीं मिला। वहीं, एक अन्य लिखते हैं, 'इससे अच्छा तो रजत दलाल को ही चुनाव लड़वा देते।

एजाज का रहा विवादों से गहरा नाता: गुजरात के अहमदाबाद में जन्मे एजाज खान को 'दीया और बाती हम' के साथ-साथ 'करम अपना अपना' जैसे लोकप्रिय शो में देखा जा चुका है। वह 'रक्त चरित्र' और 'अल्लाह के बंदे' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। वहीं, एजाज की बात करें तो उनका विवादों से भी गहरा नाता रहा है। एजाज खान ड्रग्स रखने के आरोप में जेल जा चुके हैं। 'बिग बॉस 7' में हिस्सा ले चुके एजाज खान शो में रहते हुए भी विवादों से चर्चा में रहते थे।

नहीं काम आए 5.6 मिलियन फॉलोअर्स

5.6 मिलियन से अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर्स वाले अभिनेता एजाज खान चुनाव में बुरी तरह हारे। जानकारी हो कि इस सीट से कुल 16 उम्मीदवार मैदान में थे। इस सीट को परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। यहां से एजाज ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के टिकट पर वोट लड़ा और बुरी तरह पस्त हुए हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। साथ ही, उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभाओं तथा मध्यप्रदेश की दो सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम भी घोषित हुए हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में जहां सत्ताएं बरकरार रहीं, वहीं उप्र में सात सीटों पर भाजपा और दो पर सपा जीती है। इसके विपरीत, मप्र की विधानसभा सीट विजयपुर के उपचुनाव में मतदाताओं ने सत्तासीन भाजपा को नकार दिया, जबकि बुधनी सीट पर विजय दिलाई है। बीजेपी का जादू झारखंड में नहीं चल पाया। धुसपैठ और ईसाईकरण के मुद्दे भी वहां काम नहीं आए। भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे हेमंत सोरेन ने वहां बड़ी जीत हासिल की है। महाराष्ट्र, भारत का छठा ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। महाराष्ट्र के जनादेश ने महायुति गठबंधन के भीतर भाजपा को मजबूती दी है और ये जनादेश देवेंद्र फडणवीस के पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना जता रहा है। वहीं, कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) तथा राकांपा (शरद पवार) के लिए चुनाव परिणाम आत्मचिंतन का विषय बन गया है। कुल मिलाकर नतीजों ने दिखा दिया है कि विधानसभा के चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ही काफी नहीं है बल्कि स्थानीय लीडरशिप भी अहम है। इन तमाम पहलुओं पर रोशनी डालता आजकल का यह अंक...

विचारों की लड़ाई में विजय का जनादेश

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव का परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों को एक साथ मिलाकर लोकसभा चुनाव परिणामों से तुलना कर सकते हैं और अलग-अलग विश्लेषण भी। महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव का परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र का परिणाम असाधारण है। भाजपा के नेतृत्व में महायुती की एकपक्षीय विजय है और भाजपा ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सीटें पाईं। तो ऐसा परिणाम क्यों आया तथा झारखंड एवं महाराष्ट्र में अंतर क्यों है? महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है। मुंबई सिटी की 10 सीटों पर 52.65 प्रतिशत और उपनगर की 26 पर 56.39 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं के मतदान का आंकड़ा भी महत्वपूर्ण रहा। कुल 9.7 करोड़ मतदाताओं में 5.22 करोड़ पुरुष और 4.69 करोड़ महिलायें थीं। इनमें 3 करोड़ 34 लाख 37 हजार 57 पुरुष तथा 3 करोड़ 6 लाख 49 हजार 318 महिला और 1 हजार 820 ने मतदान किया। पुरुषों की तुलना में केवल 28 लाख कम महिला मतदाताओं ने मतदान किया जबकि दोनों के बीच अंतर करीब 53 लाख था।

धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण

कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण था। इससे हम इनकार नहीं कर सकते क्योंकि झारखंड में भी मैया सम्मान योजना ने भूमिका निभाई। लेकिन महाराष्ट्र में दोनों पक्षों के बीच लगभग 16% मतों का अंतर केवल महिला मतदाताओं के कारण नहीं आ सकता। लोकसभा चुनाव से तुलना करें तो साफ है कि दोनों पक्षों के बीच का वातावरण आमूल रूप से बदल चुका है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बहुमत से वंचित रहने के बाद तुरंत अपना पुराना तेवर हासिल करने की दिशा में तत्परता दिखाई। संघ नेतृत्व ने अपनी बातें उन तक पहुंचाई तथा लोकसभा चुनाव में अध्यक्ष जेपी नड्डा के भाजपा को संघ की पहले की तरह आवश्यकता नहीं जैसे बयानों से पैदा हुआ असमंजस समाप्त हुआ। लोकसभा में वक्फ कानून संशोधन विधेयक लाया और पूरे देश के साथ महाराष्ट्र में भी विचारधारा के आधार पर स्पष्ट विभाजन पैदा हुआ। महत्वपूर्ण मुद्दे हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीयता तथा इस्लामिक कट्टरवाद- इन पर सभी भाजपा शिवसेना नेता बेहिचक प्रखर और आक्रामक होकर बोलते रहे। इनसे जुड़े मुद्दे उठाते रहे, विपक्ष को हिंदुत्व विरोधी, देश के हित के विरोध में काम करने वाला घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस आदि सभी प्रमुख नेताओं ने मजहबी कट्टरता, हिंदुत्व तथा विपक्ष के कट्टर मजहबवाद को प्रोत्साहित करने की नीति को मुख्य मुद्दा बनाया और पूरा वातावरण ऐसा था जिसमें मतदाताओं ने स्वीकार किया। टीवी चैनल पर ऐसे मतदाता सामने आए जो बोल रहे थे कि जिस तरह एक समुदाय किसी पार्टी को हराने के लिए काम कर रहा है उसे देखकर हम मतदान करने बाहर निकले।

वक्फ कानून संशोधन विधेयक बड़ा मुद्दा

महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों और नेताओं के बीच महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने की होड़ लगी हुई थी। ऐसी बैठकों के वीडियो सामने आए जिनमें मजहबी नेता, इमाम, मौलवी कह रहे हैं कि हमने लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के पक्ष में फतवा जारी किया और विजय मिली, हम इस बार भी जारी कर रहे हैं। मुस्लिम नेता भाजपा, शिवसेना या महायुती को वोट देने वालों का हुक्का पानी बंद करने की सरेआम बात कर रहे थे। वक्फ कानून संशोधन विधेयक भी महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों के अतिवादी विरोध के कारण बहुत बड़ा मुद्दा बन गया था। कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे तथा राकांपा - शरद पवार तीनों ने मुस्लिम वोट पाने के लिए इनको रोकने की जगह प्रोत्साहित किया। भाजपा शिवसेना समर्थकों में से जिनमें कई कारणों से लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया या विरोध में चले गए या महा विकास अघाड़ी के पक्ष में मतदान करने वाले गैर प्रतिबद्ध मतदाताओं को भी लगा कि हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन के लिए भाजपा और शिवसेना ही है। हरियाणा से यह प्रवृत्ति हमने देखी।

भाजपा नेताओं के नारों का असर

योगी आदित्यनाथ का बटेंगे तो कटेंगे, प्रधानमंत्री का बटेंगे तो विरोधी महफिल सजाएंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे स्वाभाविक में लोगों के दिलों तक पहुंचे। जब देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारे विरुद्ध वोट जिहाद है और इसे वोट के धर्मयुद्ध से हरायेंगे तो भले इसकी आलोचना हुई लेकिन लोगों के अंतरतम में यह भाव था। लोकसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना और राकांपा -अजीत पवार से असंतुष्ट लोगों की महाविकास अघाड़ी को 31 सीटों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका थी। बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान खत्म हो जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा, यह झूठा नैरेटिव दलितों, आदिवासियों और पिछड़ी जातियों के एक समूह तक पहुंचा था। हरियाणा में देखा गया कि दलित और पिछड़े पहले की तरह इस नैरेटिव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। इस स्पष्ट दिखती प्रवृत्ति के बावजूद कांग्रेस और शिवसेना-उद्धव सबसे ज्यादा जोर इसी मुद्दे पर देती रही, कांग्रेस संविधान सम्मान सम्मेलन आयोजित करती रही और राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की भी बात दुहराई। भाजपा और शिवसेना ने इसे हिंदुओं को जाति में विभाजित कर समाज -देश तोड़ने का षड्यंत्र बताते हुए हमला किया और आम कार्यकर्ता बटेंगे तो काटेंगे तथा एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे को नीचे तक पहुंचाते रहे। इस बीच लेबनान में हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नजीबुउल्लाह की मृत्यु पर पूरे देश में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय ने एक नजीबुल्लाह मारोगे हर घर से नजीबुल्लाह निकलेगा, हम सब हिजबुल्लाह के नारे लगाए तथा उत्तर प्रदेश के एक मंदिर के प्रमुख के एक बयान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद गुस्ताख ए नबी की एक ही सजा, सिर तन से जुदा सिर तन से जुदा नारे लगाते हुए मरने-मारने के रूप में दिखे।

भाजपा की झारखंड के अनुकूल रणनीति नहीं रही

इन सबके विरुद्ध लोगों के अंदर प्रतिक्रियायें थीं। महाराष्ट्र के लगभग सभी क्षेत्रों में महायुती ने यूं ही अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। भाजपा के उम्मीदवारों की जीत लगभग 83 प्रतिशत है। महायुति सरकार के विरुद्ध यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजीत पवार के विरुद्ध सरकार को लेकर जनता में ऐसा संतोष नहीं था जिसे उभारा जा सके। झारखंड में भाजपा की घुसपैठ, लव जिहाद और जनांकिकी बदलने का मुद्दा इसलिए सफल नहीं हुआ क्योंकि उसने प्रदेश के अनुकूल रणनीति नहीं बनाई। हिमंतो विश्वासरमा सह प्रभारी होते हुए भी मुख्य रणनीतिकार एवं पार्टी के सर्व प्रमुख चेहरा बने हुए थे। झारखंड की लड़ाई सतह पर हिमंतो बनाम हेमंत सोरेन हो गया जो प्रदेश के मतदाताओं के अनुकूल नहीं था।

भाजपा की विचारधारा और उनसे जुड़े मुद्दों के अनुरूप उम्मीदवार भी चाहिए था। 25 विधायकों में से तीन का टिकट कटा। चम्पाई सोरेन को पार्टी में लाकर पूरे आदिवासी क्षेत्रों में दौरा कराया गया, अपने आदिवासी नेताओं का उपयोग नहीं किया। चंपाई सोरेन भाजपा के मुद्दों के प्रवक्ता नहीं हो सकते थे। लोगों के अंदर घुसपैठ, लव जिहाद मुस्लिम कट्टरवाद के विरुद्ध भाव था लेकिन हेमंत सोरेन के सामने ऐसा कोई चेहरा नहीं था जिसे देखकर आदिवासी मतदाता भाजपा की ओर आते। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी को हेमंत ने आदिवासी सम्मान से जोड़ा और उसका भी प्रभाव हुआ। चंपाई सोरेन उनका सामना नहीं कर सकते थे। वे पिछली बार भी बहुत कम अंतर से जीते थे। उनके साथ झामुमो के ज्यादा विधायक या नेता भी भाजपा में नहीं आए थे। भाजपा में उम्मीदवारों के चयन को लेकर व्यापक असंतोष और विद्रोह था जिनसे ठीक प्रकार से निपटा नहीं जा सका।

भाजपा उम्मीदवारों के चयन को लेकर असंतोष

कई सीटों पर भाजपा नेताओं ने निर्दलीय या विरोधी खेमे का उम्मीदवार बनकर हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवराज सिंह चौहान ने कोशिश की लेकिन काफी देर हो चुकी थी। कुल मिलाकर मतदाताओं ने जनादेश से बता दिया है कि आईएनडीआईए और उनके घटकों की लोकसभा चुनाव में बढ़त अस्थाई थी जो समाप्त हो चुकी है। यह विचारधाराओं की लड़ाई में भाजपा शिवसेना की विजय का जनादेश है। भाजपा को लेकर उनके समर्थकों या मतदाताओं में स्थानीय स्तरों पर कुछ असंतोष या नाराजगी होते हुए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार तथा मुद्दों के प्रति व्यापक समूह का आकर्षण है। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने मुख्यतः हिंदुत्व, हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रवाद तथा आर्थिक विकास की संभावनाओं को देखते हुए कांग्रेस, यूपीए व विरोधी दलों को नकारा था वह वैचारिक स्तथ पर स्थायित्व ग्रहण कर चुका है। अगर वह उम्मीदवारों के चयन में विचारधारा को प्राथमिकता दे, अपने प्रतिबद्ध लोगों का भी जमीनी स्तर पर ध्यान रखे और गलत लोगों को किसी स्तर पर महत्व नहीं दे तो लंबे समय तक अपनी नीतियों के अनुरूप शासन कर बदलाव में ऐतिहासिक भूमिका निभाती रहेगी।

मुफ्त की रेवड़ियों से सरकारों की हुई वापसी

दो टूक

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार और पत्रकार

देश के मतदाता लगता है, मुफ्त की रेवड़ियों के लालच में मतदान करने लगे हैं। इसी का परिणाम है कि महाराष्ट्र और झारखंड में सत्ताएं बरकरार रही हैं। 288 विधानसभा सीटों वाले राज्य महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन वाले महायुति ने विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, झारखंड में इंडिया गठबंधन ने 55 सीटें जीतकर भाजपा को बहुत पीछे धकेल दिया है। उत्तर प्रदेश में हुए 9 सीटों पर उपचुनाव में भाजपा ने 7 सीटों पर जीत हासिल करके जता दिया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को जनता सम्मान के साथ स्वीकार रही है। लेकिन भाजपा को मध्यप्रदेश में बड़ा झटका लगा है। विधानसभा विजयपुर में दल-बदलकर आए भाजपा प्रत्याशी और राज्य सरकार में वन मंत्री रामनिवास रावत को मतदाताओं ने नकार दिया है। अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में भी भाजपा का अच्छा प्रदर्शन देखने में आया है। उप्र के बाद महाराष्ट्र विधानसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य है।

महाराष्ट्र में कौन बनेगा मुख्यमंत्री

पिछले तीन दशक में यहां किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है। अतएव गठबंधन सरकारें ही सरकार चलाती रही हैं। इसी कारण यहां सरकारें गिराने के लिए विधायकों की तोड़-फोड़ भी देखने में आती रही हैं। शिवसेना से टूटकर भाजपा में शामिल हुए एकनाथ शिंदे भाजपा के दम पर मुख्यमंत्री बन गए थे। उन्हीं के मुख्यमंत्री रहते हुए अपने चाचा शरद पवार को झटका देकर अजीत पवार ने एनसीपी (अजीत पवार) बनाई और वे महायुति का हिस्सा बन भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना का हिस्सा बन गए। अब यही महायुति नई सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री कौन होगा, यह देखने वाली बात होगी। दूसरी तरफ शरद पवार के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी पार्टी थी, जो कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ चुनाव लड़ी। लेकिन महायुति से करारी हार का सामना करना पड़ा। यहां चुनाव इन्हीं दोनों गठबंधनों के बीच था। हालांकि भाजपा 125 से ऊपर सीटें जीतकर विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी होगी। चूंकि सबसे ज्यादा सीटें भाजपा की हैं, इसलिए एकनाथ शिंदे और अजीत पवार में से कोई मोलभाव करके मुख्यमंत्री बन जाए, ऐसा लगता नहीं है। अतएव लगता है एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री का पद देवेंद्र फडणवीस के लिए छोड़ना होगा। इधर बड़ा झटका उद्धव ठाकरे को लगा है। वे अपने पिता बाल ठाकरे की विरासत को बचाने में असफल रहे। महाविकास अघाड़ी को जीत की इसलिए उम्मीद थी कि क्योंकि इस गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 48 में से 30 सीटें जीत ली थीं। परिणाम से यह तय हो ही गया है कि महाविकास अघाड़ी की आशाओं पर पानी फिर गया है। इससे पहले एग्जिट पोल ने भी जता दिया था कि उसका जीतना मुश्किल है। शरद पवार अब महाराष्ट्र के ताकतवर मराठा नहीं रह गए हैं। अपने रिश्तेदारों और भरोसेमंदों का धोखा खाने के बाद 26 साल पहले उनके द्वारा स्थापित राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अब हाशिए पर है। मूलतः कांग्रेसी और पसंद से वंशवादी पवार इस उम्मीद में प्रभावी

उत्तराधिकारी तैयार नहीं कर पाए कि कहीं उनकी बेटी सुप्रिया सुले पिछड़ न जाए ? उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका इसलिए लगा है, क्योंकि वे अपने पिता बाल ठाकरे की तरह प्रखर हिंदुत्व की छवि को बरकरार रखने में असफल रहे। वे और उनके पुत्र आदित्य ठाकरे उन फतवों को भी नहीं नकार पाए, जिनमें कहा गया था कि भाजपा को वोट देने वालों का हुक्का-पानी बंद कर देंगे। एक मौलवी ने तो यहां तक कह दिया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना अब बाल ठाकरे की शिवसेना नहीं रही है। मतलब उसमें इतने बदलाव हो गए हैं कि वह मुल्ले-मौलवियों की पार्टी बन गई है।

भाजपा के पास नहीं था बड़ा चेहरा

उधर, योगी आदित्यनाथ के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' ने मौलवियों को उत्तर देकर मतदाताओं का मत हासिल कर लिया। उद्धव अपनी हिंदुत्व की छवि को भविष्य में बहाल कर पाएंगे ऐसा अब लगता नहीं है। झारखंड में हेमंत सोरेन का जेल जाना भाजपा को महंगा पड़ा है। यहां घुसपैठ और ईसाईकरण के मुद्दे भी काम नहीं आए। दरअसल भाजपा के पास कोई ऐसा बड़ा चेहरा नहीं था, जो वहां के आदिवासियों को लुभा सके? भाजपा गठबंधन को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का आदिवासी होना, भाजपा के लिए वोट बटोर लेगा, किंतु धरातल पर ऐसा दिखाई नहीं दिया। सत्ताधारी दल की जनगणना पत्रक में अलग से धर्म का कॉलम बनाने की मांग ने हिंदुत्व के मुद्दे को फीका करने का काम किया है।

फीका पड़ा घुसपैठ का मुद्दा

शिवराज सिंह चौहान को झारखंड का चुनाव प्रभारी बनाया गया। वे जितना कर सकते थे, उतना किया भी। लेकिन परिणाम शून्य रहा। दरअसल भाजपा ने यहां बांग्लादेशी मुस्लिमों की घुसपैठ के चलते सीमावर्ती जिलों में सांख्यिकीय घनत्व बिगड़ने की बात उठाई, परंतु यह मुद्दा समूचे झारखंड का मुद्दा नहीं बन पाया। दरअसल संथाल और उसके निकट के जिलों में घुसपैठ का प्रभाव है। परंतु उसका असर पूरे झारखंड में दिखाई नहीं देता। इसलिए भाजपा की हिंदुत्व और घुसपैठ के मुद्दे मतदाता में गहरी पैठ नहीं बना पाए। सोनिया गांधी पुत्रमोह के चलते पुत्री प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार बनाने से बचती रही हैं। लेकिन अब 52 वर्ष की प्रियंका को वायनाड के उपचुनाव में उतारा गया। यह सीट राहुल गांधी ने जीती थी, जो उन्हें खाली करनी पड़ी। क्योंकि वे रायबरेली से भी चुनाव लड़े और जीते थे। अतएव उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना पड़ा। प्रियंका ने यह पहला चुनाव 4 लाख से भी ज्यादा मतों से जीत लिया। अब एक ही परिवार के 3 सदस्य संसद में होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंशवादी राजनीति के मुखर विरोधी रहे हैं। लेकिन प्रियंका ने जीत हासिल करके परिवारवादी राजनीति को कांग्रेस में मजबूत कर दिया है। मध्यप्रदेश में रामनिवास रावत लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विधायक रहते हुए भाजपा में शामिल हुए थे। उन्हें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर रावत के विधायक रहते हुए भाजपा में इसलिए लाए थे, जिससे मुरैना लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर चुनाव जीत जाएं। तोमर तो चुनाव जीत गए थे, लेकिन स्वयं के लाभ के लिए दल-बदल करने वाले नेता को मतदाताओं ने चारों खाने चित्त कर दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी रावत की हार बड़ा झटका है। उनके कार्यकाल में यह पहला उपचुनाव था, जिसमें शासन-प्रशासन की पूरी ताकत लगाने के बाद भी हार का मुंह देखना पड़ा। बुधनी सीट भी भाजपा इसलिए जीत पाई, क्योंकि वहां गृहनगर होने के कारण पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की साख का सवाल था। मतदाता ने उनकी लाज रखी और बाहरी प्रत्याशी होने के बावजूद रमाशंकर भार्गव को चुनाव जिता दिया। बहरहाल भाजपा ने एक बार फिर जता दिया है कि मतदाता में उसकी पैठ बनी रहेगी।

महाराष्ट्र में जीत के बड़े मायने

कूटनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ स्तंभकार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत की हैट्रिक लगाई है। महायुति ने महाराष्ट्र की सत्ता में बैठने के लिए बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है। वहीं, महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए को इस चुनाव में बहुत बड़ा झटका लगा है। इस चुनाव में शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं महाविकास अघाड़ी में शरद पवार गुट सबसे कमजोर साबित हुआ है। चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि एकनाथ शिंदे असली शिवसेना साबित हुए हैं और शरद पवार की विरासत अब अजित पवार आगे ले जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां या विरोधी दलों के नैरेटिव को बीजेपी ने धराशायी कर दिया है, जो लगातार ये दावे कर रहे थे कि 2024 के चुनाव के बाद मोदी मैजिक कमजोर पड़ गया है। इन अटकलों पर अब विराम लगेगा। दरअसल, महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में बीजेपी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी।

बीजेपी का बेहतर प्रदर्शन

भले ही झारखंड में बीजेपी का जादू नहीं चल पाया। लेकिन महाराष्ट्र में बीजेपी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं महाविकास अघाड़ी को शायद ही ऐसे परिणाम की उम्मीद होगी। महाराष्ट्र के चुनावी नतीजे को देखें तो महाविकास अघाड़ी पूरी तरह से धूल फांकती दिखाई दी। विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी के बयान अलग विवाद पैदा करते रहे।

उन्होंने पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के खिलाफ बयान दिए, आबादी की तुलना में हिस्सेदारी की बात कही। दूसरी तरफ उनके ऐसे बयानों का सहारा लेकर बीजेपी कांग्रेस को हिंदू विरोधी पार्टी साबित करती रही। आरक्षण बढ़ाने, जातियों की गणना करने जैसी बातें कहकर राहुल गांधी कांग्रेस को नुकसान पहुंचा दिया।

गलती पर तेजी से डैमेज कंट्रोल

दूसरी तरफ पीएम मोदी जाति जनगणना से अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग को आरक्षण में होने वाला नुकसान के बारे में समझाने में सफल हुए। वास्तव में बीजेपी हर पल पर बारीकी से नजर रखती है और हर पल अपनी रणनीति को अपडेट करती रही और वे विपक्ष को पूरे चुनाव के दौरान कोई भी मौका नहीं दिया। साथ ही, अपने हर गलत कदम पर तेजी से डैमेज कंट्रोल करती रही और विपक्ष की छोटी से छोटी गलती को जोर शोर से प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजों ने फिर दिखाया है कि विधानसभा के चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ही काफी नहीं है बल्कि लोकल लीडरशिप भी अहम है। बीजेपी ने महाराष्ट्र में प्रचार के दौरान पीएम मोदी के बजाय पार्टी के स्थानीय चेहरों को आगे रखकर चुनावी मैदान में बढ़ी।

स्थानीय नेताओं को महत्व

पीएम मोदी ने सभाएं जरूर की लेकिन लोकसभा चुनाव की तरह उन्होंने सघन प्रचार सभाएं नहीं कीं। शायद ऐसा इसलिए किया गया ताकि पार्टी के

स्थानीय नेताओं को पर्याप्त महत्व मिल सके और आमजन में उनके प्रति विश्वास भी बढ़ सके। इतना ही नहीं, एनडीए के प्रचार में आरएसएस ने भी अहम भूमिका निभाई। संघ ने जमीन जिहाद, लव जिहाद, धर्मांतरण, पत्थरबाजी, दंगे-फसाद जैसे मुद्दों को लेकर खास तौर पर महाराष्ट्र में बीजेपी को बड़ा सहयोग दिया।

खास नारों से मतदाता पर असर

आरएसएस ने बहुत ही अनुशासित तरीके से संदेशों का प्रसार किया। वहीं बीजेपी ने महाराष्ट्र हो या झारखंड या फिर उत्तर प्रदेश का विधानसभा उपचुनाव, तीनों जगह अपने खास नारों से मतदाता पर असर डाला। बीजेपी ने नारे दिए 'बंटोगे तो कटोगे और 'एक हैं तो सेफ हैं'.. यह वे नारे हैं जो वोटों के ध्रुवीकरण में कारगर रहे। इसके अलावा महायुति सरकार ने चुनाव के दौरान कई बड़े ऐलान किए। चाहे वो लड़की बहिन योजना हो या युवाओं को भत्ता देने की योजना। इसका भी लाभ उनको इस चुनाव में मिला है। साथ ही मुख्यमंत्री के तौर पर एकनाथ शिंदे के कार्यकाल पर लोगों ने भरोसा जताया। महाराष्ट्र के लोगों ने इस चुनावी संदेश से जता दिया कि असली शिवसेना के हकदार वही हैं। दूसरा, एक मजबूत मराठा क्षत्रप के रूप में लोगों ने उन पर मुहर लगाई है। वहीं विपक्ष के पास ऐसा कोई नारा नहीं था जो आम लोगों पर गहरे तक असर जमा सके। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने जीत के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

लगातार तीसरी बार जीत

महाराष्ट्र, भारत का छठा ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य रहे हैं जहां बीजेपी लगातार तीन चुनाव जीतकर सत्ता में काबिज हुई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो कांग्रेस और शरद पवार के लिए ये चुनाव बेहद निराशाजनक रहा है। कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) का ये अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

गौरतलब है कि मई में हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने कुल 48 सीटों में से 30 सीटें जीती थीं और महायुति को 17 सीटों पर ही कामयाबी मिली थी। महाराष्ट्र में बीजेपी लोकसभा चुनाव में 28 सीटों पर चुनाव लड़ी थी लेकिन नौ सीटों पर ही कामयाबी मिली थी. वहीं कांग्रेस ने 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 13 सीटों पर कामयाबी मिली थी। लेकिन विधानसभा चुनाव में संकेत बिल्कुल अलग दिख रहे हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत से हिन्दुत्व की राजनीति पर बाल ठाकरे के परिवार की दावेदारी कमजोर होगी यानी महाराष्ट्र में हिन्दुत्व की राजनीति पर शिव सेना से वैसी प्रतिद्वंद्विता नहीं मिलेगी। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी मानी जाती है और जिसकी वहां सरकार बनेगी, उसका आर्थिक राजधानी पर कंट्रोल होगा। राज्य में कांग्रेस की हार लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा के अलावा यह दूसरी सबसे बड़ी हार होगी।

गठबंधन में भाजपा को मजबूती

बहरहाल, ये परिणाम बीजेपी के लिए उत्साहवर्धक हैं, जिसने पिछले महीने हरियाणा में अभूतपूर्व तीसरी बार जीत हासिल की थी। आम चुनाव के दौरान राज्य में खराब प्रदर्शन के बाद इन परिणामों से पार्टी का उत्साह बढ़ेगा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 240 सीट पर जीत मिली थी। महाराष्ट्र के जनादेश ने महायुति गठबंधन के भीतर भाजपा को मजबूती दी है और ये जनादेश देवेंद्र फडणवीस के पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना को खोलता है। साथ ही ये परिणाम कांग्रेस और मराठा नेता शरद पवार के लिए आत्मचिंतन का विषय है।

60 फीसदी मुस्लिम वोटर्स वाली सीट डेढ़ लाख वोट से जीता भाजपा उम्मीदवार

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी उपचुनाव में मिली जीत से बीजेपी गदगद है। राज्य की 9 सीटों पर चुनाव हुए थे। इसमें से बीजेपी ने 6 सीटें जीती हैं। एक अन्य सीट गबंधन में उसकी सहयोगी आरएलडी ने जीती है। सपा 2 ही सीटें जीत सकी है। बीजेपी ने सबसे बड़ी जीत कुंदरकी सीट पर दर्ज की है। इस जीत के साथ ही बीजेपी ने 31 साल के चले आ रहे सियासी सूखे को खत्म किया है। इस सीट पर बीजेपी ने आखिरी बार 1993 में जीत दर्ज की थी।

कुंदरकी विधानसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी रामवीर सिंह को 1 लाख 70 हजार 371 वोट मिले हैं। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के मोहम्मद रिजवान को 25 हजार 580 वोट मिले हैं। इस तरह रामवीर सिंह ने1 लाख 44 हजार 791 वोट मिले हैं। इस सीट पर रामवीर के अलावा 11 अन्य उम्मीदवार थे। ये सभी उम्मीदवार मुस्लिम समुदाय के थे। मुस्लिम बहुल सीट पर रामवीर सिंह का जादू कुछ ऐसा चला कि सभी प्रत्याशी हवा में उड़ गए। इस सीट से 6 निर्दलीय प्रत्याशी भी किस्मत आजमा रहे थे। इसमें एक को छोड़ दें तो 5 उम्मीदवार से ज्यादा नोटा के खाते में वोट गए हैं।

यूपी की कुंदरकी सीट में बड़ा उलटफेर

अकेले हिंदू प्रत्याशी के सामने थे 11 मुस्लिम उम्मीदवार

'जैसा देश वैसा भेष'

उपचुनाव में रामवीर सिंह ने जी-तोड़ मेहनत की थी। चुनाव प्रचार में खुद को खपाते हुए रात-दिन एक कर दिया था. घर-घर जाकर उन्होंने लोगों से वोट मांगे थे। चुनाव प्रचार के दौरान 'जैसा देश वैसा भेष' की कहावत को उन्होंने बखूबी जिया. मुस्लिम आबादी के बीच वो जालीदार टोपी लगाकर पहुंचे. लोगों को खुद से जोड़ने के लिए उन्होंने लोगों को इस बात अहसास कराया कि वो भी उनके ही जैसे हैं। उनके इस अंदाज को लोगों ने पसंद किया और वोटों की बारिश की।

घर में ही हारे वन मंत्री रावत, बुदनी में घटा जीत का मार्जिन

हरिभूमि न्यूज :भोपाल : मध्यप्रदेश की दो विधानसभा सीटों उपचुनावों में मतगणना के दौरान बड़ा उलटफेर देखने को मिला। विजयपुर में पहले राउंड में पिछड़ने और फिर दूसरे राउंड में बढ़त बनाए रखने के बाद भाजपा प्रत्याशी और वन मंत्री रामनिवास रावत 17वें राउंड से अचानक फिर पिछड़ गए। इसके बाद रावत कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को पीछे नहीं कर पाए। अंतिम और 21 वें राउंड में रावत मल्होत्रा से 7228 वोटों से हार गए हैं। इस हार से भाजपा के उन दिग्गज नेताओं की साख को भी झटका लगा है, जो वहां डेरा जमाए हुए थे। वहीं, बुदनी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने 13 हजार 109 वोटों से जीत हासिल कर ली है। कांटे भरे मुकाबले में भाजपा के रमाकांत भार्गव को 1 लाख 7 हजार 478 वोट जबकि कांग्रेस के राजकुमार पटेल को 93577 वोट मिले। बुदनी में भाजपा का जीत का मार्जिन भी घट गया है। बुदनी में 2023 में जब विधानसभा चुनाव हुए तो शिवराज सिंह चौहान को 164951 वोट मिले थे और कांग्रेस के विक्रम शर्मा को 59,977 वोट मिले थे। करीब एक लाख से अधिक वोटों से शिवराज जीते थे।

नौसेना के बेड़े में शामिल हुई छठी मिसाइल-गोला बारूद नौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई डॉकयार्ड में आयोजित एक समारोह में छठी मिसाइल और गोला बारूद नौका (एलएसएएम-12, यार्ड 80) नौसेना को सौंपी गई।

इस बाबत आयोजित किए गए समारोह की अध्यक्षता नौसेना की पश्चिमी कमांड के मुख्यालय के मुख्य मरम्मत अधिकारी कमोडोर अभिरूप मजूमदार ने की। नौसेना ने बताया कि ऐसी कुल आठ नौकाओं के निर्माण के लिए विशाखापट्टनम की मैसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया एक समझौता इस साल 19 फरवरी 2024 को पूरा हो गया था। यह एक एमएसएमई शिपयार्ड है। इन नौकाओं के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी।

स्वदेशीकरण, आत्मनिर्भरता के ध्वजवाहक : नौसेना ने कहा कि नौकाओं का स्वदेशी रूप से डिजाइन करने के लिए एक भारतीय जहाज डिजाइनिंग फर्म से सहयोग लिया गया था। इसके अलावा बल की विज्ञान-तकनीकी प्रयोगशाला (विशाखापट्टनम) में इनका सफलतापूर्वक मॉडल तैयार किया गया। जिससे इनकी समुद्री योग्यता सुनिश्चित की जा सके। इस निर्माण कार्य को भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) के तय नियमों और विनियमों के तहत किया गया है।

फिलीपीन की उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति की हत्या कराने की दी धमकी

मनीला। फिलीपीन की उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एक हत्यारे को राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर, उनकी पत्नी लीजा अरनेटा-मार्कोस और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष मार्टिन रोमुअलडेज को मारने की सुपारी दी है। दुतेर्ते के मुताबिक, उन्होंने हत्यारे से कहा है कि अगर उनकी (दुतेर्ते की) हत्या हो जाती है, तो वह तब तक न रुके, जब तक इन तीनों को जान से न मार दे। दुतेर्ते ने धमकी को हल्के में न लेने की चेतावनी देते हुए कहा कि वह कोई मजाक नहीं कर रही हैं। कार्यकारी सचिव लुकास बर्सामिन ने मार्कोस को दी गई धमकी के खिलाफ "तत्काल उचित कार्रवाई' के लिए मामला राष्ट्रपति गार्ड बल के पास भेजा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रपति सुरक्षा कमान ने धमकी के मद्देनजर मार्कोस की सुरक्षा बढ़ा दी है। उसने कहा कि वह उपराष्ट्रपति की ओर से "खुलेआम इतनी बेशर्मी से दी गई" धमकी को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे के तौर पर देखती है।

शिवराज-हिमंत की जोड़ी पर भारी पड़े हेमंत, झामुमो सत्ता बचाने में रहा सफल

- भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद सोरेन को पटकनी देने में रही नाकाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

झारखंड में भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद हेमंत सोरेन को सत्ता से बेदखल करने में असफल रही। शनिवार को आये विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन की सरकार को एकबार फिर से सत्ता की चाबी सौंप दी। मतदान के बाद आये ज्यादातर एक्जिट पोल में यहां भाजपानीत राजग गठबंधन की सरकार बनने के दावे किये गये थे। चुनाव नतीजों ने जहां राज्य में हेमंत सोरेन का प्रभाव बरकरार रखा वहीं भाजपा की तरफ से चुनाव बागडोर संभाल रहे केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की जुगलबंदी अपनी पार्टी को जीता पाने में नाकाम साबित हुए। केंद्र में कृषि मंत्री बनने के बाद चौहान को प्रदेश का चुनाव प्रभारी व सरमा को सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी।

महाराष्ट्र में अबकी बार भाजपा के पास रहेगी मुख्यमंत्री की कुर्सी!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस सवाल पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे पर कोई विवाद नहीं होगा। पहले दिन से ही तय था कि चुनाव के बाद तीनों दलों के नेता एक साथ बैठेंगे और इस पर फैसला करेंगे। फैसला सभी को स्वीकार्य होगा, इस पर कोई विवाद नहीं है। भाजपा चुनाव नतीजों में सबसे बड़ी पार्टी रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कहा कि तीनों पार्टी मिलकर तय करेंगी कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। माना जा रहा है कि अबकी बार मुख्यमंत्री भाजपा से ही होगा। नई दिल्ली में महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों से उत्साहित भाजपा हाईकमान ने राज्य में सरकार गठन को लेकर मंथन शुरू कर दिया है।

■ शिंदे और अजीत के हिस्से आयेगा उपमुख्यमंत्री का पद

एक हैं तो सेफ हैं

फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने हमें अप्रत्याशित जीत दिलाई है। इससे पता चलता है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैं। उन्होंने जो नारा दिया था 'एक हैं तो सेफ हैं', उसके अनुरूप सभी वर्गों और समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर एक साथ वोट दिया। यह महायुति, सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम अजित पवार और रामदास अठावले की जीत है, यह एकता की जीत है। गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फोन किया और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी।

फडनवीस ने खुद को बताया अभिमन्यु

महाराष्ट्र में भाजपानीत महायुति की तरफा जीत के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि वे आधुनिक अभिमन्यु हैं जो फर्जी आख्यान के चक्रव्यूह को तोड़ना जानते हैं। भारी समर्थन के लिए मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए, फडणवीस ने कहा कि आज के परिणाम से पता चला है कि पूरा राज्य नरेंद्र मोदी और उनके 'एक है तो सेफ हैं' के नारे के पीछे है। उन्होंने एक्स पर लिखा एक हैं तो 'सेफ' हैं, मोदी है तो मुमकिन है। कहा कि सभी समुदाय के लोगों ने एक साथ आकर इसे सफल बनाया है।

मध्य भारत-ईयू के बीच हुई स्वच्छ ऊर्जा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के मध्य भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की सह-अध्यक्षता में 10वीं ऊर्जा पैनल की बैठक ब्रुसेल्स में संपन्न हुई। इसमें विदेश मंत्रालय की ओर से सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल और यूरोपीय संघ के ऊर्जा मामलों के महानिदेशक डिट्टे जूल जोर्गेनसेन शामिल हुए। दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी 2025-28 तक एक कार्य योजना को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि बैठक का उद्देश्य ऊर्जा पैनल के विषय पर दोनों पक्षों की ऊर्जा परिवर्तन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा 2021-24 तक भारत-ईयू स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी के दूसरे चरण की उपलब्धियों की समीक्षा करना था। इसमें भारत के केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली मंत्रालय के प्रतिभागियों के अलावा ईयू से ऊर्जा और क्लाइमेट एक्शन के निदेशालय प्रमुख शामिल हुए।

पूरी की गईं 51 गतिविधियां

मंत्रालय ने बताया कि भारत और ईयू ने तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पूरी की गईं 9 क्षेत्रों की 51 गतिविधियों का विस्तार से जायजा लिया। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए फ्रेमवर्क को भी स्वीकृति दी गई।

जैकेट के शेष

महाराष्ट्र में बीजेपी का कमाल....

पाई तो वहीं अजित पवार की पार्टी को 61 फीसदी सीटों पर बढ़त हासिल है। माना जा रहा है कि एक तरफ भाजपा को ध्रुवीकरण का फायदा मिला है, जो योगी आदित्यनाथ के नारे बंटेंगे तो कटेंगे के चलते हुआ। इसके अलावा लड़की बहिन योजना के चलते भी उसे महिलाओं का बड़ा समर्थन हासिल हुआ है।

कांग्रेस नहीं भेद पाई रायपुर दक्षिण का ...

महाराष्ट्र और यूपी विधानसभा में बीजेपी के प्रदर्शन को मोदी की जीत बताया। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव कराने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों समेत मीडियाकर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। जीत के बाद सुनील सोनी ने कहा, रायपुर दक्षिण के मतदाताओं ने कमल के फूल पर भरोसा जताया है। पीएम मोदी के विकास कार्यों के साथ विष्णु देव सरकार में मोदी की गारंटी को जिस तरह से पूरा किया गया, उससे जनता ने और बीजेपी के कार्यकर्ता ने मुझे जिताकर विधानसभा भेजा है। ये दक्षिण के मतदाताओं की जीत है, दक्षिण के मतदाताओं ने 8 बार बृजमोहन अग्रवाल पर भरोसा जताया और अब फिर से जिताकर विधानसभा भेजा है। अब क्षेत्र की जनता के लिए काम करुंगा।

सुनील सोनी शुरुआत से ही रहे आगे : पहले राउंड में सुनील सोनी को 3583 और आकाश शर्मा को 2798 मत मिले। पहले राउंड के बाद सुनील सोनी को जो बढ़त हासिल हुई, वो आगे भी जारी रही। दूसरे राउंड में सुनील सोनी को 7651 और आकाश शर्मा को 4245 मत मिले। दूसरे राउंड में आकाश 3406 वोटों से पीछे चल रहे थे।

तीसरे राउंड में सुनील सोनी को 11240 और आकाश शर्मा को 5909 वोट मिले। इस राउंड में भी सुनील सोनी से आकाश शर्मा को काफी पीछे कर दिया।

चौथे राउंड में सोनी को 14374 और आकाश शर्मा को 8738 वोट मिले। चौथे राउंड में बीजेपी 5636 वोटों की बढ़त बना चुकी थी। पांचवें राउंड में सुनील सोनी को 18578 और आकाश शर्मा को 10213 वोट मिले। सुनील सोनी ने आकाश शर्मा को करीब 8365 वोटों से पीछे कर दिया था। छठवें राउंड में सुनील सोनी को 23107और आकाश शर्मा को 11821 मत मिले। बीजेपी 11286 वोटों की बड़ी लीड ले चुकी थी। सातवें राउंड में सोनी को 27851और आकाश शर्मा को 14083 मत मिले। आठवें राउंड में बीजेपी 31559 और कांग्रेस को 17243 मत मिले। नौवें राउंड में सुनील सोनी को 37419और आकाश शर्मा को 19585 वोट मिले। 10वें राउंड में सुनील सोनी को 42667और आकाश शर्मा को 22038 वोट मिले। तब तक वोटों की मार्जिन 20629 तक पहुंच चुकी थी।

11वें राउंड में 20 हजार से ज्यादा की लीड : सुनील सोनी ने 11वें राउंड में आकाश शर्मा से 24 हजार वोटों की लीड ले ली थी। सुनील सोनी का वोट 48042 और आकाश का 24643 था। बारहवें राउंड में सुनील सोनी को 53382और आकाश शर्मा को 26852, तेरहवें राउंड में सुनील सोनी को 57817 और आकाश शर्मा को 29597, चौदहवें राउंड में सुनील सोनी को 63251 और आकाश शर्मा को 31920 मत मिले थे। 14 राउंड के वोटों की गिनती के बाद वोटों का मार्जिन बढ़कर 31331 हो चुका था।

अंतिम पांच राउंड में निर्णायक लीड : आकाश शर्मा शुरू से ही वोटों की गिनती में पिछड़ते गए, ये सिलसिला आगे भी जारी रहा। 15वें राउंड में आकाश शर्मा को उम्मीद थी कि वो लीड लेकर मार्जिन कम करेंगे, लेकिन ऐसा हो ना सका। पंद्रहवें राउंड में सुनील सोनी को 69111 और आकाश शर्मा को 34063 वोट मिले। वहीं सोलहवें राउंड की गिनती के बाद सोनी को 74782और आकाश शर्मा को 36005 मत मिले। 16वें राउंड तक सुनील सोनी 38777 वोटों के साथ बड़ी लीड ले चुके थे, इसके बाद सुनील सोनी को आकाश शर्मा का पीछे करना नामुमकिन सा हो गया। 17वें राउंड में सोनी को 79832 और आकाश शर्मा को 38492, 18वें राउंड में सुनील सोनी को 84371 और आकाश शर्मा को 40433 और आखिर में 19वें राउंड में सुनील सोनी को 89059 और आकाश शर्मा को 42977 मत मिले। कुल 19 राउंड की गिनती के बाद सुनील सोनी ने 46167 मतों के साथ रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट जीत ली।

डाक मतपत्रों में भी सुनील सोनी आगे : इससे पहले डाक मतपत्रों की गिनती हुई। डाक मतपत्रों में डाक के माध्यम से कुल 264 मत मिले, जिसमें बीजेपी प्रत्याशी सुनील सोनी को 161 मत मिले। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने 76 मत प्राप्त किए।

नोटा को मिले 1107 वोट : इस बार रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में वोटिंग प्रतिशत कम था। चाहे बात कांग्रेस की हो या बीजेपी की, दोनों ही दलों के कार्यकर्ता प्रत्याशी चयन से खुश नहीं थे, इसलिए हो सकता है कि जनता ने नोटा दबाकर अपना विरोध दर्ज कराया हो। जब नतीजे आए, तो सभी के होश उड़ गए, क्योंकि फाइनल नतीजों में नोटा को सिर्फ 1107 वोट ही मिले।

हमसे मतदाताओं का मूड जानने में चूक हुई- आकाश शर्मा : कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा का हार के बाद बयान है कि जनता के मूड पैटर्न को समझने में चूक हुई है। 40 हजार लोगों ने मुझे वोट किया है। मैं जनता के बीच हमेशा रहूंगा। दो विधायक वाली बात बीजेपी ने कही है। मैं हमेशा उनको इस बात की याद दिलाता रहूंगा। जनता के बीच मूलभूत सुविधाओं को लेकर मौजूद रहूंगा।

सोनी का सिक्सर...

धनी हैं। वे प्रदेश भाजपा संगठन के पदों पर भी कार्य करते हुए सार्वजनिक जीवन में लोगों के संपर्क में बने रहे। सुनील सोनी छत्तीसगढ़ के प्रमुख बीजेपी नेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने छात्र जीवन से ही राजनीति में कदम रखा। उन्होंने दुर्गा कॉलेज में चुनाव जीता और कॉलेज के अध्यक्ष रहे। उसके बाद उन्होंने राजनीतिक जीवन में कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे नगर निगम रायपुर के पार्षद चुने गए। वर्ष 2000 से 2003 तक वे रायपुर नगर निगम के सभापति रहे। उसके बाद उन्होंने रायपुर के महापौर की पारी खेली। वे वर्ष 2004 से 2010 तक रायपुर नगर निगम के महापौर रहे। सुनील सोनी लगातार रायपुर की सक्रिय राजनीति में जमे रहे। उसके बाद उन्होंने आरडीए (रायपुर विकास प्राधिकरण) के अध्यक्ष पद की कुर्सी संभाली। वर्ष 2014 में सुनील सोनी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने। 2019 में सुनील सोनी रायपुर लोकसभा सीट से सांसद बने। पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 में उनका टिकट काटकर वरिष्ठ बीजेपी नेता और मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को रायपुर सांसद का टिकट दिया था, जिसमें वो विजयी रहे। पार्टी ने दक्षिण के उपचुनाव में उन्हें विधायक का टिकट दिया और इसमें वे विजयी रहे।

झारखंड में फिर सोरेन ...

भाजपा- 21, जेडीयू-1, एलजेपीआरवी-1, एजेएसयूपी-1 और अन्य को एक सीटें मिली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में जीत के लिए झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को बधाई दी और भाजपा को समर्थन देने के लिए राज्य के लोगों का आभार जताया। राज्य भाजपा के एक सूत्र ने दावा किया कि चुनाव में एक आदिवासी मुख्यमंत्री का चेहरा पेश न करना उसे महंगा पड़ा। एक अन्य नेता ने दावा किया कि पूरा शो 'बाहर से आए दो नेताओं' द्वारा चलाया गया था और राज्य भाजपा ने अपने लोगों को नजरअंदाज करके दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट दिया। भाजपा के मौजूदा विधायक केदार हाजरा पूर्व मंत्री लुईस मरांडी के साथ चुनाव से ठीक पहले पार्टी नेताओं पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए झामुमो में शामिल होगा।

लोकतंत्र की परीक्षा में हम सफल : सोरेन : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के लिए शनिवार को राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी लोकतंत्र की परीक्षा में सफल रही है। सोरेन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, झारखंड में लोकतंत्र की परीक्षा में हम पास हो गए हैं, चुनाव परिणाम के बाद हम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देंगे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का 76वां स्थापना दिवस आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दुनिया के सबसे बड़े वर्दीधारी संगठन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) रविवार, 24 नवंबर को अपना 76वां स्थापना दिवस मनाएगा। युवा कैडेट देशभर में अलग-अलग कार्यक्रमों और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करेंगे। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कोर के स्थापना दिवस के पूर्व में राजधानी स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर एनसीसी की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने युवा कैडेटों की संख्या 3 लाख तक बढ़ाने में सराहनीय प्रयास किए हैं। आने वाले वर्षों में यह संख्या 20 लाख तक पहुंच जाएगी। एनसीसी युवा शक्ति और विकसित भारत के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए वर्तमान में युवाओं को देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में अपने अथक प्रयास जारी रखे हुए है।

50 हजार यूनिट के पार पहुंचेगा रक्तदान का आंकड़ा : 76 वें स्थापना दिवस के मौके पर एनसीसी के कैडेट देश के अलग-अलग शहरों में मार्च पास्ट के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करेंगे। जिसमें रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, प्रतिमाओं की स्वच्छता, नशा मुक्ति अभियान मुख्य है। इस वर्ष रक्तदान की मात्रा पिछले साल के 50 हजार यूनिट के आंकड़े को पार करने की संभावना है।

पाठ्यक्रम बदलाव से होगा चरित्र निर्माण : एनसीसी के विस्तार के लक्ष्य के अलावा कोर के कैडेटों के पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को भी कौशल मंथन, साइबर जागरूकता, विचार-नवाचार, राष्ट्रीय आपदा राहत बल और राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ) के साथ प्रशिक्षण जैसी सरकारी पहलों के हिसाब से एक विशिष्ट उद्देश्य और वांछित परिणाम के लिए संशोधित किया गया है।

पेज एक के शेष

हाथी बने साथी...

से वन विभाग, हाथी मित्र दल के अलावा हाथी टैकरों की टीम ड्रोन कैमरे के अलावा अन्य तरीके से हाथियों की हर मूवमेंट पर नजर बनाए हुए हैं। शुक्रवार की दोपहर छाल रेंज के हाटी बीट में विचरण कर रहे 50 हाथियों के दल का एक वीडियो सामने आया। हाथियों का यह दल सिथरा मेन रोड को क्रॉस कर रेल लाइन के करीब पहुंचा गया, जिसके बाद से उस क्षेत्र के गांव के ग्रामीणों को सावधानी बरतने की अपील की गई है। आपको बता दें कि छाल रेंज के हाटी बीट में विचरण कर रहे 50 हाथियों के दल में से ही एक हाथी का बच्चा कल सुबह वन विभाग के तालाब में नहाते समय पानी में डूबकर मर चुका है। इस घटना के बाद वन विभाग लगातार इस दल पर नजर बनाये हुए है। अकेले छाल रेंज की बात करें तो यहां कुल 58 हाथी अलग-अलग बीट में विचरण कर रहे हैं। जिसमें सर्वाधिक हाथी हाटी बीट में है। जहां कुल 50 हाथी हैं। इसी तरह बेहरामार में दो, छाल में एक, कुडुकेकेला में एक, बनहर में एक, लोटान में एक, औरानारा में एक, बोजिया बीट में एक हाथी विचरण कर रहा है। 58 हाथियों के इस दल में नर हाथी की संख्या 14, मादा हाथी 29 के अलावा 15 बच्चे शामिल हैं।

साथी चुनने के लिए...

बंधन से लेकर परिवारों, बंधन समूहों, कुलों, स्वतंत्र नरों और अजनबियों तक के रिश्ते फैले हुए हैं। अलग-अलग हाथियों के बीच विशेष संबंध जीवन भर बने रह सकते हैं। हाथी हाथी अपना साथी चुनने और संसर्ग के लिए भी एक जगह पर एकत्रित होते हैं।

जुटते हैं शोक...

है। राज्य के वनों में अब तक अधिकतम 40 से 50 हाथियों का समूह एक साथ देखा गया है। डेढ़ सौ के पार हाथियों के एक साथ या आसपास देखे जाने पर जानकार राज्य में रहने वाले हाथियों के व्यवहार में बदलाव होने की भी बात कह रहे हैं। हाथियों के व्यवहार में किस तरह के बदलाव हुए हैं, इसे लेकर जानकार समझने की बात कह रहे हैं। हाथियों का जो झुंड देखा गया है उसमें शावक से लेकर सभी तरह के हाथी नजर आ रहे हैं।

दस पर था चालीस...

लखमा माड़वी निवासी जिलोडगड्डा थाना पामेड़ जिला बीजापुर डिविजन स्मॉल एक्शन टीम कमाण्डर डीव्हीसीएम ईनाम 8 लाख, करतम कोसा निवासी रेगडगट्टा थाना भेजी जिला सुकमा, प्लाटून नं. 8 का कमांडर पीपीसीएम (एसीएम) इनाम 5 लाख, दुर्गो कोसी उर्फ रितिका पिता रूषा निवासी पालामड़गू थाना पोलमपल्ली जिला सुकमा, कोन्टा एलओएस कमाण्डर एसीएम इनाम 5 लाख, मुचाकी देवा निवासी दंतेशपुरम थाना भेजी जिला सुकमा, एरिया मिलिशिया कमाण्ड इनचीफ एसीएम ईनाम 5 लाख, दुधी हुंगी पति दुधी मासा निवासी भंडारपदर थाना भेजी जिला सुकमा, प्लाटून नं. 4 सदस्या इनाम 2 लाख, मड़कम जीतू निवासी दंतेशपुरम थाना भेज्जी जिला सुकमा प्लाटून नंबर 4 पार्टी सदस्या ईनाम 2 लाख, कुमारी मड़कम कोसी निवासी गंगराजपाड़ थाना कोंटा जिला सुकमा प्लाटून नंबर 4 पार्टी सदस्या ईनाम 2 लाख, कवासी केसा निवासी जिलोडगड्डा थाना पामेड़ जिला बीजापुर प्लाटून नंबर 4 पार्टी सदस्य दुधी मासा का गार्ड ईनाम 2 लाख, कुंजाम वामा निवासी चिंतागुफा मिलिशिया टीम कमांडर थाना भेज्जी ईनाम 1 लाख शामिल है।

मुखबिरी के आरोप में...

घटना को अंजाम दिया। मिली जानकारी के मुताबिक 22 नवम्बर को सुबह 9 बजे शिकायतकर्ता उइका रामबाई पत्नी रमेश (30), निवासी पेनुगोलु कॉलोनी ने थाना में रिपोर्ट की है कि उनके पति उइका रमेश पुत्र लक्ष्मैया (36), जाति कोया जो पेरुरु ग्राम पंचायत में कार्यरत थे। 21 नवम्बर को शाम 7 बजे अपनी ड्यूटी करने के बाद घर आया और खाना खाकर सो रहे थे, घातक हथियारों कुल्हाड़ी, चाकू से लैस नक्सली घर पहुंचे और मेरे पति उइका रमेश को बुलाया, लेकिन वह घर से बाहर नहीं आया, उसके बाद वे लोग घर का दरवाजे तोड़ कर अंदर आए। मृतक की पत्नी उइका रामबाई ने रिपोर्ट में कहा है कि मुझे एक तरफ धकेल दिया और पति को बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी और एक पत्र वहां फेंक कर भाग गए। अत्यधिक खून बहने के कारण वह बेहोश अवस्था में पड़ा था, उसकी मृत्यु हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली उइका अर्जुन पुत्र सायन्ना (41), जाति कोया, मजदूर के पेनुगोलू कॉलोनी स्थित उसके घर पहुंचे और आवाज देकर उसे बाहर बुलाया और उसे बेरहमी से चाकू मारकर और काटकर हत्या कर दी। नक्सलियों ने पत्र में खुलासा किया है कि उन्होंने उइके रमेश और उइके अर्जुन दोनों को पुलिस का मुखबिर बताकर हत्या की है।

उल्टी-दस्त, हाथ-पैर में...

21 नवंबर तक मलेरिया के 578 में से 160 पॉजिटिव मरीज मिले, जिनका उपचार किया गया है। सीएमएचओ के अनुसार गांव में स्थिति नियंत्रण में है और स्थिति पूर्ण रूप से ठीक होने तक मेडिकल टीम गांव में रहकर लोगों के स्वास्थ्य पर सतत निगरानी रखे जाने सहित ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

झिरिया का पानी पी रहे ग्रामीण : मेडिकल टीम को ग्रामीणों ने बताया कि वनांचल क्षेत्र में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण झिरिया के पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। इस संबंध में साफ पानी पीने और बीमार होने पर तुरंत नजदीक के अस्पताल जाने की सलाह चिकित्सकों ने दी है।

सिरहा-गुनिया के साथ अस्पताल में भी इलाज कराएं : मेडिकल टीम में पहुंचे चिकित्सकों ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे बड्डे, सिरहा-गुनिया के साथ ही अस्पताल जाकर इलाज करवाएं। सीएमएचओ ने बताया कि गोगुण्डा में कुल 10 लोगों की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिसमें मुचाकी हुंगी (60) की मृत्यु का कारण पिछले 1 वर्ष से हाथ पैर में सूजन, मुचाकी बण्डी 1 वर्ष मृत्यु का कारण 15 से 20 दिन पूर्व से बुखार, सोड़ी बुधरी (03) की मृत्यु का कारण पानी में डूबने के कारण, सोड़ी शांति (02) की मृत्यु का कारण बुखार व उल्टी दस्त, मड़कम देवे (66) की मृत्यु का कारण बुखार व हाथ पैर में दर्द, सोड़ी हड़मे (60) की मृत्यु का कारण अचानक सांस लेने में परेशानी, हेमला गंगी (51) की मृत्यु का कारण बुखार एवं उल्टी-दस्त, हेमला हुंगी (65) की मृत्यु का कारण 3 से 4 दिन से बुखार एवं उल्टी-दस्त व झाड़-फूंक, सोढ़ी मुंडा (57) की मृत्यु का कारण लम्बे समय से सांस लेने में परेशानी एवं बड्डे के पास झाड़-फूंक और माड़वी भीमा (60) की मृत्यु का कारण लम्बे समय से पूरे शरीर में सूजन से हुई है।

10 मौत के अलग-अलग कारण : मेडिकल टीम के द्वारा ग्रामीणों को मच्छरदानी का उपयोग करने तथा साफ पानी उबाल कर पीने और गर्म एवं ताजा भोजन का सेवन करने की सलाह दी जा रही है। 10 मौतों के अलग-अलग कारण हैं, जिसमें उल्टी-दस्त, शरीर में सूजन सहित अधिक उम्र भी कारण हैं। टीम गांव में मौजूद है, पूरी तरह स्थिति ठीक होने के बाद टीम लौटेगी। - डॉ. कपिल कश्यप, सीएमएचओ सुकमा

प्रधान आरक्षक 10 हजार...

बताया कि प्रार्थी बी-फार्मा का विद्यार्थी है, जो नेहरू नगर में निवास करता है। उसने एन्टी करप्शन ब्यूरो रायपुर में शिकायत की थी कि उसका कुछ दिन पूर्व एक विवाद हुआ था, जिसकी शिकायत थाने में लंबित थी। जांच दौरान प्रधान आरक्षक रामकृष्ण सिन्हा से मुलाकात करने पर शिकायत का खात्मा करवाने के एवज में उसने प्रार्थी से 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। 10 हजार में डील फाइनल हुई।

पाकिस्तान : कबायली गुटों में हिंसा, 37 लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कबायली गुटों के बीच हुई हिंसा में पिछले 24 घंटे में कम से कम 37 लोग मारे गए हैं और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में बृहस्पतिवार को यात्री वैन पर हुए हमले के बाद अलीजई और बागन कबाइली गुटों के बीच हिंसा भड़क गई। यात्री वैन पर हुए हमले में 47 लोग मारे गए थे। प्रशासन और पुलिस के शीर्ष अधिकारी हेलीकॉप्टर से इलाके में पहुंच गए हैं। अब तक कम से कम 37 लोग मारे गए हैं। मृतकों की संख्या अब भी बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कबाइली समुदायों के लोग स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल करते हुए एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

Email ID: durgmc2019@gmail.com Phone :- 0788-2322148

-: मैनुअल निविदा सूचना :-

क्रमांक/626/स्वा.वि./2024 दिनांक 22/11/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो/ठेकेदारों/प्रदायकर्ता से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	-	29/11/2024
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि	-	06/12/2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	-	13/12/2024
निविदा खोलने की अंतिम तिथि	-	16/12/2024

क्र	कार्य का नाम	लागत (रू. लाख)
1.	डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य हेतु उपयोगी रिक्शा की मरम्मत आवश्यक सामग्री प्रदाय कार्य (जोन क्रमांक-02)	4.525

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

आयुक्त

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 05 ईदगाह भाठा नवीन पानी टंकी परिसर रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. 0771 4045819

क्र.371/ जोन क्र.5/न.पा.नि./2024 रायपुर दिनांक 23/11/2024

// ईश्तहार //

माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर छ.ग. में दायर याचिका WPC No. 5636/2024 के पारित आदेश दिनांक 18.11.2024 के अनुसार श्रीमती अमला साहनी के जप्त सामान को 07 दिवस के भीतर वापस किया जाना है जिसके संबंध में श्रीमती अमला साहनी को कार्यालय में उपस्थित होकर जप्त सामाग्रीयों को वापस लिये जाने हेतु कार्यालयीन पत्र क्रमांक 364/ जोन क्र.05/न.पा.नि./2024 रायपुर दिनांक 22/11/2024 जारी किया गया है। किन्तु श्रीमती अमला साहनी द्वारा जप्त सामाग्रीयों को वापस लिए जाने से इंकार किया गया एवं जो सामाग्री जप्त नही की गई है उसका भी मांग किया गया।

पुनः आपको (श्रीमती अमला साहनी) को सूचित किया जाता है कि 07 दिवस के अंदर कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर जप्त सामाग्री को प्राप्त कर लेंवे, अन्यथा की स्थिति में विभाग की कोई जवाबदारी नहीं होगी। माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश दिनांक 18.11.2024 के परिपालन में अगर जप्त सामाग्री वापस नही लेते है तो ऐसी स्थिति में आदेश के अवमानना की समस्त जवाबदारी आपकी स्वयं की होगी।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. 05
नगर पालिक निगम, रायपुर

नगर पालिका परिषद पण्डरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्रमांक 521/न.पा.परि./लो.नि.वि./2024-25 पण्डरिया, दिनांक 21/11/2024

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद पण्डरिया में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	सिस्टम नंबर	विवरण	अनुमानित राशि (लाख में)	निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि
1	161557	नई महिला चौपाटी निर्माण	30.93	12/12/2024
2	161558	पुरानी चौपाटी रेनोवेशन कार्य	45.64	
3	161559	भारत माता चौक सौंदर्यीकरण	20.84	
4	161560	अटल परिसर निर्माण एवं मूर्ति स्थापना	29.68	

शर्तें :- उपरोक्त कार्यों हेतु नियम एवं शर्तें, अमानत राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय के संबंधित विभाग से प्राप्त की जा सकती है साथ ही उक्त जानकारी विभागीय वेबसाईट http:// cge-proc.cgstate..gov.in व www.uad.cg.gov.in से अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पण्डरिया

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक/881/तक./न.पा.परि./2024-25 दंतेवाड़ा, दिनांक 21/11/2024

//मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना//

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ ठेकेदारों/ एजेंसी / कंपनी से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	कार्य का नाम	अनु. लागत राशि (रूपये लाख में)	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 01 में धीरेन्द्र शर्मा के दुकान से महेश के घर तक बी.टी. सड़क निर्माण कार्य।	49.90	02.12.2024
2	वार्ड क्र. 01 में गुलाब सिंह के घर से वर्मा के घर तक बी.टी. सड़क निर्माण कार्य।	49.69	

2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के तकनीकी शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट https://www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

राशिफल

मेष — किसी विदेशी कारोबार के लिए भाग-दौड़ बढ़ सकती है। विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। लाभ के मौके मिलेंगे।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। तरक्की के योग हैं।

सिंह — बातचीत में संयत रहें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या — नौकरी के लिए साक्षात्करादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा।

तुला — शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें।

वृश्चिक — मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

धनु — मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। पिता का साथ मिलेगा। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आए के नए स्रोत बनेंगे।

कुंभ — किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं। निवेश लाभप्रद रहेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। किसी रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। किसी प्रापर्टी में निवेश कर सकते हैं।

शब्द पहेली - 5700

बाएँ से दाएँ
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे
2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली- 5699 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	य	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

सूडोकु नवताल 5713

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5						7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

सूडोकु नवताल-5712 का हल

[illegible]

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सोशल मीडिया की दुनिया बाहरी तौर पर तो बहुत चमकदार दिखती है। उसके जरिए हमारे सैकड़ों-हजारों दोस्त भी बन जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इसमें सक्रिय-खुशहाल दिखने वाले लोग अपने वास्तविक जीवन में बहुत अकेलापन महसूस करते हैं। पूरी दुनिया में कराए गए सर्वे से यह साबित होता है। इसकी वजहों को जानकर ही हम अपने जीवन से अकेलेपन को दूर कर सकते हैं।

सोशल मीडिया की भीड़ में बढ़ता जा रहा अकेलापन

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

गीतकार साहिर लुधियानवी का फिल्म 'बहू-बेटी' के लिए लिखा एक गीत है- सबमें शामिल हो मगर सबसे जुदा लगती हो/सिर्फ हमसे ही नहीं खुद से भी जुदा लगती हो।

कुछ ऐसी ही स्थिति सोशल मीडिया की इस भीड़ में लोगों का बढ़ता अकेलापन भी है। जी हां, सोशल मीडिया के इस दौर में भले कहने के लिए हम सबके पास आभासी दुनिया में दर्जनों या सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों दोस्त हों, लेकिन हकीकत यही है कि आज इंसान जितना अकेलेपन का शिकार है, अब तक के इतिहास में इससे ज्यादा कभी नहीं रहा। यह किसी एक व्यक्ति या लेखक का अनुभव भर नहीं है बल्कि दर्जनों ऐसे विस्तृत शोध हुए हैं, जो इस बात को साबित करते हैं कि जैसे-जैसे सोशल मीडिया की चकाचौंध, उसमें भीड़ बढ़ी है, वैसे-वैसे हकीकत में लोगों के बीच अकेलापन पसरता जा रहा है।

कॉन्फिडेंस में आती है कमी: साल 2020 में पोलोज वन जर्नल में भी एक अध्ययन इस संबंध में प्रकाशित हुआ, जिसमें पाया गया कि जिन युवाओं ने सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताया, उनमें सामाजिक अलगाव और अकेलेपन की भावनाएं कहीं ज्यादा प्रबल थीं, बनिस्बत उन लोगों के जो सोशल मीडिया से दूर थे। यूनिसेफ की 2017 में आई एक रिपोर्ट ऐसा ही कुछ कहती है। इसके मुताबिक सोशल मीडिया और डिजिटल कनेक्टिविटी के बढ़ते उपयोग के साथ युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे अवसाद, चिंता और अकेलेपन में बढ़ोत्तरी हुई है, विशेषकर लड़कियों में, क्योंकि वे सोशल मीडिया में अधिक समय बिताती हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम के एक आतंरिक शोध में भी यह पाया गया है कि इंस्टाग्राम का उपयोग करने वाले कई युवा खास करके लड़कियां अपने जीवन और शरीर की तुलना दूसरे लोगों से करती हैं, जिस कारण उनमें जबर्दस्त असंतोष और आत्मसम्मान में बेहद कमी आ जाती है, जिस कारण अंततः वे अकेलेपन और अवसाद का शिकार होने लगती हैं। इस संबंध में इनकी आतंरिक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम ने इसमें शामिल 1/3 युवा लड़कियों के आत्मविश्वास को कम किया है।

इस संबंध में वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2020 भी इसी निष्कर्ष पर पहुंचती है और साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ ऐसा ही एक सर्वेक्षण बताता है कि 16 से 25 साल की उम्र के 50 प्रतिशत से ज्यादा युवक अकेलापन महसूस करते हैं, विशेषकर वे जो सोशल मीडिया में अत्यधिक सक्रिय हैं। कई और भी ऐसे अध्ययन हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो लोग सोशल मीडिया में जितना ज्यादा सक्रिय होते हैं, उनकी वास्तविक जिंदगी में उतना ही ज्यादा अकेलापन होता है।

बढ़ते अकेलेपन के कारण: सवाल है आखिर सोशल मीडिया ने लोगों के बीच इस कदर अकेलापन क्यों बढ़ाया है? वास्तव में इसके एक नहीं अनेक कारण हैं। मसलन, सोशल मीडिया के संबंध बेहद सतही स्तर के संबंध होते हैं, जिनका वास्तविक दुनिया से कुछ भी लेना-देना नहीं होता या फिर बहुत कम होता है। वास्तव में ये संबंध या दोस्ती 'लाइक', 'कमेंट' और 'शेयर' जैसी गतिविधियों तक ही सीमित रहते हैं। ऐसे संबंधों में लोग गहरे और भावनात्मक रिश्ते या रिश्तों की अनुभूति नहीं महसूसते।

आमतौर पर ये इंटरेक्शन बेहद तात्कालिक होते हैं। लोगों में भावनात्मक जुड़ाव बहुत कम होता है। भले हम सोशल मीडिया में घंटों सक्रिय रहें, लेकिन यह बात तो तय है कि सोशल मीडिया का संवाद वास्तविक संवाद नहीं होता। यहां लोग रटे रटाए संदेशों, इमोजी जैसे चिन्हों के जरिए ही संवाद करने की कोशिश करते हैं, जो कभी भी गहरे नहीं उतर पाते और ना ही कभी किसी को वास्तविक रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे लोगों में व्यक्तिगत, गहरे और भावनात्मक संबंध विकसित नहीं होते। जिस कारण भले वे एक-दूसरे के साथ इंटरेक्ट करते हुए दिखते हों, लेकिन होते अकेले ही हैं। सोशल मीडिया में तुलना किए जाने का भी एक जबर्दस्त असुरक्षाबोध है। चूंकि यहां अधिकांश लोग अपनी जिंदगी का सकारात्मक और चमकदार पक्ष ही दिखाते हैं, सिर्फ अपनी छुट्टियों और अच्छे पलों को ही साझा करते हैं। यहां लोग अपनी परेशानियों और जीवन के कमतर पक्षों को सार्वजनिक नहीं करते, इस कारण उनसे दो-चार होने वाले लोगों को लगता है कि दूसरे के जीवन में तो सब कुछ अच्छा ही अच्छा है, लेकिन मेरे जीवन में इतना अच्छा सब कुछ नहीं है। इससे लोगों में एक खास तरह की असुरक्षा, अवसाद और अकेलेपन की भावना बढ़ती है। सोशल मीडिया में लगातार सक्रिय रहने वाले लोगों में 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' की समस्या भी देखी जाती है। लोगों को यहां दूसरों की प्रोफाइल देखकर लगता है कि उनके मुकाबले वे अपनी जिंदगी का कुछ महत्वपूर्ण मिस कर रहे हैं। इस भावना के हावी हो जाने के चलते लोगों में एक खास तरह का नीरसपन छाने लगता है, जो अंततः अकेलेपन की भावना को बढ़ाता है।

रहना चाहिए सजग: अकेलेपन की समस्याओं से बचने के लिए हमें डिजिटल इंटरेक्शन की सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। वास्तव में सोशल मीडिया में जब हम बहुत ज्यादा सक्रिय होते हैं, तो असल जिंदगी में लोगों से काफी ज्यादा कट जाते हैं। लोगों से आमने-सामने की बातचीत लगातार कम होते हुए कई बार बिल्कुल ही नहीं हो पाती। जिस कारण हम लोगों से वास्तविक जिंदगी में बिल्कुल ही रूबरू नहीं होते। जब हम किसी से वास्तविक जिंदगी से कट जाते हैं, तब हम उससे भावनात्मक रूप से भी कनेक्ट नहीं हो पाते। जिस कारण हमारे जीवन में एक ऐसा अकेलापन बढ़ता जाता है, जो भले बहुत मामूली शुरुआत के साथ आया हो, लेकिन हर गुजरते दिन के साथ वह बड़ा और मजबूत होता जाता है।

हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हम किसी से डिजिटल दुनिया में कितना ही नजदीक हो लें, लेकिन जब तक हम शारीरिक रूप से किसी से नजदीक नहीं होते, तो अपनेपन की वह फीलिंग नहीं आती, जो किसी के साथ आमने-सामने होने के बाद आती है। किसी को छूने, स्पर्श करने और उसके सामने बैठकर उसकी आंखों में आंखें डालकर देखने का जो सुख है, वह सुख तस्वीरें देखकर या की-बोर्ड से अच्छी-अच्छी बातें टाइप कर लेने भर से नहीं आता। इसलिए किसी के साथ दिल की गहराइयों वाले लगाव के लिए जरूरी है कि उसके साथ प्रत्यक्ष संबंध हों। जब सारे संबंध तस्वीरों के या डिजिटल के हों तो अंततः इनसे अकेलापन ही बढ़ता है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया के संबंधों में इतना आभासीपन है कि किसी से गहरा और भावनात्मक रिश्ता बनता ही नहीं, जिस कारण हम सोशल मीडिया की भीड़ में रहते हुए भी अकेले रहते हैं। *

क्या कहते हैं अकेलेपन से जुड़े सर्वे

साल 2018 और 2020 में अमेरिका में कराए गए सर्वे से सामने आया लोनलीनेस इंडेक्स बताता है कि लगभग 46 प्रतिशत लोग अपने आपको अकसर या ज्यादातर समय अकेला महसूस करते थे। इनमें से ज्यादातर वे लोग थे, जो सोशल मीडिया में अच्छे-खासे सक्रिय थे। लेकिन ऐसे लोग वास्तविक जीवन में काफी ज्यादा अकेलेपन का शिकार थे। इस सर्वे को अमेरिका की सिंगना नामक एक प्रमुख हेल्थ सर्विसेज कंपनी ने किया था। बाद में इसी सर्वे के पूरक के रूप में साल 2020 में भी एक सर्वे का परिणाम आया, जिसमें पता चला कि 'जेन जेड' यानी युवा वयस्कों के बीच सोशल मीडिया के उपयोग और अकेलेपन का एक गहरा संबंध है। 18 से 24 साल के 60 फीसदी से कहीं ज्यादा लोग अकेलेपन का शिकार पाए गए, जबकि दूसरी तरफ यही लोग सोशल मीडिया में काफी सक्रिय थे यानी, ज्यादा से ज्यादा समय बिताते थे। लेकिन उनके वास्तविक जीवन में गहरे रिश्तों की बेहद कमी थी। साल

2017 में एक ऐसा ही शोध वैश्विक दायरे को समेटकर हुआ। यह सर्वे अमेरिकन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन (2017) में प्रकाशित हुआ था, जिसमें कहा गया था कि जो लोग सोशल मीडिया पर दिन में कम से कम दो घंटे बिताते हैं, वे उन लोगों की तुलना में अकेलेपन का कहीं ज्यादा शिकार होते हैं, जो सोशल मीडिया में समय नहीं बिताते या बहुत कम बिताते हैं।

तमाम तरह के डिजिटल मीडियम में पल-पल बदलते सीन, इंफॉर्मेशन और वीडियो देखने का असर हम सबकी फोकसिंग कैपेसिटी को कम कर रहा है। चिंताजनक बात है कि इससे मिड और ओल्ड एज के ही नहीं यंग और टीनएजर्स भी प्रभावित हो रहे हैं। इसकी वजहों और बचाव के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

डिजिटल डिस्ट्रैक्शंस का प्रभाव टफ हो रहा फोकस्ड रहना

टेक्नोलाइफ
डॉ. मोनिका शर्मा

तकनीक से घिरती जा रही आज की जीवनशैली में मन का ठहराव ही नहीं, दिमाग की अटेंटिव पावर भी कम हुई है। कभी विचारों का घेरा तो कभी पल-पल सामने आते समाचार। फोकस्ड रहना मुश्किल हो रहा है। अब हर उम्र के लोगों का अटेंशन स्पैन यानी ध्यान केंद्रित करने का समय घट गया है।

क्या है अटेंशन स्पैन: असल में बिना विचलित हुए जितने समय तक एक इंसान किसी काम पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, उसे अटेंशन स्पैन कहा जाता है। ध्यान फोकस करने का यह वक्त उम्र, परिवेश और की जा रही एक्टिविटी आदि पर निर्भर करता है, हर इंसान का अटेंशन स्पैन अलग-अलग होता है। चिंतनीय है कि आज की लाइफस्टाइल में ध्यान केंद्रित की अवधि हर उम्र के लोगों में कम हो रही है।

हर गतिविधि पर असरः अटेंशन स्पैन का कम होना जीवन से जुड़ी हर गतिविधि पर असर डालता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल जिम्मेदारियां, हर पहलू पर ध्यान के इस भटकाव का दुष्प्रभाव पड़ता ही है। डिजिटल डिस्ट्रैक्शंस के इस दौर में साल-दर-सार लोगों का अटेंशन स्पैन कम होता जा रहा है। साल 2000 में औसत ध्यान अवधि यानी अटेंशन स्पैन 12 सेकेंड था, जो 2015 में करीब 8.25 सेकेंड हो गई। तकनीक के विस्तार और स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल के चलते लोगों का अटेंशन स्पैन और कम हुआ है। अधिकतर लोगों को अपने रोजमर्रा के काम करने, खेलने, किताब पढ़ने और यहां तक कि किसी से बातचीत करने जैसी सहज गतिविधियों के लिए भी एकाग्र रहने में मुश्किल आने लगी है। ना मन कहीं टिकता है और ना ही दिमाग किसी काम में पूरी तरह संलग्न हो पाता है। ठहरकर सोचना-समझना या किसी काम को अंजाम देना ही हमें उलझन में डालने लगा है। ध्यान अनियंत्रित रूप से एक के बाद एक एक्टिविटी से जुड़ता चला जाता है। यह स्थिति इंसान की प्रोडक्टिविटी पर भी नकारात्मक असर डालती है। छोटी-छोटी एक्टिविटीज के लिए भी दिमागी सक्रियता और एकाग्रता बनाए रखना मुश्किल होने लगा है।

हर उम्र के लोगों पर असर: स्मार्ट गैजेट्स के माध्यम से क्लिक भर में मनचाहा कंटेंट, हर तरह की जानकारी, सूचना या संपर्क सूत्र मिल जाने के चलते हर उम्र के लोगों की एकाग्रता कम हुई है। आमतौर पर युवाओं का अटेंशन स्पैन अधिक होता है। चिंताजनक है कि आज के समय में टीनएजर्स भी अपना ध्यान फोकस नहीं कर पाते हैं। अध्ययन बताते हैं कि 4 में से 1 किशोर अपने परिजनों और दोस्तों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी याद नहीं रख पाते हैं। सोशल मीडिया से लेकर टेलीविजन के संसार तक पल-पल स्क्रीन बदलते रहने की आदत के चलते वास्तविक जीवन में भी अटेंटिव रहने की आदत ही खत्म हो गई है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन में सूचना विज्ञान की प्रोफेसर और 'अटेंशन स्पैन', 'ग्राउंड ब्रेकिंग वे टू रिस्टोर बैलेंस', 'हैप्पीनेस एंड प्रोडक्टिविटी' की लेखिका डॉ. ग्लोरिया मार्क के अनुसार सिंगल स्क्रीन को देखने वाले व्यक्तियों का एवरेज फोकस समय 2004 में 2.5 मिनट से घटकर 2021 में औसतन 47 सेकेंड हो गया है। कंटेंट की भरमार के इस मौजूदा दौर में खुद को फोकस्ड रखने के प्रयास आवश्यक हो गए हैं, क्योंकि ध्यान अवधि का कम होते जाना कई मानसिक और मनोवैज्ञानिक परेशानियों का भी कारण बनता है। *

रहना होगा सजग

अटेंशन स्पैन कम होने के पीछे तकनीक के साथ ही मानवीय विचार और व्यवहार से जुड़े पहलू भी शामिल हैं। रिसर्च बताते हैं कि स्ट्रेस और ध्यान अवधि के कम होने में गहरा संबंध है। इतना ही नहीं अटेंशन स्पैन इस बात से भी प्रभावित होता कि कोई इंसान किए जा रहे काम या संवाद से भावनात्मक रूप से कितना जुड़ाव रखता है? 'स्टोलन फोकस- व्हाई यू कांट पे अटेंशन, एंड हाउ टू थिंक डीपली अगेन' के लेखक जोहान हरी का कहना है कि टेक्नोलॉजी ही ध्यान अवधि को प्रभावित करने वाला एकमात्र कारक नहीं है। खानपान, शारीरिक सक्रियता, नींद और नोटिफिकेशंस की टिकटिक सब कुछ मन-मस्तिष्क के ठहराव को प्रभावित करता है। ऐसे में मानसिक व्यायाम वाले खेल, मेडिटेशन और एक समय में एक ही काम पर फोकस करने की आदत मददगार बन सकती है। सबसे अहम बात यह है कि ध्यान भटकाने वाले स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल का समय फिक्स किया जाए, याद रहे कि तकनीक जीवन का हिस्सा जरूर है पर जीवन का पूरी तरह तकनीकी माध्यमों तक सिमट जाना चिंतनीय है। इसीलिए सोने-जागने से लेकर खान-पान तक ट्रेडिशनल लाइफस्टाइल से जुड़ते हुए वर्चुअल बिजी रहने से परे व्यावहारिक मोर्चे पर जीवन को साधने के प्रयास किए जाएं।

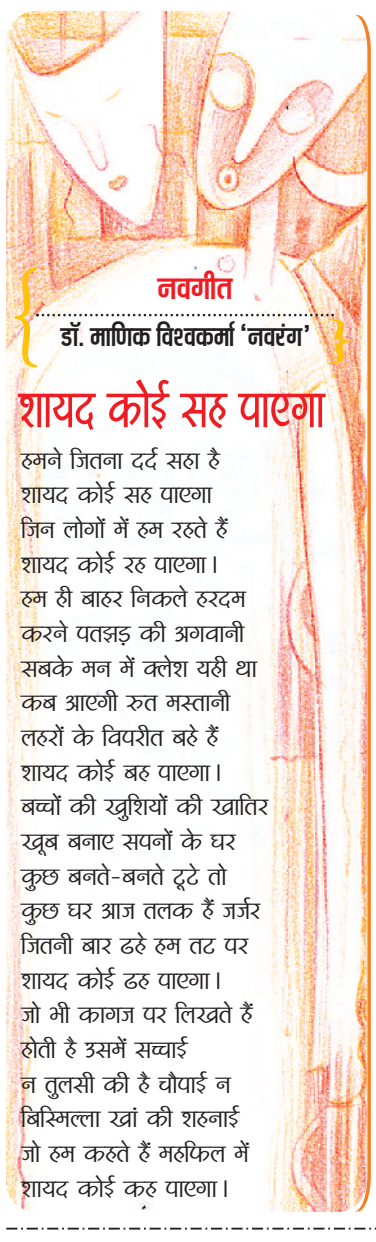

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

शायद कोई सह पाएगा

हमने जितना दर्द सहा है
शायद कोई सह पाएगा
जिन लोगों में हम रहते हैं
शायद कोई रह पाएगा।
हम ही बाहर निकले हरदम
करने पतझड़ की अगवानी
सबके मन में क्लेश यही था
कब आएगी रुत मस्तानी
लहरों के विपरीत बहे हैं
शायद कोई बह पाएगा।
बच्चों की खुशियों की खातिर
खूब बनाए सपनों के घर
कुछ बनते-बनते टूटे तो
कुछ घर आज तलक हैं जर्जर
जितनी बार ढहे हम तट पर
शायद कोई ढह पाएगा।
जो भी कागज पर लिखते हैं
होती है उसमें सच्चाई
न तुलसी की है चौपाई न
बिस्मिल्ला खां की शहनाई
जो हम कहते हैं महफिल में
शायद कोई कह पाएगा।

छोटी कहानी / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

उन दोनों पतंगों ने सुन रखा था, लौ में जलकर प्राणोत्सर्ग करना उनकी परंपरा है। दोनों दीयों ने इस परंपरा का निर्वाह करना चाहा, लेकिन इस परंपरा निर्वहन में उन्हें जिस अनुभव से गुजरना पड़ा, मनुष्य का चरित्र उजागर हो गया। मनुष्यता पर कटाक्ष करती कथा।

छूत

दोनों पतंगे महानगर में पैदा हुए थे। महानगर में ही पले-बढ़े और जवान हुए थे। दोनों बचपन से ही अपने बड़े-बुजुर्गों के मुंह से दीपक और पतंगे के अमर-प्रेम की कहानियां सुनते चले आ रहे थे। उन्होंने सुन रखा था, दीये के साथ पतंगे का प्रेम सनातन है। जहां कहीं भी आदर्श प्रेम की चर्चा होती है, दीये और पतंगे के प्रेम का ही उदाहरण दिया जाता है। उन्होंने सुन रखा था कि हंसते-हंसते दीये की लौ में जल कर अपना प्राणोत्सर्ग कर देना उनकी जातीय परंपरा है। दीये के बगैर पतंगे का जीवन अधूरा और निरर्थक है। अतः उन दोनों की हार्दिक इच्छा थी कि वे भी किसी दीये से प्रेम करें, उसकी गरमाई का अद्भुत आनंद लें। अंततः उसकी लौ में जल कर अपनी परंपरा का निर्वहन करें। लेकिन समस्या यह थी कि प्रेम करने के लिए उन्हें दीया कहां से मिले? उन्होंने तो आज तक दीये की शक्ल भी नहीं देखी थी। महानगर में तो हर तरफ बिजली के छोटे-बड़े बल्ब, मरकरी रॉड, सोडियम और हैलोजन लाइटें जगमगा रही थीं।

पतंगों ने अपने समाज के बड़े-बुजुर्गों से दीये की हुलिया पूछी, उसके रूप-रंग आकार, प्रकार और संभावित ठिकाने के बारे में जानकारी ली और प्रेम दीवाने दोनों पतंगे सिर पर कफन बांध कर दीये की तलाश में निकल पड़े।

महानगर की सीमा छोड़ वे दोनों पतंगे गांवों की तरफ उड़ चले। लंबी यात्रा के बाद आखिरकार उन्हें गांव के बाहर, एक पुराने मंदिर की दहलीज पर अपनी पूरी मस्ती में लहराता हुआ एक नन्हा-सा दीया दिखलाई दिया। दोनों मारे खुशी के उछल पड़े। उनकी रास्ते की थकान छू-मंतर हो गई। अगले ही पल वे दीये के करीब पहुंच गए।

दीये की आंच अपनी जवानी पर थी। वे दोनों पतंगे काफी देर तक दीये की झूमती, लहराती लौ के साथ छेड़छाड़ करते रहे, उसके चारों तरफ चक्कर काटते रहे और उसकी गरमाई का आनंद लेते रहे। यूं ही मस्ती करते, आनंद लेते कितना समय बीत गया, इसका उन्हें ध्यान ही नहीं रहा। अचानक उन्हें लगा कि दीये की आंच कुछ मंद होने लगी है। 'क्या बात है भई! तुम्हारा जोश और ताप शिथिल क्यों पड़ने लगा?' पहले पतंगे ने दीये की लौ से प्रश्न किया।

'अब मेरा अंत समय निकट है। मैं अब बस कुछ ही क्षणों की मेहमान हूं, क्योंकि मेरा जीवन-रस यानी तेल समाप्त हो चला है।' दीये की बाती ने कांपती आवाज में जवाब दिया।

'दोस्त! अब यह दीया बुझने वाला है। इससे पहले कि इसकी मद्धिम पड़ती आंच बुझकर धुएं में बदल जाए, हमें यहां से चल देना चाहिए। आओ! कहीं अन्यत्र चलें और किसी दूसरे जवान दीये की तलाश करें।' दूसरा पतंगा पहले से बोला। 'अरे! ये क्या कह रहा है तू? महानगर में आदमियों की बस्ती में रहते-रहते तुम्हें भी आदमी के चरित्र की छूत लग गई है क्या? दोस्त! हमें अपनी पहचान नहीं भूलनी चाहिए। हम पतंगे हैं, इंसान नहीं। दीये के साथ हमारा प्रेम आदर्श और अनन्य है। हमारा फर्ज यही है कि इस दीये के बुझने से पहले हम स्वयं मिट जाएं ताकि हमारे आदर्श प्रेम पर कोई अंगुली ना उठा सके।' पहले पतंगे ने आंखें तरेरते हुए दूसरे से कहा और दीये की टिमटिमाती लौ में समा गया। *

लघुकथा / पूनम पांडे

बेखबर

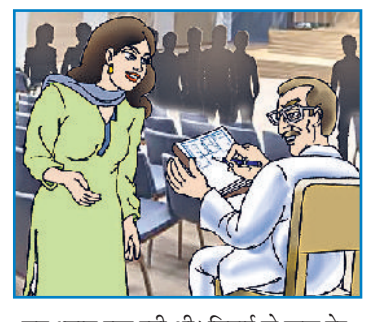

अभय प्रताप ने आज काफी समय के बाद किसी समारोह में शिरकत के लिए सहमति दी थी। वह एक जाने-माने आर्किटेक्ट हैं। उनके बनाए डिजाइन दुनियाभर की इमारतों के रूप में उनके यश को बढ़ा रहे हैं। साठ बरस के हो चले अभय प्रताप अब अपने सुपुत्र को स्थापित करना चाहते हैं। इसलिए वह बाहर कम ही जाते। घर पर बेटे को बारीकी से इमारत के डिजाइन के लिए टिप्स दिया करते हैं। आज एक वास्तुकला महाविद्यालय के समारोह में बहुत ही आदर-सम्मान के साथ अभय प्रताप को बुलाया गया था। एक छात्रा ने उनके चरण स्पर्श किए। उनकी डिजाइन की हुई हर इमारत का नक्शा उसे जुबानी याद था। अभय प्रताप को बहुत खुशी हुई कि युवा वर्ग पुराने लोगों के काम पर इतना ध्यान देता है।

समारोह कुल मिलाकर तीन घंटे तक चला था। वह छात्रा बार-बार आकर उनका ख्याल रख रही थी। उसे मालूम था, अभय प्रताप गुनगुना पानी पीते हैं। चाय में शक्कर की जगह वह गुड़ लेते हैं, इतनी छोटी-छोटी बातें उसको मालूम थीं। इसका वह ध्यान रख रही थी। विदाई से कुछ देर पहले छात्रा अभय प्रताप के पास आई। एक डायरी उनके आगे रख दी। उन्हें लगा कि छात्रा उनके आटोग्राफ लेना चाहती है। लेकिन वह एक पन्ना दिखाती हुई बोली, 'यह मेरा अनुमान है। आपको दिखाना चाहती थी कि एक साधारण मकान के आगे बरामदा और बगीचा ऐसा ही होगा ना।' अभय प्रताप को बहुत खुशी हुई कि यह छात्रा कितनी उत्साहित है। उनके लिए कोई डिजाइन या नक्शा तैयार करना बाएं हाथ का खेल था, जबकि इस काम के लिए उन्हें लाखों का भुगतान होता था। अब यह उनकी कल्पना और अंगुलियों का कमाल था, बरसों की साधना थी। 'ऐसे नहीं ऐसे।' कहकर अभय प्रताप ने कुछ सेकेंड में एक नक्शा खींच कर उस छात्रा को दे दिया। वह गदगद होकर उनके चरण स्पर्श कर चली गई। दो दिन बाद अभय प्रताप के बेटे का एक बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी में साक्षात्कार हुआ। बेटे ने बताया कि एक युवती को चुना गया है।

'कंपनी की मर्जी है, ठीक है।' कहकर वह खामोश रहे। 'लेकिन डैडी, उसने एक ऐसा डिजाइन दिखाया, जिसे देख कर साक्षात्कार लेने वाले अचंभित रह गए। उनका कहना था कि इस युवती में जाने-माने आर्किटेक्ट अभय प्रताप जैसी प्रतिभा है।' 'अच्छा! क्या किया था उसने?' वह चौंके। 'डैडी, उसने एक साधारण से घर के बरामदे और बगीचे का अनोखा डिजाइन खींच कर दिखाया था।' बेटे ने बताया। अभय प्रताप को लगा जैसे उनके पैरों तले जमीन खिसक गई है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में जीवन स्पंदन

हाल में प्रकाशित होकर आए पुरुषोत्तम घनश्याम व्यास के पहले कविता संग्रह 'बात करके क्या बात करूं' में कुल 284 कविताएं संकलित हैं। ये कविताएं कहीं से गढ़ी हुई नहीं लगती हैं। ऐसा लगता है कि अपने आस-पास के जीवन की अनुभूतियों, कोमल संवेदनाओं और विडंबनाओं के प्रतिक्रियास्वरूप कवि के मन में इनका जन्म हुआ, जिसे उन्होंने वैसे ही कविता के रूप में व्यक्त कर दिया है। इसीलिए यहां भाषा और शिल्प की जटिलता भी नजर नहीं आती है और बहुत सहजता से इनके भाव पाठक के मन को स्पर्श कर जाते हैं। इन कविताओं में जीवन स्पंदन को स्पष्ट तौर पर महसूस किया जा सकता है। 'सुबह शाम/मैं अकेला/करता रहा अपने से बात/भीड़-भाड़ भरे शहर में/रहता हूं एकांत।' (रहता हूं एकांत) जैसी पंक्तियां आज के दौर में आपा-धापी भरी जीवनशैली में एक भावुक इंसान की व्यथा को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। प्रेम पर वे लिखते हैं 'वह कविता/यह कविता/ सब कविता/ तुम्हारे लिए/ ढूढ़ो अगर इसमें तो/ अपने को ही पाओगी...' (कविता)। *

पुस्तक: बात करके क्या बात करूं (कविता संग्रह), **रचनाकार:** पुरुषोत्तम घनश्याम व्यास, **मूल्य:** 250 रुपए, **मुद्रक:** प्रियंका प्रिंटर्स, अमरावती

एक ही इलाके में पहुंचे हाथी और बाघ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कवर्धा

बीते कई दिनो जिले के सीमावर्ती ग्रामीण ईलाकों में विचरण कर रहे जंगली हांथी और बाघ अब विकासखण्ड पंडरिया से लगे मध्यप्रदेश के सीमावर्ती गांव में पहुंच गए हैं और चहलकदमी कर रही है। बीते शुक्रवार की रात चार सदस्यीय जंगली हाथी के दल की लोकेशन पंडरिया विकासखण्ड से लगे मध्यप्रदेश के सीमावर्ती ग्राम पंडरीपानी में ट्रेस की गई है जबकि बाघ भी विकासखण्ड पंडरिया से लगे मध्यप्रदेश के ठाड़पथरा के आसपास पहुंच गया है। जहां विकासखण्ड पंडरिया के ग्राम बकरीपानी, निगड्डा, भेलकी लगे हुए हैं। बताया जाता है कि अभी दो रोज पूर्व तक बाघ विकासखण्ड बोड़ला से लगे मध्यप्रदेश के सीमावर्ती ग्राम बंजरा में था और अब विकासखण्ड पंडरिया से लगे मध्यप्रदेश के गांव में पहुंच गया है जहां पहले से चार सदस्यीय हाथियों का दल बीते करीब हप्ते भर से डेरा डाले हुए और उत्पात मचा रहे हैं। ऐसे में जहां मध्यप्रदेश और पंडरिया के सीमावर्ती ग्रामों में निवासरत ग्रामीणों की सांसे अटकी हुई है और उनमें पहले कहीं ज्यादा दहशत देखने को मिल रही है।

■ बाघ ने सीमावर्ती एमपी के गांवों में फिर किया बछिया का शिकार

वन विभाग रखा है नजर

वन विभाग की माने तो वह लगातार हाथियो और बाघ की लोकेशन पर नजर रखे हुए है। वहीं उसने सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में बाघ तथा हांथियों की मौजूदगी के संबंध में मुनादी भी करा दी है तथा ग्रामीणों को अंधेरा गहराने के बाद घरों से बाहर न निकलने तथा जंगलों की तरफ न जाने की समझाईश दी है। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी बाघ पंडरिया की सीमा में दाखिल नहीं हुआ है, जबकि हांथी जरूर कुछ दिन पूर्व पंडरिया के चेंदराहादर तथा भेलकी तक पहुंच गए थे लेकिन वे फिर वापस मध्यप्रदेश के ग्राम पंडरीपानी लौट गए। कुल मिलाकर पंडरिया के सीमावर्ती ग्रामीणों में इस समय बाघ और जंगली हाथियों की दहशत साफ देखी जा रही है।

खड़ी ट्रक से टकराई कार एक की मौत, सात घायल

दुर्ग। बीती रात दुर्ग बाईपास उरला पुल के पास खडी ट्रक के पीछे एसयूव्ही कार टकरा गई। इस घटना के बाद पेट्रोलिंग पुलिस की बडी लापरवाही सामने आई हैं। दो से तीन दिनों तक खराब खडी इस ट्रक में कोई संकेत नही लगाए गए थे, वहीं ट्रक में रेडियम पट्टी भी नही था। इस बीच एसयूव्ही कार के ड्राइवर ने ओव्हर टेक किया और सामने खडी ट्रक को देख नही पाया।

जिसके चलते कार टकराई और सात लोग घायल हो गए, वहीं ड्राइवर की आन द स्पाट मौत हो गई। हाईवे में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी हाईवे पेट्रोलिंग की होती है। अगर ट्रक दो से तीन दिनों तक सडक किनारे खराब खडी थी तो उसके आसपास घेरा क्यो नही बनाया और ट्रक में रेडियम पट्टी भी नही लगी थी। घटना में शुक्रवार शाम करीब सात बजे की हैं। मोहननगर थाने की पुलिस ने बताया कि, महाराष्ट्र के बीड से जगन्नाथपुरी दर्शन के लिए पंडित परिवार जा रहा था।

लापता पिता 21 साल बाद बेटे को मिला अब जल्द लौटेगा कोसा अपने गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहंडीगुड़ा

तकरीबन 21 साल पहले हैदराबाद में गुम हुए कोसा नाग का पता चलने के बाद आखिरकार शनिवार को बेटा चमलू अपने गुम हुए पिता कोसा नाग से राजस्थान के गंगानगर में मिला, पिता पुत्र की इस मुलाकात के दौरान दोनों की आंखों में आंसू थे। इस मार्मिक दृश्य के गवाह रहे लोग भी भावुक हो गए। बता दें कि बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के धूरागांव निवासी 56 वर्षीय कोसा नाग 2 दशक पहले अपना परिवार पालने के लिए हैदराबाद मजदूरी करने चला गया था, लेकिन कोसा इस दौरान गुम हो गया परिजन लंबे समय तक कोसा कि तलाश करते रहे लेकिन उन्हें कोसा का कोई पता नहीं चला। दो दशक बीत जाने के बाद कोसा नाग को मरा हुआ समझ कर परिजन इसी वर्ष अंतिम संस्कार करने वाले थे, लेकिन इसी बीच राजस्थान के गंगानगर स्थित अपना घर नामक एक सामाजिक संस्था के प्रतिनिधियों को कोसा नाग मिला संस्था के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से लोहंडीगुड़ा थाने में और उसरीबेड़ा के शिवा मेडिकल स्टोर में फोन कर कोसा नाग के गंगानगर में होने की जानकारी दी गई।

■ परिजन इसी वर्ष अंतिम संस्कार करने वाले थे

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

हमारा आशियाना

रेडी टू मूव प्रॉपर्टी @ बेस्ट प्राइस

रायपुर के सभी प्राइम लोकेशन में

लोकेशन	प्रॉपर्टी टाइप	ऑफर कीमत (लाख में) से शुरू
रेजिडेंशियल		
कबीर नगर के पास	1BK, 1BR, 1BHK & 2BHK	9.00
अवंती विहार चौक, मेन रोड से 200 m	1BHK	15.75
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	2 BHK, 3BHK	20.00
कमर्शियल		
मोहबा बाजार से 700 m दूर	दुकान	7.50
खालसा स्कूल, पंडरी के पास	ऑफिस एंड दुकान	38.00
मंत्रालय से 2 km दूर, नया रायपुर	ऑफिस एंड दुकान	17.50
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	दुकान	27.00
शंकर नगर	दुकान	44.00
राजकुमार कॉलेज के पास	दुकान	40.00
अवंती विहार चौक, मेन रोड से 100 m	दुकान	62.50
प्लॉट		
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	कमर्शियल प्लॉट	27.00
रिंग रोड से लगा हुआ, सिलतरा	कमर्शियल प्लॉट	29.00

avinash a relation for life
संपर्क करें : 90181 81813

Appointment आवश्यकता

सेल्स/मैनेजर

आवश्यकता है- ग्रीव्स आटोमोबाइल थ्रीव्हीलर EV- टीम लीडर- 04, सेल्स एग्जीक्यूटिव- (M/F), 20, सेल्स मैनेजर 01, जनरल मैनेजर 01, रिसेप्शनिस्ट (फीमेल) , 02, मैकेनिक 08। इंटरव्यू 27.11.2024, 11 से 4, सेंट्रल कॉलेज के सामने फाफाडीह रायपुर 9109104223, 7047935994. (RO-6420)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- चिकित्सालय में प्रशिक्षित अप्रशिक्षित परंतु अनुभवी नर्सिंग स्टाफ ANM. GNM. रिसेप्शनिष्ट, पैरामेडिकल कार्यकर्ता, एंव आया की आवश्यकता है मिले 10से 05 बजे तक केजीएन चिकित्सालय फव्वारा चौक बैरन बाजार रायपुर 9425502209, 9893042209.(RO-6417)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- पंडरी सूट, साड़ी शोरूम के लिए अनुभवी सेल्समेंन, सेल्सगर्ल, लेडीज टेलर व इंस्टाग्राम मैनेज करने व फोटो शूट करने के लिए गुड लुकिंग फीमेल मॉडल की आवश्यकता है 9300636186, 8109205462.(RO-6421)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प पर कार्य करने हेतु उम्मीद्वार (लड़की/लड़का) की आवश्यकता है। रीच कार्गो मूवर्स पम्प, उरैदबरी, राजनांदगांव। संपर्क करें- 8109411676.(RO-6962)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प पर कार्य करने हेतु उम्मीद्वार की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- डागा पेट्रोल पम्प, फाफाडीह, स्टेशन रोड, रायपुर , 8109135400.(RO-287)

ऑपरेटर

आवश्यकता है- गुमा स्थित अरवा मिल (कोढ़ा मिल) चलाने हेतु ऑपरेटर की आवस्यकता है। सैलरी 10,000 - 12,000/- महीना । संपर्क: 7987970711.(RO-23)

ड्रायवर

आवश्यकता है- चार वर्ष अनुभवी आटोमेटिक कार ड्रायवर चलानी आती हो एंव किसी भी प्रकार की नशा की आदि न हो। आने जाने की स्वंय की सुविधा हो। संपर्क मों.नं. - 7440410500.(RO-6418)

आवश्यकता है- रायपुर, तेलीबांधा के पास ऑटोमेटिक कार चलाने के लिए अनुभवी घरेलू ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 13000/- से 14000/- महीना 11 घंटे ड्यूटी इच्छुक संपर्क करें- 9754160228. (RO-1238)

आवश्यकता है- फैक्टरी में बोलेरो एवं टाटा एस चलाने हेतु अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है। पता- कविता पालिमर उरकुरा रेल्वे स्टेशन भनपुरी रायपुर 7828656506. (RO-1798)

फील्ड कार्य

आवश्यकता है- फील्ड कार्य हेतु 8वीं/ 10वीं पास लड़कों की आवश्यकता है. स्वयं का वाहन (साइकिल आदि) आवश्यक। आकर्षक वेतन संपर्क- सुमित एडवरटाइजर्स, शॉप नंबर- 88, शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स, नवभारत प्रेस के सामने, जी. ई. रोड, रायपुर. मोबाइल - 9826708989, 9826161116.(RO-1624)

मैनेजर

Required - For Raipur Manager cum Warehouse Incharge for multinational tyre company having computer knowledge Send Your CV Email÷ indorecnf24@gmail.com (RO-A)

सेल्स/मार्केटिंग

आवश्यकता है- वाशिंग पाउडर कंपनी शिव शक्ति एंटरप्राइज में सेल्स एवं मार्केटिंग के लिए अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें - 9691293785. (आरो न.- 1833)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- टेली कम्प्यूटर ऑपरेटर महिला की आवश्यकता है, 2-3 वर्ष अनुभवी उम्र 27 से ऊपर, संपर्क:- एस. आर चैन इंडस्ट्रीज अरिहंत कॉम्प्लेक्स स्टेशन रोड गुरुद्वारा के पास रायपुर Mob. 9827128665, 6291641261.(RO-3117)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- अधिवक्ता ऑफिस में ऑफिस कार्य हेतु 12वीं पास लड़के/ लड़की चाहिए। वेतन 3000 से 5000 तक कार्य समय 10 से 7 बजे तक। सायकिल वाले को प्राथमिकता। संपूर्ण बायोडाटा सहित मिले:- प्रभांक ठाकुर अधिवक्ता गंगोत्री हॉस्पिटल के पास ओमपरिसर आर्यनगर दुर्ग मो.- 9303107790.(आरो न.- 630)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- रायपुर जेल रोड में ऑफिस व फील्ड के सभी कार्य हेतु ऑफिस बॉय/ चपरासी की आवश्यकता है स्वयं का वाहन अनिवार्य 25 वर्ष तक के कम पढ़े लिखे आस-पास के लड़के संपर्क करें। 8839812454. (RO-1239)

टीचर

आवश्यकता है- लेडी रिसेप्शनिष्ट, इंचार्ज, कम्प्यूटर आपरेटर, अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम- साइंस, एकाउंट, कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, इंगलिश पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर, की आवश्यकता। साक्षात्कार 27.11.2024 प्रातः 9:30 बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी पास खमतराई, 9826198065, 07712252855.(RO-6961)

आवश्यकता है- झूलाघर में बच्चों को पढ़ने एवं देखने हेतु महिला शिक्षिका की आवश्यकता पता जैन डे बेबी केयर पुलिस पेट्रोल पंप के सामने शांति किराया भंडार के ऊपर कालीबाड़ी रायपुर 9827140065. (RO-1648)

आवश्यकता

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता,10 वी, 12 वी, संपर्क करे:-रामा मेडिटेक ,गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर -15/A,रायपुर 7089933233. (RO-277)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज की दुकान में सामान लाने ले जाने के लिए जरूरतमंद लड़को की आव्यशकता है संपर्क करे भाव्या ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो 8818833330.(RO-24)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000/- महीना योग्य उम्मीदवार को ज्यादा वेतन संपर्क करें- वायर हाऊस जवाहर नगर एम. जी. रोड रायपुर (RO-1236)

आवश्यकता है- 1.कम्प्यूटर ऑपरेटर- मेल (टैली डाटा एंट्री) (अनुभव एक साल) 2.काउंटर सेल्समैन- (मेल या फीमेल) 3. दुकान में कार्य करने हेतु लड़के चाहिए संपर्क करें- राधा इंटरप्राइजेस, संजय गांधी चौक, स्टेशन रोड रायपुर मोबाइल- 9425504853. (RO-1012)

फील्ड/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- फील्ड वर्क के लिये (साउंड सिस्टम, वीडियो स्क्रीन) टेक्नीशियन 12वीं पास फ्रेशर या अनुभवी एंव फिल्ड वर्क लेबर लड़कों की आवश्यकता है। रहने की व्यवस्था दी जायेगी। सैलरी पांच अंको में। संपर्क:- यश.एल. ई. डी. टेक्नोलॉजी प्रा.लि. कचना रायपुर मों.:- 9926791401.(RO-6415)

टेलीकॉलर/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- सोलर कंपनी हेतु टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, इंजीनियर (सोलर कंपनी के जानकार संपर्क करें) स्वयं का वाहन होना अनिवार्य वेतन योग्यताअनुसार,रहने की सुविधा 7544040795, 9122285796.(RO-1013)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- ब्लू डार्ट कोरियर कंपनी को डिलीवरी कर हेतु 15 लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है वेतन 12000 + पेट्रोल एवं अन्य भत्ते, बाइक एवं मोबाइल फोन धारी 10वीं पास संपर्क करें- ओम एंटरप्राइजेज, जब्बल टावर, सिविल लाइन, रायपुर 8770078441, 9826124088. (RO-maa)

एच.आर. मैनेजर

REQUIRERD- V.S. Group of Industries is hiring HR Manager! Require 12+ years in HR, preferably in manufacturing. Must handle government agencies (pollution board, licensing, DIC,ESI, PF, etc.). Salary negotiable. contact. - 8719970007.(आरो न.- 6396)

ऑपरेटर/हेल्पर

आवश्यकता है- रायपुर रिश्ता लोहा बाजार में 1 एकाउंटेंट, 1 स्टोर कीपर, 1 ऑटोकेड ऑपरेटर, 2 सुपरवाइजर, 4 वेल्डर, 6 हेल्पर, 2 टर्नर, 1 कटर, 4 फिटर चाहिए सम्पर्क करें- 9893070113. (RO-30640)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/हेल्पर्स

आवश्यकता है- पंडरी स्थित मेंस क्लॉथिंग शो-रूम में काम करने हेतु मेल/फिमेल सेल्समैन एंव हेल्पर्स की आवश्यकता है। संपर्क करें:- 8805894256, 9755350020.(RO-7364)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुपरवाइजर 2, सुरक्षा गार्ड 18 लेडी गार्ड 2, मार्केटिंग अधिकारी 2, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास 1 time भोजन फ्री गार्ड हेतु, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर मोबाइल नंबरः- 7746000016, 7747000019, 7747000016. (RO-3114)

हेल्पर

आवश्यकता है- आसान कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़के चाहिए। रूम, बिजली की सुविधा फ्री, काम करने के इच्छुक ही सम्पर्क करे- बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534. (RO-36049)

अन्य

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। संपर्क करें- 7450945537, 9040788128.(RO-814)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500/-) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें :- 9102935834 (RO-3051)

आवश्यकता है- जरूरतमंद लोग की आयुवेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए संपर्क करें शिक्षित/बेरोजगार जरूरतमंद लड़कें-लड़कियाँ हाउसवाइफ घर बैठे दवाई पैकिंग करके पार्ट टाइम/फुल टाइम 30,500/- से 45,500/- महीना कमाएं (जरुरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) NOC - 2150/- +91 6267324667.(RO-1334)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - फ्री सेवा महाकाली उपासक गुरु बाबा एस के स्वामी (गोल्डमेडलिस्ट) मनचाहा प्यार, वशीकरण लवमरीज ,ग्रह कलेश, पतिपत्नी अनबन, सौतन दुश्मन छुटकारा ,कारोबार 3 घंटे में घर बैठ गारंटीड समाधान पाये 8854858543. (RO-6419)

ज्योतिष - छत्तीसगढ़िया ज्योतिष विचार दिखाइया "बईगा" सब्बो समस्या के समाधान काली माई के शक्ति से पूजा पाठ लड़ाई- झंझट, जुन्ना बीमारी, बैरीले छुटकारा, बिहाव में देरी, लइका होय में देरी, पढ़ई में मन नई लागय ता एक बार अवश्य मिलव मो. 8461886239.(RO-6000)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्कः- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर- 8359913999, 9589288936, रायगढ़ / अंबिकापुर- 7869755871. (RO-3106)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है - कुम्हारी में लोट्स फेस-5 में शानदार ऑफर! अब टी.एन.सी अप्रूव्ड प्लॉट्स पर 90% बैंक फाइनेंस के साथ 1100/- से घटकर केवल 851/- प्रति वर्गफीट पर उपलब्ध। ऑफर सिर्फ इस महीने के 30 तारीख तक है और प्लॉट्स सीमित हैं। ब्रोकर संपर्क न करें। केवल इन्वेस्टर्स संपर्क करें। मोबाइल: - 9165586666, 9584444523.(RO-3100)

बेचना है - नई राजधानी निमोरा में फार्म हाउस के लिए प्लॉट्स उपलब्ध! मंत्रालय से मात्र 5 किमी की दूरी पर शानदार लोकेशन में फार्म हाउस के लिए प्लॉट्स। विभिन्न साइज उपलब्ध- 10,000, 5,000, 2,500 वर्गफीट रेटः- केवल 431 रुपए प्रति वर्गफीट इस बेहतरीन अवसर को हाथ से न जाने दें! संपर्कः- 9165586666, 9584444523.(RO-3099)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

प्लॉट बेचना है - टेमरी, माना कैंप के पास स्थित लगभग 3900 स्क्वायर फीट का कॉर्नर प्लाट बेचना है संपर्क करें- 6262326000. नोट- ब्रोकर संपर्क ना करें (RO-6414)

बेचना है - 1000- 1000 वर्गफीट के 2 आवासीय डाइवर्टेड कॉर्नर प्लॉट, शिवम एजुकेशन के पास, सत्यम विहार कॉलोनी, रायपुरा, अर्जेंट बेचना है। 90% बैंक फाइनेंस की सुविधा। संपर्क करें:- 9165586666, 9584444523.(RO-3098)

मकान

मकान बेचना है- पद्मनाभपुर, दुर्ग में नया मकान बेचना है, सेमी-फर्निश्ड, बेहतरीन गुणवत्ता, बाजार, परिवहन, स्टेशनों से बेहतरीन कनेक्टिविटी, मेन रोड के पास। संपर्क करें- 9301411550.(आरो न.- 1830)

For Rent किराया

किराये से देना है- मकान किराये से देना है 1 BHK सेकेण्ड फ्लोर में किराया 5000/- महीना पुरानी बस्ती थाना के पीछे नव दुर्गा चौक रायपुर संपर्क करें:- Mob. 9826416557. (RO-3116)

हरिभूमि क्लासीफाईड

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82, हाइट 6' एमबीबीएस अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित, अविवाहित, सुन्दर सजातीय, अपर कास्ट, वधु चाहिए। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
राजपूत 1282 क्षत्रीय 16/1/1987 हाइट 5'-3" रंग गेहुआं, M.Com, PGDCA, ITI, असिस्टेंट मैनेजर टाटा भिलाई में कार्यरत वर हेतु सुन्दर, सुशील सजातीय शासकीय सेवारत वधु चाहिए
सम्पर्क करें 9303026055

वर चाहिए

वर चाहिए
अनुसूचित जाति (महार) गृह कार्य में दक्ष बीकॉम, ग्रेजुएट सेवारत कन्याओं हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए संपर्क करें
7354952985
7773832362

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/69
म.प्र. राजपूत समाज
7वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 15 दिसंबर 2024
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
ऑनलाइन पंजीयन हेतु अंतिम तिथि गुरुवार, 05 दिसंबर 2024
इस अवसर पर बहुरंगीय राजपूत दर्पण सामाजिक पत्रिका सभी युवक-युवतियों के रंगीन फोटो+बायोडाटा सहित प्रकाशित की जाएगी
Email:- mprajputsamaj1582@gmail.com
मो. 91790 81582, 98274 47630, 98260 15148, 94250 04866

परिचय सम्मेलन- 13 वां अखिल भारतीय एजुकेटेड अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 11-12 जनवरी को निरंजन धर्मशाला रायपुर में आयोजित है । बायोडाटा भेजें www.cgyuvaagrawal.in,cgyuvaagrawal@gmail.com 9425213860 (3104)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

तरकश

संजय के. दीक्षित

नए डीजीपी का पैनल

छत्तीसगढ़ में नए डीजीपी नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। दरअसल, कुछ राज्यों में ऐन मौके पर डीजीपी नियुक्ति की फाइल यूपीएससी को भेजने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की थी। अपेक्स कोर्ट ने कहा था कि नए डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया तीन महीने पहले शुरू हो जानी चाहिए। तीन महीने के पैरामीटर से देखें तो छत्तीसगढ़ में कुछ लेट हुआ है। डीजीपी अशोक जुनेजा का छह महीने का एक्सटेंशन 5 फरवरी को कंप्लीट हो जाएगा। बहरहाल, जैसा कि पता चला है... छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी पैनल के लिए फाइल का प्रॉसेज शुरू हो गया है। एसीएस होम, गृह मंत्री से होकर फाइल अंतिम अनुमोदन के लिए मुख्यमंत्री तक जाएगी। पैनल में तीन नाम भेजा जाए या पांच, इस पर मशिवरा चल रहा है। यदि तीन नाम भेजना होगा तो पवनदेव, अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता का नाम होगा। और पांच जाएगा तो एसआरपी कल्लूरी और प्रदीप गुप्ता का नाम जुड़ जाएगा। हालांकि, डीजीपी कौन होगा, यह लगभग तय हो चुका है। यूपीएससी से पैनल एप्रूव्ह होने के बाद उसी नाम पर सरकार टिक लगा देगी। अलबत्ता, ऐन वक़्त पर अगर अशोक जुनेजा का ऊपर से एक्सटेंशन का कोई आदेश आ गया तो फिर बात अलग है।

मंत्रियों के सिपहसालार

लोकसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ के मंत्रियों के लिए आईआईएम में स्पेशल क्लास आरगेनाइज किया गया था। मगर मंत्रियों की 11 महीने की वर्किंग और परफार्मेंस देखकर नहीं लगता कि देश के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट की क्लास से कोई फायदा हुआ। स्थिति विकट है...करीब-करीब साल गुजरने वाला है मगर मंत्रियों का कोई काम ट्रेक पकड़ता नहीं दिख रहा है। इसकी दो महत्वपूर्ण वजह बताई जा रही है। पहली, अधिकांश मंत्रियों को काम सीखने में इंट्रेस्ट नहीं प्रतीत हो रहा। और दूसरी, गड़बड़ नस्ल के उनके स्टाफ। पिछले सरकारों के सारे खटराल पीए और सिपहसालार जोर-जुगाड़ लगाकर नए मंत्रियों के साथ जुड़ गए। मंत्रियों के पीए सलेक्शन में न जीएडी ने ध्यान दिया और न ही मंत्रियों ने। नतीजा यह हुआ कि मंत्रियों को ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेला में उलझा दिया गया। मंत्रियों के विभाग की बात तो अलग उनके सिपहसालारों ने उनके गृह जिलों का भी कबाड़ा कर दिया। अब ये कितनी हैरान करने वाली बात है कि डिप्टी सीएम अरुण साव के गृह नगर पंचायत लोरमी को लोवर ग्रेड के बाबू रैंक का सहायक राजस्व निरीक्षक चला रहा है। जबकि, अरुण इसी विभाग के मंत्री हैं... कायदे से सूबे के सबसे काबिल सीएमओ की वहां नियुक्ति की जानी चाहिए थी। वहीं, दूसरे डिप्टी सीएम विजय शर्मा के गृह क्षेत्र कवर्धा का कलेक्टर एलायड सर्विस के एक ऐसे अफसर को बना दिया गया, जिन्हें न रेवेन्यू का अनुभव है और न एडमिनिस्ट्रेशन का। बाकी मंत्रियों का हाल भी कमोवेश वही है। ऐसी स्थिति रही तो बीजेपी को कैबिनेट में बड़ी सर्जरी करनी पड़ जाएगी।

रांग नंबर डायल

मंत्रीजी के लोगों के पीए खुद को मंत्री से कम नहीं समझते। अफसरों को इस अंदाज में फोन लगाते हैं, जैसे पीए नहीं मंत्री वे ही हो। मगर एक मंत्री के पीए ने एक गलत नंबर डॉयल कर दिया। उन्होंने रायपुर पुलिस के एक बड़े अफसर को फोन लगाया... मंत्रीजी ने कहा है...ये काम करना है। दूसरे दिन फिर फोन...मंत्रीजी पूछ रहे हैं, जो बताया था, वो हुआ नहीं। अफसर ठहरे 24 कैरेट वाले। सो, पलट कर ऐसा हड़काया कि अब फिर पीए की हिम्मत नहीं होगी अफसर को फोन लगाने की। वैसे, इससे पहले मुकेश गुप्ता का भी ऐसा औरा था कि मंत्री के पीए कौन कहें, मंत्रियों को बात करने से पहले दस बार सोचना पड़ता था।

अमित को विभाग

2004 बैच के आईएएस अफसर अमित कटारिया सेंट्रल डेपुटेशन से छत्तीसगढ़ लौट आए हैं। हालांकि, उन्होंने ज्वाईन अगस्त में कर लिया था मगर इसके बाद वे छुट्टी पर चले गए थे। हालांकि, इससे पहले वे डेपुटेशन कंप्लीट करने के बाद ज्वाईन करने आए थे मगर इसके बाद वे छुट्टी पर चले गए थे। अमित केंद्र से लौटे हैं, तो विभाग भी ठीकठाक ही मिलने की उम्मीदें होंगी। ब्यूरोक्रेसी में जिस तरह की चर्चाएं हैं, उसके मुताबिक अमित को हेल्थ, पीडब्लूडी और नगरीय निकाय में से कोई एक विभाग मिल सकता है। बता दें, ये सिर्फ अटकलें हैं, तय तो सीएम विष्णुदेव साय को करना है। कई बार ज्यादा चर्चाएं होने पर सरकारें अपना डिसिजन बदल देती हैं।

चिप्स में डबल आईएएस

राज्य सरकार ने विश्वरंजन को सीओओ अपाइंट किया है। इससे पहले प्रभात मलिक सीईओ बनाए गए थे। छत्तीसगढ़ में यह पहला मौका होगा, जब चिप्स में दो-दो आईएएस होंगे। आईटी के इस युग में चिप्स के पास काम करने की अतंहीन संभावनाएं हैं। वैसे में और भी जब विष्णुदेव सरकार ऑनलाईन वर्किंग पर जोर दे रही है...वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विभागों के आईटी वर्क के लिए पहली बार 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। अब चिप्स को अपना पैटर्न दुरूस्त करना चाहिए। पिछले महीने व्यापम पुलिस की परीक्षा इसलिए नहीं ले पाया क्योंकि चिप्स के साफ्टवेयर को लेकर बात नहीं बन सकी। चिप्स कोर्ट केस को लेकर ऐसी परीक्षाओं से बचना चाहता है कि उसे भी पार्टी बनाया जा सकता है। अब सिस्टम में हैं तो कोर्ट-कचहरी उसका पार्ट होता है। चीफ सिकरेट्री को भी कई बार कोर्ट से नोटिस आ जाती है। इसका मतलब ये नहीं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के साफ्टवेयर ही न तैयार करें।

गले का फांस?

राज्य सरकार ने नगरीय निकायों के अध्यक्षों से चेक पर साइन करने का अधिकार समाप्त कर दिया है। अब सिर्फ सीएमओ के ही चेक पर दस्तखत होंगे। हालांकि, रमन सिंह की 15 साल की सरकार में भी चेक पर सीएमओ के ही दस्तखत होते थे मगर पिछली सरकार ने ये व्यवस्था बदलते हुए डबल सिगनेचर अनिवार्य कर दिया था। सीएमओ के साथ चेयरमैनों की भी। मगर सरकार बदलते ही यह नियम बदल दिया गया। सरकार ने यह बदलाव अच्छा किया है। जनप्रतिनिधियों के चेक पर हस्ताक्षर करने का मतलब समझा जा सकता है, इसके पीछे मकसद क्या होगा। मगर यह भी सही है कि सीएमओ पर भी सरकार को नजर रखनी होगी। वरना नगरीय निकाय चुनाव के आचार संहिता प्रभावशील होने से पहले सीएमओ कहीं धूम मत मचा दें।

बढिया है सुनील बाबू

छत्तीसगढ़ में भाग्य क़े धनी राजनेताओं की बात होगी तो सुनील सोनी का नाम टॉप थ्री में होगा। सुनील रायपुर के महापौर रहे, रायपुर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन बनाये गए। फिर रायपुर लोकसभा से सांसद चुने गए और अब विधायक निर्वाचित हुए हैं. वो भी थोड़े वोट से नहीं... 46 हजार की लीड. अगर वोटिंग परसेंट ठीक ठाक रहता तो हो सकता था, गुरू गुड़ और चेला शक्कर हो जाता। गुरू यानी बृजमोहन अग्रवाल। गुरू विधानसभा चुनाव में 67 हजार से जीते थे। अलबत्ता, सुनील को जब टिकिट मिला तो चौक-चौड़ाहों पर लोग नाक- भौं सिकोड़ कर रहे थे... बीजेपी ने ये क्या किया। मगर या तो पार्टी ने ज्यादा मेहनत कर दी या फिर वही... सुनील सोनी भाग्य लिखा कर लाए हैं... कम वोटिंग में भी उन्हें बड़ी लीड मिल गई।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ क़े भाग्य क़े धनी तीन नेताओं क़े नाम बताइये?
2. छत्तीसगढ़ का अगला DGP कौन बनेगा?

हॉलीवुड मसाला

16 मिनट के रोल के लिए जीता अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। साल 1991 में एक फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज 'द सायलेंस ऑफ द लैम्ब्स' में एंथनी हॉपकिंस ने हन्निबल लेक्टर का किरदार सिर्फ 16 मिनट के लिए निभाया था, लेकिन उसकी परफॉर्मेंस इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने बेस्ट एक्टर का ऑस्कर जीत लिया। इस फिल्म का निर्देशन जोनाथन डेमे ने किया था, जो आमतौर पर संगीत डॉक्यूमेंट्री और कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते थे, लेकिन उन्होंने इस फिल्म में शानदार मानसिक तनाव और रहस्य पैदा किया, जो इसे और भी प्रभावशाली बना देता है।

कॉमेडी फिल्म में करेंगी काम

लॉस एंजिल्स। भारतीय अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा फिल्म 'मिसचीफ' में नजर आने वाली हैं। कोंकणा सेन को इस कॉमेडी फिल्म में कार्लोस बार्डेम के विपरीत मुख्य किरदार दिया गया है। फिल्म की कहानी और काम के एक्सपीरियंस को लेकर कोंकणा सेन ने कुछ बातें भी साझा की हैं। साथ ही फिल्म की निर्माता अनु वैद्यनाथन ने भी कोंकणा के लिए कुछ बातें कही हैं। फिल्म को लेकर कोंकणा सेन ने कहा, मैं इस कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनकर अच्छा लग रहा है। फिल्म में महिला की कहानी और इसके लेखन से मैं बहुत खुश हूं। बता दें मिसचीफ में एक मां की कहानी को दिखाया गया है, जो एक फिल्म निर्देशक बनकर स्ट्रगल कर रही हैं। उनकी शादी से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। साथ ही बच्चों की जिम्मेदारियां भी वे उठा रही हैं। ब्रिटिश फिल्म निर्माता पीटर वेबर इस फिल्म में कार्यकारी निर्माता के रूप में शामिल हैं। उन्होंने गर्ल विद ए पर्ल इयरिंग फिल्म के निर्माण में भी काम किया है। फिल्म का निर्माण अवनी फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है। इस फिल्म प्रोडक्शन की कुछ फिल्मों को इफ्फी में भी शामिल किया गया है।

अगस्त्य पर सुहाना ने लुटाया प्यार

मुंबई। अमिताभ बच्चन ने नाती अगस्त्य नंदा के 24वें बर्थडे पर सुहाना खान ने खूब प्यार लुटाया। सुहाना ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड अगस्त्य का कान खींचते हुए तस्वीर शेयर की। वहीं, बहन नव्या नवेली नंदा ने भी प्यारी तस्वीरें शेयर कर भाई अगस्त्य को विश किया। सुहाना खान और अगस्त्य नंदा के अफेयर की खबरें पिछले काफी समय से आम हैं। दोनों ने फिल्म 'द आर्चीज' में साथ काम किया था, और तभी से उनका नाम साथ जोड़ा जाने लगा। इसी बीच सुहाना ने अगस्त्य को उनके बर्थडे पर एक प्यारे पोस्ट के साथ विश किया है। शाहरुख खान ने बड़े ही दिलचस्प अंदाज में अगस्त्य को बर्थडे विश किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अगस्त्य नंदा संग एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की। इसमें सुहाना, अगस्त्य का कान खींचती नजर आ रही हैं।

श्रीलीला के लुक ने मचाई खलबली सामने आया गाने का प्रोमो...

नई दिल्ली। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल'का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। 17 नवंबर को ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट दोगुनी हो गई है। वैसे 'पुष्पा 2: द रूल' की रिलीज में अभी ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। यह मूवी अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस बीच 'पुष्पा 2: द रूल'के मेकर्स ने फिल्म के गाने 'किस्सिक'का प्रोमो हुआ रिलीज कर दिया है। 'किस्सिक' सॉन्ग के प्रोमो में श्रीलीला के लुक की झलक देखने को मिल रही है। वह इस गाने में आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन के साथ धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस करती नजर आएंगी। यह गाना 24 नवबंर को शाम 7 बजे रिलीज होगा। 'किस्सिक' गाने में अल्लू अर्जुन और श्रीलीला के हाई-एनर्जी डांस मूव्स देखने को मिलेंगे गाने का म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। 'पुष्पा' फ्रेंचाइजी का पहला पार्ट यानी 'पुष्पाः द राइज' ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था।

नकारात्मकता पर नहीं देना चाहते ध्यान

नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी नवीनतम फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जिसके पास दुनिया में ज्यादा समय नहीं बचा है। हाल में ही अपने एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने निजी जीवन में नकारात्मकता के बीच आगे बढ़ने के लिए उम्मीद की किरण खोजने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वह जिस तरह से व्यक्ति हैं, वो उसे बदल नहीं सकते। एक बातचीत के दौरान, अभिषेक बच्चन ने नकारात्मकता के बावजूद अपने मौलिक मूल्यों को न बदलने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इंसान को दृढ़ होने के साथ-साथ चीजों को स्वीकारना और उसके अनुसार ही आगे बढ़ना चाहिए। अभिषेक ने कहा, 'जब बुरा अपनी बुराई न छोड़े तो अच्छा अपनी अच्छाई क्यों छोड़े?

टीवी मसाला

छोटे पर्दे पर लौट रहे दया अभिजीत और एसीपी प्रद्युम्न

नई दिल्ली। दो दशकों से अधिक समय तक दर्शकों को बांधे रखने के बाद 'सीआईडी' की टीम जल्द स्क्रीन पर वापस लौटेगी। सोनी टीवी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर क्राइम थ्रिलर शो की प्रीमियर की तारीख और समय की घोषणा कर दी है। 'सीआईडी 2' 1 दिसंबर को हमारी स्क्रीन पर वापस आने के लिए तैयार है। सोनी टीवी पर हर शनिवार और रविवार रात 10 बजे आप इस शो का लुत्फ उठा सकेंगे। वहीं, इसका धमाकेदार प्रोमो प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा रहा है। 'सीआईडी 2' में एसीपी प्रद्युम्न के रूप में शिवाजी साटम, दया के रूप में दयानंद शेट्टी और अभिजीत के रूप में आदित्य श्रीवास्तव हैं। प्रोग्रामिंग टीम ने 'सीआईडी 2' के लिए एक भव्य लॉन्च की योजना बनाई है, इसे रात 10 बजे का वीकएंड स्लॉट दिया गया है। शो का मुकाबला 'अनुपमा' और 'बिग बॉस 18' से होगा। निर्माताओं को विश्वास है कि 'सीआईडी 2' बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित करेगी और टीआरपी की सूची में अपनी जगह बनाएगी।

दिग्विजय ने यामिनी को कहा 'हाथी'

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 शो में तीन नई वाइल्ड कार्ड सदस्यों की एंट्री हुई है। इनके घर में आने के बाद घरवालों के बीच कई सारे मुद्दों को लेकर बात और बहस का माहौल दिखाई दिया है। बिग बॉस के हालिया एपिसोड में वाइल्ड कार्ड सदस्य यामिनी मल्होत्रा नाराज हो गईं, जब दिग्विजय राठी ने उन्हें 'हाथी' कहकर बॉडी शेम किया। टास्क जीतकर दिग्विजय टाइम गॉड बन गए। टाइम गॉड बनने के बाद दिग्विजय से यामिनी मल्होत्रा ने सभी को ड्यूटी सौंपने के लिए कहा। उस समय दिग्विजय बैठे थे, उनके पीछे हाथी की पेंटिंग नजर आ रही थी। इस पर दिग्विजय ने यामिनी को लेकर तंज कसा। दिग्विजय ने कहा, उनके पीछे एक हाथी है और सामने भी एक हाथी है। दिग्विजय की बात सुनकर यामिनी ने अजीब सी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने फिर कहा, 'सामने भी हाथी है, पीछे भी हाथी है'। यामिनी नाराज हो गईं। उन्होंने कहा, 'ऐसा मत बोलो, मेरे दर्शक क्या सोचेंगे।

जापान में लापता लेडीज का दबदबा

कमाई के मामले में पठान और सलार को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' बीते दिनों जापान के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कमाई के मामले में जापान में फिल्म कमाल का प्रदर्शन कर रही है। लाइफटाइम कलेक्शन के मामले में इसने शाहरुख खान की पठान और प्रभास की फिल्म सलार को पटखनी दे डाली है। जापान में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एसएस राजामौली की 'आरआरआर' है। राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत इस फिल्म के 'नाटू नाटू' गाने को ऑस्कर मिल चुका है। अब इसके बाद 'लापता लेडीज' ने भी सफलता का झंडा बुलंद किया है। ऑस्कर में 'सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म' श्रेणी में नामांकित फिल्म ने 50 मिलियन येन कमाए हैं। यह 2.75 करोड़ रुपए से अधिक हैं। जापान में यह कमाई फिल्म ने 45 दिनों में की है। शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' ने जापान के बॉक्स ऑफिस पर करीब 50 मिलियन येन का कारोबार किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक प्रभास की 'सलार' ने अपनी जापान रिलीज के दौरान 46 मिलियन येन कमाए। दावा किया जा रहा है कि फिल्म 'लापता लेडीज' 'बाहुलबली' को भी रेस में पीछे छोड़ सकती है। फिल्म लापता लेडीज की कहानी ट्रेन में बदली गई दो बहुओं की कहानी पर आधारित है। यह महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर बनी है। इसमें प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, छाया कदम और रवि किशन जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

चार घंटे 15 मिनट की ये है बॉलीवुड की सबसे लंबी फिल्म

14 हीरो और 10 हीरोइन के साथ बॉक्स ऑफिस पर हुई थी फ्लॉप

नई दिल्ली। बॉलीवुड में पहले फिल्मों का रन टाइम बहुत ज्यादा होता था जिसकी वजह से लोगों का इंटरेस्ट बीच में ही टूटने लगता था और फिल्म बोरिंग लगने लगती थी। इसी वजह से अब फिल्म का रन टाइम ज्यादा से ज्यादा 2.5 घंटे ही होता है ताकि कम समय में एक कहानी को आसानी से समेटा जा सके। बॉलीवुड में पहले कई फिल्में आईं थीं जिन्हें दो पार्ट में डिवाइड करके रिलीज किया गया था। एक फिल्म ऐसी है जो जिसका रन टाइम सबसे ज्यादा है। ये इंडिया की सबसे लंबी फिल्म है। ये फिल्म कोई और नहीं, बल्कि एलओसी कारगिल है। जिसमें मल्टी स्टार कास्ट नजर आई थी।

बॉक्स ऑफिस पर ऐसा रहा हाल

एलओसी कारगिल के बजट की बात करें तो फिल्म 33 करोड़ में बनकर तैयार हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 31.67 करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लोग आज भी देखते हैं। इसे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। फिल्म को रिलीज हुए 21 साल हो चुके हैं और अभी भी ये स्टारकास्ट के दिल के बहुत करीब है। फिल्म की एनिवर्सरी पर स्टार्स अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हैं और अपने पुराने दिनों को याद करते हैं।

नहीं दिखा पाई थी कुछ कमाल

एलओसी कारगिल की बात करें तो इसे जेपी दत्ता ने डायरेक्ट किया था। साल 2003 में रिलीज हुई इस फिल्म की स्टारकास्ट बहुत बड़ी थी। फिल्ममें अजय देवगन, संजय दत्त, सैफ अली खान, अक्षय खन्ना, मनोज बाजपेयी, सुनील शेट्टी, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी और करीना कपूर भी अहम किरदार निभाते नजर आए थे। इतनी बड़ी स्टारकास्ट के होने से लग रहा था कि फिल्म कुछ धमाल मचाएगी। मगर ऐसा हुआ नहीं। फिल्म ने बजट से भी कम कमाई की। एलओसी कारगिल के रन टाइम की बात करें तो ये 4 घंटे 15 मिनट है। जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए कई ज्यादा है।

फेमस फिल्ममेकर विधु विनोद चोपड़ा 'मुन्नाभाई एमबीबीएस', 'पीके', '3 इडियट्स'जैसी फिल्मों को बनाने के लिए जाने जाते हैं। पिछले साल उनके डायरेक्शन में बनी '12वीं फेल'फिल्म काफी पॉपुलर हुई। हाल ही में विधु विनोद चोपड़ा ने 'मुन्नाभाई एमबीबीएस'को लेकर बात की और बताया कि संजय दत्त से पहले लीड रोल के लिए एक स्टार ने हामी भर दी थी, लेकिन ऐन वक्त पर फिल्म से किनारा कर लिया था। उन्होंने यह भी बताया कि संजय दत्त को जहीर के रोल के लिए कास्ट किया गया था जिसे जिमी शेरगिल ने निभाया था।

'आप जो कहेंगे, मैं कर लूंगा...', हीरो ने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही भर दी थी हामी, बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई थी फिल्म

नई दिल्ली। विधु विनोद चोपड़ा शुक्रवार को गोवा में चल रहे इंटरनेशल फिल्म फेस्टिवल (IFFI) के 'लिविंग मूवीजः फिल्ममेकिंग और क्रिएटिव लाइफ'सेशन में शामिल हुए थे। वहां पर उन्होंने 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' की कास्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'एक और स्टार को मुन्ना भाई का रोल निभाना था। मैं उनका नाम नहीं लूंगा, मेरी पत्नी मुझे मार डालेगी. उन्होंने वही किया जैसा कि स्टार्स अक्सर करते हैं, आखिरी वक्त में पीछे हट गए। संजय दत्त को जिमी शेरगिल का रोल निभाना था, वह मुन्ना भाई नहीं थे।'

संजय दत्त ने नहीं पढ़ी थी स्क्रिप्ट

फिल्ममेकर ने बताया कि संजय दत्त ने फिल्म की स्क्रिप्टभी नहीं पढ़ी थी, भले ही उन्हें बताया गया था कि वह लीड रोल निभा रहे हैं। विधु विनोद चोपड़ा ने आगे कहा, 'जब संजय (संजय दत्त) आया, तो मैंने कहा कि तू मुन्ना भाई कर रहा है (लीड रोल)। उसने बोला कि आप जो कहेंगे वो कर लूंगा। उसे किसी किरदार की परवाह नहीं थी। उसने स्क्रिप्ट ही नहीं पढ़ी थी। मैंने संजू को स्क्रिप्ट दी पढ़ने के लिए। वह डेढ़ घंटे बाद आया और बोला कि कमाल की स्क्रिप्ट है, जबकि उसने एक पेज भी नहीं पढ़ा था।'

साल 2003 में रिलीज हुई थी फिल्म

बताते चलें कि संजय दत्त की फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस'साल 2003 में रिलीज हुई थी। इसका डायरेक्शन राजकुमार हिरानी ने किया था। इसमें संजय दत्त के साथ ग्रेसी सिंह की जोड़ी नजर आई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म बड़ी हिट साबित हुई थी। इसके बाद साल 2006 में 'लगे रहो मुन्नाभाई'आई। यह मूवी भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में कामयाब रही। इन दोनों मूवीज को विधु विनोद चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया था।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें सवाल, मेरा लक्ष्य क्या

सफल निवेशक बनने के लिए पैसों का सही जगह निवेश जरूरी ■ यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है ■ यह भी देखें कि कितना पैसा निवेश करना है और क्या चुनौतियां हैं ■ निवेश का लक्ष्य अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं या कर चुके हैं तो एक बार खुद से एक सवाल जरूर पूछें कि आखिर यह निवेश करने के पीछे मेरा लक्ष्य क्या है। मैं यह निवेश क्यों करना चाहता हूं। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

मासिक क्षमता कितनी है?

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन-कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे?

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

अवधि क्या है?

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

क्या टैक्स की बचत होती है?

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह कमीशन व चार्ज देना पड़ेगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकल सकते हैं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

बाजार के बुरे दौर में निवेश बनाए रखें या निकाल लें पैसा

■ कौन सी स्ट्रैटेजी होगी सही, पीक से 12% टूट चुका है निफ्टी
■ शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी
■ सेंसेक्स अपने आलटाइम हाई से 12% व निफ्टी 12.5% तक टूटी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। सेंसेक्स अपने आलटाइम हाई से करीब 13 फीसदी और निफ्टी 12.8 फीसदी तक टूट गया है। इस गिरावट ने स्टॉक ही नहीं इक्विटी म्यूचुअल फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर डाला है। ऐसे में निवेशकों का बाजार में पैसे लगाने को लेकर कनफ्यूज होना जायज है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि मौजूदा भाव से बाजार में 2 से 3 फीसदी गिरावट और बढ़ सकती है। बहुत से निवेशक ऐसे भी होंगे जो बाजार में एंट्री करने से घबरा रहे होंगे या जिनका निवेश होगा, वे निकालने की तैयारी कर रहे होंगे। तो क्या बाजार के इस बुरे दौर में आपको अपना निवेश बनाए रखना चाहिए या आपको अपना पैसा निकालना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसी ही कुछ बाते जो आपको बाजार की गिरवट के दौर में कुछ सुकून दे सकती हैं। हालांकि कहा जाता है की बाजार की गिरावट के दौर में निवेशकों को घबराकर पैसा नहीं निकलना चाहिए, क्योंकि बाजार में गिरवट का दौर ज्यादा लंबा नहीं होता।

बुरे समय में निवेश के फायदे

बाजार में गिरावट आने पर निवेश के कुछ फायदे भी होते हैं। ऐसे में आप इन फायदों को भी भुना सकते हैं। आपको लो कास्ट इन्वेस्टमेंट का मौका मिलता है। अगर आप एसआईपी इन्वेस्टर हैं, तो यूनिट सस्ते में मिल जाता है। वहीं, जब बाजार में रिकवरी आती है तो इन यूनिट पर आपको बेहतर रिटर्न हासिल होता है। बाजार में गिरावट लंबी अवधि के लिए निवेश का मौका देती है। अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो बाजार में गिरावट वास्तव में कम कीमतों पर अधिक खरीदारी का अवसर है। हालांकि अगर आपका फाइनेंशियल लक्ष्य पूरा होने की कगार पर है तो आप इक्विटी से पैसा डेट या किसी सुरक्षित या निवेश के ट्रेडिशनल विकल्पों में ट्रांसफर करना चाहिए।

बाजार के व्यवहार को लेकर कुछ तय नहीं

बाजार के जानकारों का कहना है कि उतार चढ़ाव बाजार का एक ऐसा ट्रेंड है, जो समय समय पर देखने को मिलता रहता है। यह अनुमान लगाना व्यावहारिक रूप से असंभव है कि किसी निश्चित दिन बाजार कैसा व्यवहार करेगा। ऐसे कई दौर रहे हैं, जब बाजार में बड़ी गिरावट आती है और रिकवरी उससे भी तेजी से होती है। बाजार में गिरावट स्थिर नहीं होती है, कई मौकों पर गिरावट के बाद तेज रिकवरी देखने को मिली है। इसलिए सिर्फ गिरावट देखकर निवेश भुना लेना समझदारी नहीं है। गिरावट के समय निवेश के कई फायदे हैं। ऐसे समय में आप अपना निवेश बढ़ा सकते हैं और बाद में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। निवेश को लेकर भी अलर्ट रहना जरूरी होता है।

घबराने की बजाय बेस्ट डे का उठाएं फायदा

एक रिपोर्ट बताती है कि निवेशकों को इस तरह के माहौल में घबराने की बजाय बाजार के सबसे अच्छे दिनों का इंतजार करना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार 1995 के बाद से अबतक ऐसे कई फेज आए हैं, मसलन वैश्विक मंदी, कोविड 19, ग्लोबल रेट हाइक सेल आफ या चुनावों को लेकर अनिश्चितताएं. लेकिन इस दौरान भी बाजार ने कुछ बेहतरीन दिन देखे हैं, जिनमें बाजार ने हाई रिटर्न दिया है। इन बेहतरीन दिनों के चलते हर बार ऐसे फेज के बाद बाजार का लॉन्ग टर्म रिटर्न अच्छा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीते करीब 20 साल की बात करें तो जो निवेशक बाजार के सबसे अच्छे 10 दिनों से चूक गए, उनका रिटर्न आधे से भी कम रह गया।

बिगेस्ट बुल मार्केट के दौर में भी गिरावट

इंडियन मार्केट के लिए बिगेस्ट बुल मार्केट 2003-2007 के बीच रही, जबकि इस दौरान निफ्टी ने 214% रिटर्न जेनरेट किया। 5 साल में लार्जकैप का सीएजीआर 35% रहा था। जबकि 2003 में इंट्रा ईयर मार्केट फाल 14 फीसदी था। यानी अगर किसी ने 2003 में अपना पूरा निवेश निकाल लिया होगा तो उसे 214 फीसदी रिटर्न से हाथ धोना पड़ा।

निवेश से पहले समझ लें एक्सपेंस रेश्यो, वरना घट सकता है मुनाफा

● म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए सबसे जरूरी ● एसआईपी के जरिये निवेश आजकल तेजी से हो रहा पॉपुलर
● ग्रामीण क्षेत्रों में भी एसआईपी के जरिये निवेश बढ़ रहा ● एसआईपी वेल्थ क्रिएशन के लिहाज से काफी अच्छी स्कीम

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

अगर आप म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का मन बना रहे हैं तो एक बार एक्सपेंस रेश्यो के बारे में जरूर जान लें, क्योंकि ये आपके मुनाफे में सेंध लगा सकता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का तरीका आजकल तेजी से पॉपुलर हो रहा है। एसआईपी को निवेश के बेहतरीन ऑप्शंस में गिना जाता है। मार्केट लिंक्ड स्कीम होने के बावजूद ये डायरेक्ट शेयर्स में निवेश करने के मुकाबले ये कम जोखिमभरा माना जाता है। ज्यादातर एक्सपर्ट्स इसका औसत रिटर्न 12 फीसदी मानते हैं। कंपाउंडिंग का फायदा मिलने के कारण लॉन्ग टर्म में ये स्कीम अच्छा खासा मुनाफा करवा सकती है। एसआईपी को वेल्थ क्रिएशन के लिहाज से काफी अच्छी स्कीम माना जाता है, लेकिन अगर आप इसमें इन्वेस्ट करने का मन बना रहे हैं तो आपको पहले एक्सपेंस रेश्यो के बारे में जरूर जान लेना चाहिए। आमतौर पर लोगों को लगता है अगर किसी फंड का रिटर्न 12 फीसदी या 15 फीसदी है उसका पूरा फायदा उन्हें होगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। मुनाफे में सेंध लगाने के लिए एक्सपेंस रेश्यो बीच में आ जाता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि ये एक्सपेंस रेश्यो आखिर क्या बला है जो आपके मुनाफे को घटने की क्षमता रखती है।

क्या होता है एक्सपेंस रेश्यो?

एसेट मैनेजमेंट कंपनीज (एएमसी) म्यूचुअल फंड्स को मैनेज करती हैं। एएमसी फंड डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग का खर्चा उठाती हैं, साथ ही म्यूचुअल फंड के ट्रांसफर कस्टोडियन, लीगल और ऑडिटिंग जैसे खर्च भी उठाती है। ये सभी तरह के खर्च म्यूच्युअल फंड की यूनिट खरीदने वाले इन्वेस्टर्स से वसूले जाते हैं। इस तरह के सभी एक्सपेंस निकालने के बाद म्यूच्युअल फंड स्कीम की नेट एसेट वैल्यू निकाल ली जाती है। सरल शब्दों में समझें तो आपके म्यूचुअल फंड को मैनेजमेंट का जो भी खर्च आता है उसे एक्सपेंस रेश्यो कहा जाता है। किसी भी फंड का एक्सपेंस रेश्यो ही ये तय करता है कि आपको कोई फंड कितना सस्ता मिलेगा।

एक बार में नहीं वसूले जाते हैं रेश्यो

हर कंपनी अपने लिए अपने हिसाब से एक्सपेंस रेश्यो सेट करती है। एक्सपेंस रेश्यो एक बार में नहीं वसूले जाते हैं। फंड हाउस अपने हर दिन के खर्चे को कैलकुलेट करते हैं, जिसके बाद इसे डेली बेसिस पर निकाला जाता है। एनुअल एक्सपेंस रेश्यो, साल के ट्रेडिंग डेज में डिवाइड होते हैं, जिन्हें टोटल एनवी पर लगाया जाता है। एक्सपेंस रेश्यो से यह पता चलता है कि आपके इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो से आपका म्यूच्युअल फंड मैनेजमेंट आपसे कितनी फीस ले रहा है।

कई तरह के होते हैं म्यूचुअल फंड्स

म्यूचुअल फंड कई तरह के होते हैं जैसे-इक्विटी फंड्स, डेट फंड्स, बैलेंस या हाइब्रिड फंड्स। इक्विटी फंड, निवेशकों से लिए पैसे को शेयर में लगाते हैं। डेट फड्स में निश्चित आय वाले साधनों जैसे ट्रेजरी बिल, कॉरपोरेट बॉन्ड और गवर्नमेंट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। वहीं, हाइब्रिड में इक्विटी और डेट फंड्स का मिश्रण होता है।

निवेश करते समय यह रखें ध्यान

■ **वित्तीय उद्देश्य निर्धारित करें :** निवेश के लिए आपके लक्ष्य क्या हैं? क्या आप रिटायरमेंट, घर के लिए डाउन पेमेंट या किसी और चीज के लिए बचत कर रहे हैं? आपको पैसे की जरूरत पड़ने से पहले कितना समय बचा है? पहले यह तय करना जरूरी है।
■ **जोखिम सहन करने की क्षमता :** आप कितना जोखिम उठाने में सहज हैं? अगर आप रिटायरमेंट के करीब हैं, तो आपको कम जोखिम वाला फंड चुनना चाहिए। अगर आप युवा हैं, तो आप ज़्यादा जोखिम उठाने में सक्षम हो सकते हैं।
■ **म्यूचुअल फंड का प्रकार चुनें :** म्यूचुअल फंड के कई अलग-अलग प्रकार हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना जोखिम और लाभ प्रोफ़ाइल है। आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के लिए उपयुक्त फंड चुनना होगा।
■ **सक्रिय या निष्क्रिय प्रबंधन शैली :** सक्रिय रूप से प्रबंधित फंड बाजार को मात देने की कोशिश करते हैं, जबकि निष्क्रिय रूप से प्रबंधित फंड एक विशिष्ट सूचकांक को ट्रैक करते हैं।
■ **शॉर्टलिस्ट फंडों के प्रदर्शन की जांच करें :** कुछ वर्षों में शॉर्टलिस्ट किए गए फंडों का प्रदर्शन कैसा रहा है? वे अपने साथियों की तुलना में कैसे हैं?
■ **व्यय अनुपात का विश्लेषण करें :** व्यय अनुपात आपके निवेश का वह प्रतिशत है जो फीस में जाता है। कम व्यय अनुपात का मतलब है कि आपका ज़्यादा पैसा आपके काम में जाता है।
■ **फंड की लिक्विडिटी और आकार की जांच करें :** फंड में शेयर खरीदना और बेचना कितना आसान है? फंड कितना बड़ा है? बड़े फंड ज़्यादा लिक्विड होते हैं, लेकिन वे ज़्यादा महंगे भी हो सकते हैं। फंड मैनेजर की विशेषज्ञता का आकलन करें। फंड मैनेजर कितना अनुभवी है? उनका ट्रैक रिकॉर्ड क्या है?
■ **पॉलिसी दस्तावेज़ पढ़ें :** यह दस्तावेज़ फंड के बारे में सब कुछ बताएगा, जिसमें उसका निवेश उद्देश्य, जोखिम प्रोफ़ाइल और शुल्क शामिल हैं।

ऐसे खोल सकते हैं खाता

■ **ऑनलाइन :** निवेशक फंड हाउसों की वेबसाइट या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन म्यूचुअल फंड खाते खोल सकते हैं।
■ **ऑफलाइन :** निवेशक ऑफलाइन खाता खोलने के लिए म्यूचुअल फंड वितरक या निकटतम शाखा कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

तैयारी — बचत और निवेश का ध्यान रखते हुए सही फाइनेंशियल प्लानिंग करें, अमीर बनने के लिए पहले अपनी आदतें सुधारनी होंगी

सपना देखें और उसे पूरा करने के लिए जी जान लगा दें

पांच गलतियां जो भविष्य में करवाती हैं बड़ा नुकसान, इनसे सबक लेना जरूरी

कई बार लोग अमीर बनने का सपना तो देखते हैं, लेकिन पूरा नहीं करते

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में पैसे कमाना कोई बड़ी बात नहीं है। हालांकि उसके लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी और अपनी कुछ आदतें भी बदलनी होंगी। तभी हम अमीर बनकर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। इसके लिए आपको सार्थक प्रयास करने होंगे। वरना पछताने के सिवाय कुछ नहीं बचेगा और बुढ़ापा भी संघर्ष में ही बीत जाएगी। करोड़पति बनना आज के समय में कोई मुश्किल काम नहीं है। अगर कोई सामान्य व्यक्ति भी बचत और निवेश का ध्यान रखते हुए सही फाइनेंशियल प्लानिंग करे, तो कुछ वर्षों में खुद को करोड़पति बना सकता है, लेकिन कई बार लोग काफी अच्छा कमाने के बावजूद पैसों के लिए परेशान रहते हैं। उनके बैंक अकाउंट में पर्याप्त बैलेंस तक नहीं होता। इसके पीछे इंसान की छोटी-छोटी आदतें जिम्मेदार होती हैं। अपनी कुछ आदतों के चलते लोग अपना काफी सारा पैसा फिजूल में बर्बाद कर बैठते हैं और बाद में पछताते हैं। खासकर जेन जेड जिनमें कुछ कर दिखाने का जोश तो काफी होता है, लेकिन इस जोश में वो होश संभालना भूल जाते हैं। ये गलती आगे चलकर उन्हें भारी पड़ती है। जब इसका अहसास होता है, तब तक काफी देर हो जाती है। यहां जानिए ऐसी 5 आदतों के बारे में जो आपका फाइनेंशियल फ्यूचर खतरे में डाल सकती हैं।

सेविंग्स न करना

पैसा हाथ में आया नहीं, उससे पहले ये प्लान बना हुआ है कि इसे कहां खर्च कर देना है। ये आदत अक्सर जेन जेड में देखने को मिलती है। अगर वो नौकरी भी करते हैं तो उनकी सोच होती है कि पैसा बचाने के लिए पूरी जिंदगी पड़ी है, अभी तो मौज कर लेनी चाहिए। ऐसे में वो पैसों की बचत नहीं कर पाते और सारा पैसा शौक में उड़ा देते हैं। ध्यान रखिए पैसों को उड़ाने की ये आदत आसानी से बदल नहीं पाती और आगे चलकर आपको बचत करने में बहुत समस्या होती है। इसलिए अगर अमीर बनना है तो पहली सैलरी के साथ ही बचत करना सीखें। बचत के मामले में 50-30-20 का रूल फॉलो करें और हर हाल में अपनी सैलरी का 20 फीसदी हिस्सा बचाएं।

इन्वेस्टमेंट न करना

तमाम लोग पैसा बचा तो लेते हैं, लेकिन वो अकाउंट में पड़ा रहता है और फिर अचानक से कहीं खर्च हो जाता है और वो फिर से खाली. इसलिए बचत के पैसों से निवेश करने की आदत डालें। निवेश किया गया पैसा भविष्य में आपके लिए बड़ा सपोर्ट करता है। आजकल ऐसे तमाम निवेश के ऑप्शंस मौजूद हैं जो कंपाउंडिंग का फायदा देते हैं और पैसो को तेजी से वेल्थ में क्रिएट कर देते हैं। सही स्ट्रैटेजी के साथ अगर आप कहीं निवेश करेंगे तो करोड़पति बनना भी बड़ी बात नहीं।

अमीर होने का दिखावा

यंग जेनरेशन में अमीर होने का दिखावा करने की आदत बहुत ज्यादा देखने को मिलती है। अमीर होने और दूसरों को अमीर दिखाने में बहुत बड़ा फर्क है। आजकल लोग खुद को अमीर दिखाने के लिए पैसों को महंगी शराब, पार्टी, स्मोकिंग, महंगे रेस्त्रां में जाना, ऑनलाइन गेम्स, डिस्क, ब्रांडेड शॉपिंग आदि में तमाम पैसे खर्च करते हैं, जिन्हें वो आसानी से बचा सकते हैं। अगर इन पैसों को बचाकर वो सही जगह पर निवेश करें तो आने वाले कुछ सालों में वो वास्तव में दौलतमंद बन जाएंगे, किसी को अमीर बनकर दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

शौक पूरे करने के लिए कर्ज लेना

आज के समय में बैंक में आपको लोन की सुविधा मिल जाती है, लेकिन इसे अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जा सकता है, शौक पूरे करने के लिए नहीं। मकान के लिए, एजुकेशन के लिए, बिजनेस बढ़ाने के लिए या फिर किसी इमरजेंसी में अगर आप लोन लेते हैं तो ये आपकी जरूरत है, लेकिन अगर आप शॉपिंग के लिए, घूमने-फिरने के लिए, महंगा स्मार्टफोन वगैरह खरीदने के लिए लोन ले रहे हैं तो ये फिजूल खर्च है। इस खर्च को रोकिए। क्रेडिट कार्ड ने लोगों को तमाम सुविधाएं दी हैं, तो कर्ज की आदत को भी काफी बढ़ा दिया है। इसके चक्कर में कई बार खर्चे जरूरत से ज्यादा हो जाते हैं और आमदनी इन कर्जों को चुकाने में चली जाती है। अगर आपने इस आदत को कंट्रोल नहीं किया तो भविष्य में अमीर बनने का सपना पूरा होना मुश्किल हो जाएगा।

हेल्थ इंश्योरेंस न खरीदना

भारत में आज भी एक बड़ा वर्ग हेल्थ इंश्योरेंस को जरूरी नहीं समझता। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो इस गलती को सुधार लें और हर हाल में हेल्थ इंश्योरेंस प्लान खरीदें। सेहत से जुड़ी इमरजेंसी कभी भी किसी के भी सामने आ सकती है। ऐसे में सेविंग्स का काफी पैसा अचानक से खर्च हो जाता है और फिर आप पछताते रहते हैं। अगर आप पहले से हेल्थ इंश्योरेंस खरीदकर रखेंगे तो ये आपके और आपके परिवार को सुरक्षा कवच देगा और मुश्किल समय में आपकी जिंदगी को बचाने में मददगार होगा। साथ ही आपके पैसों को भी बचाएगा। आप जितनी कम उम्र पर हेल्थ इंश्योरेंस प्लान खरीदते हैं, ये उतने बेहतर दामों में मिल जाता है।

आईपीएल का मेगा ऑक्सन आज से : पंत रचेंगे इतिहास, 10 टीमों के पास 641.5 करोड़ का पर्स

एजेंसी ▶▶ जेद्दा

इंडियन प्रीमियर लीग की रविवार से होने वाली दो दिवसीय मेगा नीलामी में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हो सकते हैं जबकि 577 खिलाड़ियों पर बोली लगने जा रही है। आईपीएल की दस टीमों के पास 641.5 करोड़ रुपए का पर्स है और 204 संभावित चयन होने बाकी हैं। ऐसे में सभी की नजरें पंत के नाम पर लगी होंगी। पंजाब किंग्स के पास सर्वाधिक 110.50 करोड़ रुपए का पर्स है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 83 करोड़ रुपए है।

25 करोड़ रुपए पार करने की संभावना

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पंत 25 करोड़ रुपए पार करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स या मुंबई इंडियंस के पास सिर्फ 45 करोड़ रुपए है और वे उन्हें इस कीमत पर खरीदने की स्थिति में नहीं होंगे। हर दो साल में टीम बदलने के लिए मशहूर पंजाब किंग्स के पास काफी बड़ा पर्स है और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग अपने पसंदीदा खिलाड़ी के साथ फिर एकजुट होना चाहेंगे।

81 का बेसप्राइज दो करोड़

नीलामी के लिए 81 खिलाड़ियों का बेसप्राइज दो करोड़ रुपए है। मौजूदा भारतीय क्रिकेटर एक मिलियन डॉलर (8.5 करोड़ रुपए) का आंकड़ा पार कर सकते हैं। पिछले तीन सत्र में 96 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट ले चुके अर्शदीप सिंह पर भी बड़ी बोली लग सकती है। पंजाब के पास आरटीएम कार्ड है लेकिन पता नहीं कि बोली कहां तक जाती है।

अय्यर-राहुल पर नजर

तेज गेंदबाजों की भी काफी मांग होंगी जबकि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को छोड़कर भारत के लगभग सभी स्टार क्रिकेटर लिए जा चुके हैं। अय्यर कप्तानी के लिए दिल्ली की पसंद हो सकते हैं। आरसीबी, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाइंटस, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के लिए तीन संभावित कप्तान पंत, राहुल या अय्यर हो सकते हैं।

मुंबई से दूर किशन

भारतीय खिलाड़ियों में ईशान किशन भी प्रमुख होंगे लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस उन्हें पिछली बार की तरह 15 करोड़ रुपए में खरीदने की स्थिति में नहीं है। मोहम्मद शमी पर भी नजरें रहेंगी जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के 7 खिलाड़ियों पर रहेगी नजर, बेस प्राइस 30 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दुनिया का सबसे बड़ी टी-20 क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा शहर में होगा। इस बार की नीलामी के लिए कुल 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन नीलामी के लिए सभी टीमों ने अब कुल 574 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है। ऑक्शन में छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी। इस बार छत्तीसगढ़ के 7 खिलाड़ी आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में शामिल किए गए हैं। रणजी और अन्य टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार है। ऐसे में उम्मीद है कि ऑक्शन में इन खिलाड़ियों पर भी बोली लगाई जा सकती है। जानकारी के अनुसार जो 7 खिलाड़ी में आयुष पांडेय, अजय मंडल, शुभम अग्रवाल,अमनदीप खरे, प्रतीक यादव,आशीष डहरिया और प्रशांत पैकरा का नाम शामिल है। इन सभी खिलाड़ियों की बेस प्राइस 30 लाख रुपए रखी गई है।

अमनदीप खरे

अजय मंडल

आयुष पांडे

आशीष डहरिया

प्रतीक यादव

प्रशांत पैकरा

शुभम अग्रवाल

शशांक पर पंजाब का भरोसा कायम

पिछले सीजन में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी शशांक सिंह ने पंजाब किंग्स की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 मैचों में 164.65 की स्ट्राइक रेट से 354 रन कूट दिए, जिसमें दो फिफ्टी शामिल थीं। उनका 164 से अधिक का स्ट्राइक रेट और लंबे-लंबे छक्के लगाने की काबिलियत ने उन्हें एक ही सीजन ने बहुत बड़ा स्टार बना दिया है। शशांक को इस बार पंजाब किंग्स ने 5 करोड़ में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर रिटेन किया है।

सीसीपीएल में चमके थे प्रदेश के खिलाड़ी

छत्तीसगढ़ के 7 खिलाड़ियों का टाटा आईपीएल 2025 की ऑक्शन लिस्ट में नाम आने पर प्रदेशभर के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी का माहौल ह है। यह सभी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग में भी अपना दमखम दिखा, चुके है, जिसके चलते इनका चयन मेगा ऑक्शन के लिए हुआ है। इन 7 खिलाड़ियों में प्रशांत पैकरा को 2023 के आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस ने अपने खेमे में शामिल किया था। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के लिए क्रिकेटर अजय मंडल को भी चुना गया है। इस बार भी आईपीएल में वो बड़ा धमाका कर सकते हैं। 24 और 25 नवंबर को ऑक्शन के लिए खिलाड़ियों की बोली लगाने सभी टीमें सऊदी अरब के जेद्दा शहर पहुंच गई है। मेगा ऑक्शन से पहले 46 खिलाड़ियों को टीमों की तरफ से रिटेन किया गया है।

खबर संक्षेप

वेस्टइंडीज के पांच विकेट पर 250 रन

नॉर्थ साउंड। मिकाइल लुईस और एलिक अथानाजे पहले शतक से मामूली अंतर से चूक गए लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन वेस्टइंडीज को पांच विकेट पर 250 रन तक पहुंचा दिया। लुईस 97 रन बनाकर और अथानाजे 90 के स्कोर पर आउट हुए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी की। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर जस्टिन ग्रीव्स 11 और जोशुआ डासिल्वा 14 रन बनाकर खेल रहे थे।

नामधारी ने दिल्ली से खेला गोल रहित ड्रॉ

श्री भैनी साहिब। नामधारी एफसी ने शनिवार को यहां आई लीग मुकाबले में 30 मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद दिल्ली एफसी को गोलरहित ड्रॉ पर रोका। दिल्ली एफसी को गोल करने के कई मौके मिले लेकिन टीम इनका फायदा नहीं उठा सकी। नामधारी एफसी ने दबदबा बनाया हुआ था लेकिन 61वें मिनट में उसे करारा झटका लगा जब एडो को दिल्ली के समीर बिनोंग को गिराने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया जिससे टीम अब 10 खिलाड़ियों की हो गई।

रिकॉर्ड संख्या में स्टेडियम पहुंचे दर्शक

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती मैच को देखने के लिए लगातार दूसरे दिन शनिवार को रिकॉर्ड संख्या में दर्शक यहां के ऑप्टस स्टेडियम में पहुंचे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जारी बयान के मुताबिक, 'एनआरएमए इंश्योरेंस वेस्ट टेस्ट' मैच के लिए 32,368 की संख्या में दर्शकों का स्टेडियम पहुंचना पर्थ में टेस्ट क्रिकेट के किसी भी दिन का एक रिकॉर्ड है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : बुमराह ने 11वीं बार पारी में झटके 5 विकेट

यशस्वी-राहुल की फिफ्टी, भारत ने बनाई 218 रन की बढ़त, ऑस्ट्रेलिया 104 पर ढेर

एजेंसी ▶▶ पर्थ

भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को दूसरी पारी में बेहतरीन शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया पर कुल 218 रन की बढ़त बना ली। इससे पहले कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 11वीं बार पारी में पांच विकेट लेने का कमाल करके आस्ट्रेलिया को 104 रन पर समेट दिया। पहली पारी में 150 रन बनाने वाली भारतीय टीम को 46 रन की बढ़त मिली थी। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 172 रन की अटूट साझेदारी की। 20 सालों के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारतीय ओपनर ने 100 प्लस की पार्टनरशिप की है।

जायसवाल ने पहली पारी की गलती से सबक लेते हुए धैर्यपूर्वक खेला तो राहुल ने अपने तकनीकी कौशल का फिर प्रदर्शन किया। दोनों ने विशुद्ध टेस्ट क्रिकेट अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अच्छी गेंदों का सम्मान किया तो ढीली गेंदों को नसीहत दी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर जायसवाल 193 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 90 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि पहली पारी में तीसरे अंपायर के विवादास्पद फैसले का शिकार हुए राहुल ने 153 गेंद में 62 रन बना लिए हैं जिसमें चार चौके शामिल हैं।

यशस्वी बने 'सिक्सर किंग'

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में धांसू वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है। वह एक खास लिस्ट में नए 'सिक्सर किंग' बन गए हैं। दरअसल, यशस्वी ने एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टेस्ट सिक्स जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यशस्वी साल 2024 में टेस्ट में 34 छक्के ठोक चुके हैं। उनसे पहले एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक सिक्स मारने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मैकुलम के नाम था। मैकुलम ने 2014 में 33 छक्के उड़ाए थे।

सात गेंदबाज नहीं तोड़ पाए एकाग्रता

दूसरी पारी में पिच पर जमी घास सूख गई थी और दरारें भी दिखने लगी जिससे गेंदबाजों को उतनी मदद नहीं मिल रही और बल्लेबाजों के लिये स्ट्रोक्स खेलना आसान हो गया है। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने सात गेंदबाजों को आजमाया लेकिन राहुल और जायसवाल की एकाग्रता नहीं तोड़ सके। जायसवाल ने चाय के बाद अपना अर्धशतक 123 गेंदों में पूरा किया जो 15 टेस्ट में उनका सबसे धीमा अर्धशतक है। यह बताता है कि बतौर बल्लेबाज वह बेखौफ ही नहीं बल्कि हालात के अनुरूप भी खेलने में माहिर हैं।

स्कोर बोर्ड

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल नाबाद	90	193	7	2
केएल राहुल नाबाद	62	153	4	0

अतिरिक्त : 20, योग : 57 ओवर में 172/0
गेंदबाजी : स्टार्क 12-2-43-0, हेजलवुड 10-5-9-0, कमिंस 13-2-44-0, मार्श 6-0-27-0, लियोन 13-3-28-0, लाबुशेन 2-0-2-0, हेड 1-0-8-0.

गुलवीर ने 10 हजार मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने शनिवार को जापान में '2024 हचियोजी लॉन्ग डिस्टेंस मीट' के 10000 मीटर स्पर्धा में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया।

टोक्यो के निकट स्थित हाचोझी में आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने 27 मिनट 14.88 सेकंड के समय के साथ अपनी दौड़ पूरी की। इस स्पर्धा में उनका पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 41.81 सेकंड था, जिसे उन्होंने 16 मार्च को अमेरिका के सैन जुआन में 'द टीईएन' प्रतियोगिता में कायम किया था। गुलवीर ने 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में 28 मिनट 17.21 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता था।

कलबुर्गी ओपन : फाइनल में बोबरोव से भिड़ेंगे सुल्तानोव

एजेंसी ▶▶ कलबुर्गी

सातवें वरीय भारतीय देव जाविया ने शनिवार को यहां संघर्ष किया लेकिन शीर्ष वरीय खुमोयुन सुल्तानोव को सीधे सेटों में जीत के बाद आईटीएफ कलबुर्गी ओपन के फाइनल में पहुंचने से नहीं रोक सके। उज्बेकिस्तान के सुल्तानोव भारत के खिलाड़ी देव से रैंकिंग में 450 स्थान ऊपर है। उन्होंने 7-6 (5), 6-2 से जीत दर्ज की। अब सुल्तानोव का सामना रूस के दूसरे वरीय बोगडान बोबरोव से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका के निक चैपल को 6-3, 6-0 से मात दी। वहीं रूस के शीर्ष वरीय इगोर अगाफोनोव और बोबरोव की जोड़ी ने युगल फाइनल में भारत के नितिन कुमार सिन्हा और अमेरिका के चैपल को 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर खिताब जीत लिया।

चैंपियंस ट्रॉफी विवाद सुलझाने को कोई बैठक नहीं : पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को उन खबरों को खारिज कर दिया कि उसके अधिकारी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर अनिश्चितता को दूर करने के लिए 26 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अपने समकक्षों के साथ एक वर्चुअल बैठक करेंगे। बीसीसीआई द्वारा टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने में असमर्थता जताने के बाद टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा में देर हो रही है।

दीपिका बनेगी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ ड्रैग-फ्लिकर

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह का कहना है कि तेजी से उभरती स्ट्राइकर दीपिका में भी एक शानदार ड्रैग-फ्लिकर बनने की क्षमता है और उनकी इस क्षमता को साकार करने में मदद करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा। मुख्य कोच ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी कि उनका काम है कि टीम का फिटनेस स्तर कभी कम नहीं हो। दुनिया के अधिकांश ड्रैगफ्लिकर डिफेंडर होते हैं लेकिन दीपिका एक स्ट्राइकर हैं और उन्होंने हाल ही में बिहार के राजगीर में समाप्त हुई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में मैदानी गोल करके अपनी प्रतिभा दिखाई। इस मैच में अभी तीन दिन बचे है और 'वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया' में किसी टेस्ट मैच के लिए दर्शकों की रिकॉर्ड संख्या टूटने की काफी संभावना है। मौजूदा रिकॉर्ड 1,03,440 है, जो 2006-07 में 'वाका' स्टेडियम में में एशेज टेस्ट के दौरान बनाया गया था। इस संख्या को पीछे छोड़ने के लिए अगले तीन दिनों में 39,771 दर्शकों की जरूरत है। टेस्ट के पहले दिन भी रिकॉर्ड 31,302 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, जिसने 2017 एशेज टेस्ट के दूसरे दिन 'वाका' में हासिल किए गए एक दिन के रिकॉर्ड 22,178 संख्या को पीछे छोड़ दिया था।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

सैयद मुश्ताक अली

तिलक वर्मा टी20 में लगातार 3 शतक बनाने वाले पहले भारतीय

एजेंसी ▶▶ मुंबई

तिलक वर्मा टी20 में लगातार तीन शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए जबकि श्रेयस अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग की मेगा नीलामी से पहले शतक लगाया जिससे दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले दौर में सुर्खियां बटोरीं।

हाल में सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक जड़ने वाले तिलक ने ग्रुप ए के राजकोट में हुए मैच में मेघालय के खिलाफ एक और शतक बनाया। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक ने सिर्फ 67 गेंद में 14 चौके और 10 छक्कों की मदद से 151 रन बनाए जिससे हैदराबाद ने 20 ओवर में चार विकेट पर 248 रन बनाने में कामयाब हुई। तिलक इस तरह टी20 में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर भी बन गए।

भारत की महिला बल्लेबाज किरण नवगिरे ने 2022 में सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में नगालैंड के लिए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 162 रन बनाए थे। अनिकेथरेड्डी और तनय त्यागराजन ने मिलकर सात विकेट साझा किए जिससे हैदराबाद ने प्रतिद्वंद्वी टीम को महज 69 रन पर समेटकर 179 रन की विशाल जीत दर्ज की।

अय्यर ने शतक ठोक मुंबई को दिलाई जीत

ग्रुप ई के मैच में श्रेयस अय्यर ने मुंबई के लिए चमकदार प्रदर्शन किया जिन्हें आईपीएल 2024 का खिताब दिलाने के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज कर दिया था। उन्होंने गोवा के खिलाफ मुंबई के लिए 57 गेंद में नाबाद 130 रन बनाकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। श्रेयस के शतक की बदौलत मुंबई ने चार विकेट पर 250 रन बनाए। लेकिन गोवा की टीम इस लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट पर 224 रन ही बना सकी और 26 रन से हार गई।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, निर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

भारत के पास हिंद महासागर में 'पाताल के रास्ते' का खुल गया रहस्य

लंदन। भारत के दक्षिण-पश्चिम में 1200 किलोमीटर की दूरी पर हिंद महासागर के अंदर एक रहस्यमय क्षेत्र है, जहां पानी का स्तर बाकी दुनिया के मुकाबले 348 फीट नीचे है। इस विशालकाय गड्ढे को लेकर तमाम किवदंतियां बनती रही हैं, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब इसका रहस्य सुलझाने का दावा किया है।

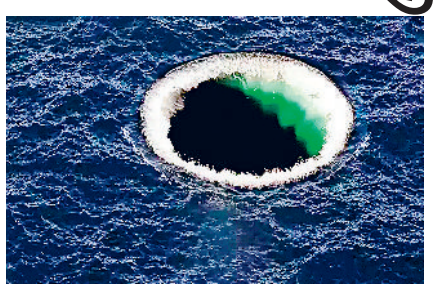

हमारी धरती अपने अंदर तमाम रहस्यों को समेटे हुए हैं। समंदर के रहस्य तो ऐसे हैं जिन्होंने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया है। ऐसा ही एक रहस्य भारत के पास स्थित हिंद महासागर के अंदर मौजूद है, जहां पानी के बीच एक विशाल गड्ढा नजर आता है। यह एक विशाल महासागरीय क्षेत्र है, जहां समंदर में कहीं और तुलना में समुद्र का स्तर 348 फीट (106 मीटर) कम है। 1948 में खोजे गए इस रहस्यमय गड्ढे को वैज्ञानिकों ने ग्रेविटी होल नाम दिया था। इसकी उत्पत्ति हाल ही तक रहस्य बनी रही थी, लेकिन अब इससे पर्दा हट गया है। समंदर में पानी के बीच यह विशालकाय गड्ढा प्रकृति की अनोखी रचना है, जो 31 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह समुद्री क्षेत्र भारत के दक्षिण-पश्चिम में 1200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। समंदर के बीच मौजूद इस रहस्यमय गड्ढे को पाताल के दरवाजा भी कहा जाता रहा है।

एक मर चुका सागर है जिम्मेदार

स्टडी में पाया गया है कि इसके निर्माण के पीछे टेथीज सागर है जो अब खत्म हो गया है। इसमें कहा गया है कि हिंद महासागर के रहस्यमय ग्रेविटी होल का निर्माण टेथीज सागर की मौत के बाद बना। टेथीज सागर पृथ्वी की पपड़ी (क्रस्ट) के हिस्से पर था, लेकिन 18 करोड़ साल पहले गोंडवाना के टूटने के दौरान यह यूरेशियन प्लेट के नीचे दब गया। इस तरह क्रस्ट के टुकड़े मेंटल के नीचे डूब गए। गोंडवाना एक प्राचीन महाद्वीप था, जो 18 करोड़ साल पहले टूट गया था। वर्तमान अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, भारतीय उपमहाद्वीप और अरब प्रायद्वीप इसका ही हिस्सा थे।

चील के पंख पर लगा कैमरा, ऊंचाई पर पहुंचा पक्षी, तो दिखा धरती का चौंकाने वाला नजारा!

नई दिल्ली। लोग अक्सर प्लेन में विंडो सीट चुनते हैं जिससे उन्हें बाहर का नजारा दिख सके, बादल, आसमान, नीचे की धरतीसब कुछ प्लेन से देखने पर जादुई लगता है। पर सोचिए कि पक्षियों की किस्मत हमसे ज्यादा अच्छी है कि उन्हें सैकड़ों फीट की ऊंचाई से धरती की खूबसूरती देखने में प्लेन की जरूरत नहीं पड़ती है। हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक चील के पंख पर कैमरा लगा है और उसके जरिए दिखाया गया है कि पक्षियों को धरती कैसी नजर आती है। पक्षियों को धरती पर मौजूद चीजें ज्यादा साफ नजर आती हैं। प्लेन से हमें नीचे की चीजें ज्यादा साफ नहीं दिख पातीं, क्योंकि बादल मौजूद होते हैं।

बीमार ऊंट को खिलाया जाता है जिंदा कोबरा

नई दिल्ली। क्या आपने कभी ऊंट को जिंदा कोबरा खिलाने के बारे में सुना है? अधिकतर लोगों का जवाब 'नहीं' होगा। रेगिस्तान के जहाज को जब एक खास तरीके की बीमारी होती है तो उसे जीवित जहरीला सांप खिलाया जाता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

सांप का नाम सुनते ही अक्सर लोग डर जाते हैं, और डरें भी क्यों न विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल एक लाख से भी अधिक लोगों की मौत सांप काटने की वजह से होती है। सांप एक ऐसा जीव है जिसका जहर न सिर्फ इंसानों को बल्कि बाघ, शेर, गैंडा और हाथी जैसे शक्तिशाली जानवरों को भी कुछ मिनटों में ही मार सकता है। ऐसे में किसी इंसान या जानवर के सामने अगर सांप आ जाता है तो वह उससे दूरी बनाने की पूरी कोशिश करता है।

किस बीमारी में ऊंट को सांप खिलाया जाता है?

कभी-कभी ऊंट एक खास बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं, जिसे हयाम कहा जाता है। इस बीमारी में ऊंट खाना-पीना छोड़ देते हैं और उनका शरीर अकड़ने लगता है। यह बीमारी इतनी गंभीर होती है कि कई बार ऊंट की जान भी जा सकती है। इसी बीमारी के इलाज के लिए मिडिल ईस्ट में ऊंट को जिंदा कोबरा खिलाया जाता है। इसे खिलाने के लिए पहले ऊंट के मुंह में जीवित सांप डाला जाता है, उसके बाद पानी पिलाया जाता है, जिससे सांप आसानी से ऊंट के पेट में चला जाता है।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457. फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com